भारतीय पुनर्वास परिषद्

सत्यमेव जयते

THE UNIVERSITY OF MELBOURNE

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) में प्रमाण-पत्र

अनुदेशक की मार्गदर्शिका चरण दो

संस्करण – 1.1

भारतीय पुनर्वास परिषद्

(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

भारत सरकार

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

सर्वाधिकार सुरक्षित

यह दस्तावेज़ भारतीय पुनर्वास परिषद् की पूर्णतः संपत्ति है। इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा आरसीआई की पूर्व अनुमति के बिना रिट्रीवल प्रणाली में पुनःप्रकाशित, संग्रहीत या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्यथा प्रेषित नहीं किया जा सकता है।

इस दस्तावेज़ में व्यक्त विचार लेखक के हैं न कि आरसीआई के।

आरसीआई के बारे में अधिक जानकारी वेबसाइट ***www.rehabcouncil.nic.in*** पर देखी जा सकती है

मार्च, 2021 फाल्गुन 1942 (शक)

सत्यमेव जयते

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) में प्रमाण–पत्र

अनुदेशक की मार्गदर्शिका
चरण दो

संस्करण – 1.1

भारतीय पुनर्वास परिषद्

भारतीय पुनर्वास परिषद्

(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

भारत सरकार

संचालन समिति :

श्रीमती शकुन्तला डौले गामलिन, भा.प्र.से.
सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और अध्यक्षा, भारतीय पुर्नवास परिषद्

श्रीमती तारिका रॉय,
संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. सुबोध कुमार,
सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली

विकास समिति :

पाठ्यक्रम अनुदेशक :

डॉ. नाथन ग्रिल्स,
एसोसिएट प्रोफेसर, नोसल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हैल्थ (एनआईजीएच), मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

प्रो. लिंडसे गेल,
एसोसिएट प्रोफेसर, नोसल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हैल्थ (एनआईजीएच), मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

मॉड्यूल I : समावेशी सामुदायिक विकास (आईसीडी)

श्री कार्मो नोरोन्हा,
कार्यकारी निदेशक, बेथानी सोसायटी, शिलांग

श्री पंकज मारू,
संस्थापक अध्यक्ष, स्नेह, नागदा, मध्य प्रदेश

मॉड्यूल II : आकलन और हस्तक्षेप (ए एण्ड आई)

डॉ. भूषण पुनानी,
कार्यकारी सचिव, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री जुबिन वर्गीज,
ईएचए अस्पताल, देहरादून

मॉड्यूल III : व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास (पीबीआरपी)

श्रीमती सारा वर्गीज,
कंट्री डायरेक्टर, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम) भारत, बैंगलोर

सुश्री जेचिन वेलेवन,
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर

सामग्री डेवलपर और संपादक :

प्रो. सुजाता भान,
विभाग प्रमुख, विशेष शिक्षा, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

डॉ. वर्षा गट्टू,
विभाग प्रमुख, विशेष शिक्षा, एवाईजेएनआईएसएचडी (दिव्यांगजन), मुंबई

यूनिट लेखक :

श्री अखिल पॉल,
निदेशक, सेंस इंटरनेशनल इंडिया, अहमदाबाद

सुश्री नंदिनी रावल,
कार्यकारी निदेशक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री विमल थवानी,
परियोजना निदेशक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री किन्नरी देसाई,
परामर्शी प्रबंधक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री एडलिन सिथर,
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर

श्री विशाल गुप्ता,
कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएचएआई), हैदराबाद

श्री उमेश,
क्रिस्टोफ़ेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम) भारत, दिल्ली

सुश्री लीला एग्नेस,
होली क्रॉस सोसाइटी, बैंगलोर

सुश्री फेयरलेन सोजी,
क्रिस्टोफ़ेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम) भारत, बैंगलोर

श्री शिशिर कुमार,
नमन जबलपुर, मध्य प्रदेश

सुश्री मेघना कश्यप,
मनोवैज्ञानिक, बैंगलोर

श्री भरत जोशी,
प्रबंधक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

श्री जगन्नाथ मल्लिक,
ऑर्थो– प्रोस्थेटिक इंजीनियर, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

कार्यक्रम समन्वयक :

श्री संदीप ठाकुर, एसीई, आरसीआई

विषय–सूची

प्रस्तावना 1

सीबीआईडी सक्षमताएँ 2

प्रगामी सक्षमता की परिकल्पना 3

चरण दो और तीन में अधिगम और शिक्षण 5

कार्यस्थल आधारित अधिगम 5

कार्यस्थल आधारित शिक्षण 6

चरण दो पूरा करने के लिए आवश्यकताएं 7

उपस्थिति : 7

आकलन प्रक्रियाएं 7

चरण दो व्याख्यात्मक टिप्पणियों की सूची (ईएन) 10

चरण दो एसाइनमेंट/कार्यों की सूची 12

चरण दो ब्लाक 1 12

चरण दो ब्लाक 2 13

चरण दो ब्लाक 3 14

प्रेक्षणमूलक आकलन 15

निर्देश और अंक समंकन निर्देशिका 22

चरण दो ब्लाक 1 समय–सारणी 26

चरण दो ब्लाक 1 सत्र योजनाएं 27

सप्ताह 5 27

सप्ताह 6 46

सप्ताह 7 52

सप्ताह 8 60

चरण दो ब्लाक 2 समय–सारणी 67

चरण दो ब्लाक 2 सत्र योजनाएं 69

सप्ताह 9 69

सप्ताह 10 81

सप्ताह 11 86

सप्ताह 12 89

चरण दो ब्लाक 3 समय–सारणी 95

चरण दो ब्लाक 3 सत्र योजनाएं 97

सप्ताह 13 97

सप्ताह 14 113

सप्ताह 15 118

सप्ताह 16 125

चरण दो परिशिष्ट 132

परिशिष्ट 24 : दिव्यांगता की पारिवारिक स्वीकृति 132

परिशिष्ट 25 : अधिगम जर्नल : अभ्यास 8 134

परिशिष्ट 26 : अधिगम जर्नल : अभ्यास 9 135

परिशिष्ट 27 : अधिगम जर्नल : अभ्यास 10 136

प्रस्तावना

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) छह माह की अवधि का पूर्णकालिक सक्षमता–आधारित व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम है।

यह पाठ्यक्रम 24 सप्ताह की अवधि का है – प्रत्येक सप्ताह मे 30 घंटे शामिल हैं (6 घंटे/दिन)।[1] सक्षमता–आधारित पाठ्यक्रम की अपेक्षाओं के ही अनुरूप, अभ्यासः सिद्धांत अनुपात 60:40 है।

यह पाठ्यक्रम तीन प्रमुख निष्पादन क्षेत्रों (के पी ए) को कवर करता हैंः

1. **समावेशी समुदाय विकास (आईसीडी)** – 40 प्रतिशत आवंटन,
2. **आकलन और हस्तक्षेप (ए एंड आई)** – 40 प्रतिशत आवंटन, और
3. **व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास (पीबी एंड आरपी)** – 20 प्रतिशत आवंटन।

[1]90 मिनट की अवधि के एक परिकल्पित सत्र का सुझाव दिया जाता है, जो प्रतिदिन 4 सत्र उपलब्ध कराएगा (20 सत्र/सप्ताह = 480 सत्र)। सत्रों को आवश्यकता अनुसार कम किया अथवा बढ़ाया जा सकता है, बशर्ते कि सप्ताह के लिए आबंटन को अनुरक्षित किया जाए।

सीबीआईडी सक्षमताएं

तीन के पी ए के अंतर्गत, सक्षमता की 11 इकाईयां हैं:

समावेशी समुदाय विकास	आकलन और हस्तक्षेप	व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास
1. समुदाय–आधारित समावेशी विकास और उसके प्रभावों के अनुप्रयुक्त ज्ञान को प्रदर्शित करता है	1. अनुभव, विधि और समकालीन समझ में असमर्थता का अनुप्रयुक्त ज्ञान प्रदर्शित करता है	1. अपेक्षाओं और आवश्यकताओं की पूर्ति करता है
2. समुदाय को शामिल करता है और उसकी रूपरेखा प्रदर्शित करता है	2. आकलन और आयोजना संचालित करता है	2. कार्यों और जिम्मेदारियों को संगठित करता है और उनका प्रबंधन करता है
3. सरकारी संरचनाओं के साथ काम करता है	3. ज्ञान, संपर्कों और निर्देशनों को सुकर बनाता है	3. वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करता है
4. समुदाय नेतृत्व और कार्रवाइयों को समर्थन देता है	4. सहयोग करती है और बहु–क्षेत्रीय हस्तक्षेप प्रदान करता है	

सक्षमता की ये इकाईयां ज्ञान, कौशल, व्यवहार और मूल्यों के ऐसे व्यापक सेट हैं जिनके विषय में भारत के सीबीआईडी विशेषज्ञ यह विचार रखते हैं कि क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित सीबीआईडी प्रदान करनी चाहिए।

प्रगामी सक्षमता की परिकल्पना

समूचे पाठ्‌यक्रम के दौरान सक्षमता मे उत्तरोतर वृद्धि होती है:

यह पाठ्‌यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया जाता है, जिसमें लगातार आगे बढ़ने की सक्षमता की अपेक्षा के साथ–साथ शिक्षण और अधिगम के प्रशिक्षण स्थल और प्रकृति की शर्त प्रतिबिम्बित होती है। चरण दो में प्रशिक्षण के मध्य के 12 सप्ताह शामिल हैं, जब प्रशिक्षुओं को प्रगत प्रारम्भिक स्तर में माना जाता है। इस चरण के दौरान, जिसमें विभिन्न प्रकार के अनुप्रयुक्त इनपुट के तीन सप्ताह और कार्य के दौरान प्रशिक्षण के नौ सप्ताह शामिल हैं, पर्यवेक्षित क्षेत्रीय कार्य और दत्त–कार्य पूर्णता शिक्षण का प्रमुख तरीका है और इसका स्थल एक सीबीआईडी (आरसीआई–प्रमाणित) कार्यस्थल है।

चरण दो की समाप्ति पर हासिल किए जाने वाले अपेक्षित मानक इस प्रकार हैं :

के पी ए	प्रगत प्रारम्भिक स्तर
समावेशी समुदाय विकास	इस स्तर पर, प्रशिक्षु वर्तमान पहुंच पर डेटा एकत्र करते हैं और सामुदायिक वंचन की विभिन्न स्थितियों में योगदान करने वाले कारकों की परस्पर क्रिया की पहचान करते हैं, नकारात्मक दृष्टिकोण मान्यताओं का मुकाबला करने के लिए तर्क मुहैया करवाते हैं। वे भिन्न दिव्यांगताओं की स्थितियों के लिए सही वैधानिक उपबंध को लागू करने और लोगों के लिए उपयुक्त सरकारी हकदारियों को सुकर बनाने तथा संयोजित करने के लिए क्षमता विकसित कर रहे होते हैं, जिनमें जोखिमपूर्ण स्थिति में और अगम्य पहुंच वाले शामिल होते है। प्रशिक्षु सीबीआईडी कार्यक्रमों और क्रियाकलापों की सशक्तिकरण विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं और अपने स्वयं के अभ्यास में एक सशक्त दृष्टिकोण प्रदर्शित कर सकते हैं, जिसमें दिव्यांगता के जीवित अनुभव वाले लोगों और समूहों की अंतर्दृष्टि, नेतृत्व और स्वतंत्र लक्ष्य निर्धारण को शामिल किया जा सकता है। सहयोग के साथ, वे गांव के अग्रणियों और अन्य प्रभावशाली लोगों को अंतर–क्षेत्रीय समावेशन को बेहतर बनाने के लिए तथा उनके और डीपीओ के साथ शिविरों मे लाने, समावेशी कार्यक्रमों, पेशेवर सेवाओं, और विशेष दिनों को ग्रामीण स्तर पर लाने के लिए कार्य करते हैं। वे ऐसी सामुदायिक मैंपिग की योजना बना सकते है और उसे मूर्त रूप दे सकते है जो विशिष्ट आवश्यकताओं के संबंध में रणनीतिक और परिपूर्ण है तथा पीआरए में सक्रिय रूप से भाग लेती हों।

के पी ए	प्रगत प्रारम्भिक स्तर
आकलन और हस्तक्षेप	इस स्तर पर, प्रशिक्षु कम स्पष्ट दिव्यांग स्थितियों की पहचान कर सकते हैं और समर्थन के साथ, ऐसे बुनियादी आकलन का चयन और प्रबंधन कर सकते हैं जो परिवार की संपत्ति और शक्तियों के बारे में प्रश्नों को शामिल करते हों। वे रिपोर्ट बनाने, सही रेफरल पथ की पहचान करने और उचित रूप से संदर्भित करने में सक्षम होते हैं। वे सीखी गई श्रवण और भावनात्मक समर्थन रणनीतियों का उपयोग करते हुए संवेदनशील सूचनाओं को विचारपूर्वक संप्रेषित कर सकते हैं और परिवार/सपोर्ट आधार के साथ सहयोगात्मक योजना और लक्ष्य–निर्धारण चर्चाओं को सुकर बनाते हैं। वे समय पर उपलब्ध प्रारंभिक शिक्षण संसाधनों और अन्य प्रासंगिक जानकारी को मुहैया करवाते हैं और उसे संप्रेषित करते हैं। प्रशिक्षु बुनियादी हस्तक्षेपों को दूसरों को मुहैया करवाने और प्रशिक्षण देने में दक्ष होते हैं, जिसमें दैनिक जीवन के कार्यों में स्वतंत्रता, सहायक उपकरणों और प्रौद्योगिकी विहित करना और सरल घरेलू बदलाव करना और अन्य प्रारूपों में संप्रेषण शामिल है।
व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास	इस स्तर पर, प्रशिक्षु नियमित कार्यों और क्रियाकलापों में अपने कार्यभार का प्रबंधन करते हैं और समर्थन के साथ, अप्रत्याशित घटनाओं के होने पर कार्य योजनाओं को अनुकूलित करते हैं। वे सीबीआईडी टीम के अन्य सदस्यों के साथ सहयोग करते हैं, सकारात्मक टीम कार्यकरण को सुकर बनाते है और बढ़ावा देते है। प्रशिक्षु विश्वसनीय, जिम्मेदार और निष्पक्ष व्यवहार प्रदर्शित करते हैं, गोपनीयता तथा सांस्कृतिक और प्रासंगिक मानदंडों का ध्यान रखते हैं। वे भूमिका में अपने कुशलक्षेम के लिए जिम्मेदारी लेते हैं और उपलब्ध समर्थन का उपयोग करते हैं। वे निरंतर शिक्षा अवसरों का लाभ उठाते हैं।

चरण दो और तीन में शिक्षण और अधिगम

कार्यस्थल–आधारित अधिगम

सीबीआईडी प्रशिक्षण के दूसरे चरण में प्रवेश करने वाले प्रशिक्षुओं को पांच महीने में नवदीक्षित से प्रगत प्रारंभक से 'सक्षम' चरण में प्रवेश करना चाहिए। इस लक्ष्य की चुनौती को पूरा करने के लिए, उनके कार्य अनुभव में निम्नलिखित विशेषताएं होनी चाहिए :

– **कार्य टास्क विविधता** – नए शिक्षण के लिए विविध कार्यभार और निरंतर अवसर दोनों ही,

– **कार्य–कौशल मिलान** – मौजूदा ज्ञान और कौशल, दोनों का पूरी तरह से उपयोग करना, उचित कार्य मात्रा मांग करना, और वर्तमान स्तर से आगे और सुधार करने के लिए एक 'उचित अधिकार' प्रदान करना,

– **अर्थपूर्णता** – ऐसे कार्य जो कार्यस्थल के अन्य सदस्यों द्वारा निर्भर हैं और दल की समग्र प्रभावकरिता में योगदान करते हैं,

– **स्वायत्तता** – इस संबंध में अधिकार देना कि कार्यों को कैसे किया जाता है और मात्र उनकी क्षमता के भीतर कार्यों को पूरा करने के लिए उन पर विश्वास रखना,

– **प्रतिपुष्टि** – उनके प्लेसमेंट ट्रेनर के साथ मिलने के लिए नियमित अवसर और नियमित रूप से लिखित प्रतिपुष्टि। अनुसंधान से पता चला है कि कार्य अनुभव का शिक्षण लाभ उस पर निर्देशित प्रतिबिंब के माध्यम से मजबूत होता है। इसे ज्ञान के तीन आयामों – उसे जानना, कैसे को जानना, और क्यों[2] को जानना, को संपोषित करने की क्षमता के कारण "गुप्त" कहा जाता है,

– **सहकर्मी सहयोग** – दल के सदस्य जो 'गहन चिंतन' करते हुए प्रसन्न होते हैं, क्योंकि वे एक समस्या को हल करते हैं और जो प्रशिक्षु के सीबीआईडी अनुकूलन का समर्थन करते हैं,

---

[2]हॉस्चिल्ड्ट (2018). ए रिव्यू ऑफ मेथोडोलॉज़ीज फॉर मैज़रिंग दि कॉस्ट्स एंड बेनेफिट्स ऑफ इन–कंपनी एप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग. अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय चर्चा पत्र।

– प्लेसमेंट ट्रेनर की व्यावसायिक सक्षमता और विचारात्मक व्यवहार पर (अर्थात प्रशिक्षु को अपेक्षाओं को निम्न करने और निर्देश देने वाले बनने के स्थान पर त्रुटियों के लिए नए समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करना; वह रूचि ले उपलब्ध रहे लेकिन अति–सुरक्षात्मक न हो, जो व्यावसायिक आत्म–प्रभावोत्पादकता विकास को धीमा करता है)। यह प्लेसमेंट ट्रेनर की क्षमता है जो मुख्य रूप से प्रशिक्षु क्षमता विकास को प्रभावित करता है।

कार्य स्थल–आधारित शिक्षण

चरण दो/तीन सीबीआईडी प्रशिक्षण प्रदान करने वाले सीबीआईडी कार्मिकों की अपेक्षताओं में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

– सीबीआईडी व्यावसायिक ज्ञान,

– सीबीआईडी क्षेत्र का अनुभव,

– प्रशिक्षण भूमिका के लिए व्यक्तिगत झुकाव,

– युवाओं के प्रति और प्रशिक्षण के माध्यम उनके विकास के लिए एक समर्पण,

– हालांकि औपचारिक योग्यताएं अनिवार्य नहीं है, लेकिन व्यावसायिक रूप से शिक्षा के लिए कुछ शैक्षणिक प्रशिक्षण और अनुशंसित भूमिकाओं पर व्यवस्थित प्रतिबिंब की अनुशंसा की जाती है,

– जबकि यह कोई आवश्यकता नहीं है, दिव्यांगता का जीवंत अनुभव प्राप्त हो – व्यक्तिगत या परिवार में, या वंचितों या हाशिए पर होने के अन्य संवेदनशील अनुभव लाभदायक होगा,

– चूंकि चरण दो/तीन 60–80% प्रशिक्षण कार्यस्थल आधारित (3–4 दिन/सप्ताह) है, और इसके लिए वास्तविक कार्य स्थितियों तक पहुँच आवश्यक है, चरण दो/तीन प्लेसमेंट ट्रेनर वर्तमान सीबीआईडी कर्मचारी होने चाहिए जो अपने नियमित कार्य और कर्तव्यों के साथ–साथ अंशकालिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके कार्य सप्ताह का एक उपयुक्त आवंटन प्रशिक्षक के रूप में उनकी गतिविधियों के लिए उपलब्ध है, उन्हें एक समय में तीन से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित नहीं करना चाहिए।

प्लेसमेंट ट्रेनर मुख्य रूप से एक प्रशिक्षण साथी, एक प्रशिक्षक, एक रोल मॉडल के रूप में कार्य करता है, जिसके शब्द और व्यवहार एक इकाई का निर्माण करते हैं, और प्रशिक्षण प्रक्रिया में एक "सहायक समर्थक" बनते हैं। वे प्रशिक्षु के साथ समान स्तर पर संवाद करते हैं लेकिन फिर भी "एक दूसरे को जानते" हैं। प्रशिक्षक के रूप में, प्लेसमेंट ट्रेनर के काम की एक मुख्य प्रक्रिया प्रशिक्षु के साथ मिलकर समाधान तैयार करना रही है। निर्देशनात्मक शिक्षण शैलियों और मुख्य रूप से निष्क्रिय प्रशिक्षुओं को शामिल करने करते हुए शिक्षण के स्वरुप इस भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हैं और इसलिए इसमें शामिल नहीं होना चाहिए।

चरण दो पूर्ण करने के लिए आवश्यकताएं

उपस्थिति :

समस्त सिद्धांत घटक कार्य के लिए न्यूनतम उपस्थिति 80 प्रतिशत और सभी प्रयोगात्मक घटकों के लिए यह 90 प्रतिशत जरूरी है। सभी का एक पूर्णता प्रमाण पत्र संस्थान के प्राचार्य/प्रमुख द्वारा प्रमाणित किया जाना होता है जिसमें प्रशिक्षु नामांकित है।

आकलन की प्रक्रिया

चरण दो के दौरान आकलन (प्रारंभिक मूल्यांकन)

चूंकि यह एक क्षमता–आधारित पाठ्यक्रम है, इसलिए आकलन–योग्य कार्यों को सक्षमता विकास का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसलिए वे वास्तविक कार्य स्थितियों पर आधारित हैं और इसी आधार पर संचालित किए जाते हैं तथा इसमें करने से सीखना और अभ्यास को प्रतिबिंबित करना शामिल है। ये निर्माणात्मक आकलन चार प्रकार के होते हैं, और प्रशिक्षु द्वारा चरण दो स्तर उत्तीर्ण करने के लिए इन सभी को संतोषजनक ढंग से उत्तीर्ण किया जाना चाहिए :

बाधात्मक कार्य

बाधात्मक कार्यों को उपस्थिति और भागीदारी से प्राप्त किया जाता है। हालांकि पाठ्यक्रम की सभी गतिविधियों को बाधात्मक कार्यों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, कुछ को सीबीआईडी क्षेत्रीय कार्य के महत्वपूर्ण पहलुओं के प्रतिनिधि के रूप में ध्यान केंद्रित करने के लिए चुना गया है। ***इन बाधात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने की पुष्टि करने के लिए प्रशिक्षकों को एक मार्किंग गाइड तैयार करनी चाहिए।***

जर्नल कार्य

जर्नल कार्यों के लिए सारांश, औपचारिक टिप्पणियां प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है जिनमें महत्वपूर्ण सीबीआईडी कार्यों और जिम्मेदारियों के निर्वहन पर शिक्षण और प्रतिबिंबन को सारांशित किया जाता है। ***प्रशिक्षक और प्लेसमेंट पर्यवेक्षकों को इन प्रविष्टियों को पढ़ना चाहिए और किसी भी मुद्दे या चिंता पर चर्चा करने के लिए प्रशिक्षु के साथ बैठना चाहिए।***

पोर्टफोलियो परियोजना

पोर्टफ़ोलियो परियोजना सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु कार्य से लेकर आधिकारिक सरकारी दस्तावेज़ों, मामला–संबंधित नवाचारों और सीबीआईडी क्षेत्रीय–कार्य का समर्थन करने वाले संसाधनों और उपकरणों के संकलन और उनकी व्याख्या करने का कार्य करती है। इन दस्तावेजों के प्रशिक्षु संग्रहण और उन्हें दाखिल करने की प्रत्येक सप्ताह जांच की जाती है, और पोर्टफोलियो परियोजना के हिस्से के रूप में एक उप–समुच्चय दिया जाता है। यह प्रस्तुतीकरण एकल दस्तावेज प्रस्तुत की गयी (डिजिटली या हार्डकॉपी), होगा जिसमें चार कार्य हैं –

1. दिव्यांगजनों से संबंधित कानून, नीतियों, अधिकारों और उनका लाभ उठाने की प्रक्रियाओं के बारे में आधिकारिक दस्तावेजों का एक संसाधन फ़ोलियो। इन संसाधनों को इकट्ठा करने और सही ढंग से दायर करने की पुष्टि करने के लिए प्रशिक्षकों को एक मार्किंग गाइड तैयार करनी चाहिए।

2. नीतियों और प्रक्रियाओं से संबंधित प्रशिक्षु के स्थानीय समुदाय की विशिष्ट रिपोर्टिंग और रेफरल नयाचारक में उल्लिखित है। इन संसाधनों को एकत्र करने और सही ढंग से दाखिल करने की पुष्टि करने के लिए प्रशिक्षकों को एक मार्किंग गाइड तैयार करनी चाहिए।

3. **संसाधन और उपकरण** – अपने सीबीआईडी क्षेत्रीय कार्य प्लेसमेंट में शामिल नौ (9) मुद्दों का चयन करें – तीन (3) समावेशी सामुदायिक विकास तथा समूहों और सामुदायिक क्षेत्रों के साथ काम करने के लिए, तीन (3) आकलन और पुनर्वास के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों और परिवारों के लिए, और तीन (3) व्यावसायिक व्यवहार और प्रतिबिंबित की जाने वाली प्रक्रिया के लिए। पहचाने गए प्रत्येक मुद्दे के लिए –

   क) 2–3 विभिन्न संसाधनों और उपकरणों की एक व्याख्यात्मक सूची संकलित करें (कुल 18–27):

   – समावेशी सामुदायिक विकास के लिए छः (6),

   – मूल्यांकन और हस्तक्षेप के लिए छः (6), और

   – व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास के लिए छः (6)।

   संसाधनों और उपकरणों के उदाहरण में शामिल हैं– सूचना पत्रक, प्रश्नावलियां, क्रियाकलाप, फ्लैश कार्ड, वेबसाइट, किताबें, मीडिया, आदि।

   उनके उपयोग के लिए विशिष्ट संदर्भ हो सकते हैं– विभिन्न सामुदायिक सेटिंग्स, आयु समूह या दिव्यांगता स्थिति; 1–1 या समूह संसाधन और उपकरण, या समूह और कार्यस्थल के कामकाज का समर्थन करने वाले संसाधन और उपकरण।

   ख) वर्णन करें कि कैसे/कहाँ/कब/क्यों आप अपनी भूमिका के हिस्से के रूप में प्रत्येक विशिष्ट संसाधन का उपयोग कर सकते हैं– अतिसक्रिय और प्रतिक्रियाशील, दोनों ही उपयोगों पर विचार करते हुए।

   प्रशिक्षकों को इन संसाधनों के माध्यम से यह पता लगाना चाहिए कि प्रशिक्षु यह जांचने के लिए एकत्र हुए हैं कि वे उद्देश्य के लिए फिट हैं और आवश्यकता के लिए उपयुक्त हैं।

4. **लघु उत्तर लिखित प्रतिक्रियाएं**– व्याख्यात्मक टिप्पणी नियमावली से ली गई हैं (कृपया ध्यान दें : इस पाठ्यक्रम में शिक्षण की योग्यता–आधारित प्रकृति को बनाए रखने के लिए, प्रशिक्षुओं को स्व–शिक्षण सामग्री

(एसएलएम) नहीं दी गई है, लेकिन प्रशिक्षकों को व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ (ईएन) प्रदान की गई हैं ताकि उन्हें पोर्टफोलियो परियोजना – भाग घ) के लघु उत्तर लिखित प्रतिक्रिया खंड को तैयार करने और जांचने में मदद प्रदान की जा सके। **प्रशिक्षकों को अपने के पी ए के लिए व्याख्यात्मक टिप्पणियों का अध्ययन करना चाहिए तथा सबसे महत्वपूर्ण विषयों को कवर करते हुए अभ्यास–प्रासंगिक प्रश्नों का एक सेट तैयार करना चाहिए। एक सुझाव प्रति सप्ताह प्रति विषय 1–2 प्रश्न हैं।** उदाहरण के लिए आईसीडी 1.1.1.2 – समुदाय में विविधता से लिया गया प्रश्न है:

''समुदाय के सभी सदस्य एक ही संस्कृति या भाषा की पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं। उनके 'सदमे' और 'आपदा निवारण के तरीके' अलग–अलग हो सकते हैं। क) दो अलग–अलग 'सदमों' की पहचान करना जो आपके समुदाय में दिव्यांगजनों द्वारा सांस्कृतिक, जातीय या भाषा के अंतर के आधार पर सामना किए जाने की संभावना है; ख) प्रत्येक सदमे के साथ 'विपदा निवारण के विभिन्न तरीकों' का वर्णन करना; ग) अपने समुदाय में दिव्यांगजनों और परिवारों की विशिष्ट सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दो तरीकों की चर्चा करना (एक या दो पैराग्राफ में)।

असाइनमेंट कार्य

समावेशी सामुदायिक विकास विषय के लिए तीन प्रमुख असाइनमेंट चरण 2 और 3 में संचालित किए जाते हैं। इन असाइनमेंट के लिए आवश्यकताओं और निर्देशों को सत्र योजनाओं में प्रदान किया जाता है। ये हैं :

1. परामर्श अभियान तैयार करना और संचालित करना (चरण दो ब्लॉक 1) – 4 सप्ताह
2. पीआरए/पीएलए (चरण दो ब्लॉक 2) का संचालन – 4 सप्ताह
3. सामुदायिक समावेशन परियोजना (चरण तीन) का संचालित करना – 8 सप्ताह।

चरण दो के अंत में मूल्यांकन (योगात्मक मूल्यांकन)

चरण दो के अंत में, समूचे चरण में प्रशिक्षु के निष्पादक का एक योगात्मक आकलन संचालित किया जाना है। यह इस सीमा को स्थापित करता है कि चरण के लिए आवश्यक मानक प्राप्त किया गया है और प्रशिक्षण प्रदाता की यह निर्धारित करने में सहायता करता है कि क्या प्रशिक्षु अगले चरण में बढ़ने के लिए तैयार है या वर्तमान चरण के कौशल को समेकित करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

यह एक बहु–विकल्प प्रेक्षणात्मक **आकलन है** जो प्रशिक्षण प्रदाता नियोजित प्रशिक्षु के अपने अवलोकन और ज्ञान से पूरा करता है।यह एक अंक प्राप्त करता है जो प्रशिक्षु को पाठ्यक्रम के स्तरों में से एक पर रखता है – नवदीक्षित, प्रगत प्रारंभक, सक्षम, या मानकों से ऊपर।

निर्देश स्पष्ट करते हैं कि चरण दो स्तर पर प्रशिक्षु के लिए क्या आवश्यकता है और इस पाठ्यक्रम की शुरुआत में प्रशिक्षुओं को प्रदान किया जाना चाहिए तथा नियमित रूप से संदर्भित किया जाना चाहिए।

इसके समापन पर प्रत्येक चरण के स्तर को प्राप्त करने को अगले चरण के लिए पास माना जाना चाहिए।

चरण दो की व्याख्यात्मक टिप्पणियों (ईएन) की सूची

आकलन और हस्तक्षेप

शीर्षक 14 : स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ मामले की समीक्षा

शीर्षक 15 : परिवार की स्वीकृति

शीर्षक 16 : संसाधन मैपिंग

शीर्षक 17 : भागीदारी आयोजना

शीर्षक 18 : परिवार की क्षमता

शीर्षक 19 : संचार

शीर्षक 20 : प्रमाण पत्र और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं

शीर्षक 24 : समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप

शीर्षक 26 : बाल विकास

व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास

शीर्षक 6 : रिपोटिंग प्रारूप

शीर्षक 11 : निवारण तंत्र

शीर्षक 12 : संप्रेषण कौशल

शीर्षक 13 : टीम परस्पर चर्चाएं

शीर्षक 14 : टीम डायनेमिक्स

शीर्षक 15 : नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन

शीर्षक 16 : चिंतनशील आयोजना

शीर्षक 17 : समय प्रबंधन और समय पर रिपोटिंग

शीर्षक 18 : आपदा तैयारी

शीर्षक 19 : बैठक की रिपोर्ट

शीर्षक 20 : मामला अध्ययन विकसित करना

शीर्षक 21 : नकारात्मक परिणामों का प्रबंधन

शीर्षक 22 : भावनात्मक स्वास्थ्य और नकारात्मक भावनाओं का प्रबंधन

समावेशी सामुदायिक विकास

शीर्षक 4 : सामुदायिक नियोजन के लिए भागीदारी और संपत्ति–आधारित दृष्टिकोण

शीर्षक 5 : पीआरए/पीएलए

शीर्षक 6 : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करना

शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाइयों का समर्थन करना

शीर्षक 9 : स्थानीय नेतृत्व और समूह।

चरण दो असाइनमेंट/ कार्यों की सूची

चरण दो ब्लॉक 1

आईसीडी

1. सप्ताह 5: 2.1.2.2 – पोर्टफोलियो परियोजना (जारी) : उत्प्रेरक गाथाओं का प्रलेखन
2. सप्ताह 5: 3.1.1.2 – पोर्टफोलियो परियोजना : सरकारी सेवा प्रदाय पर द्वितीयक डेटा एकत्र करना और उसकी व्याख्या करना
3. सप्ताह 5: 3.1.2.2 –असाइनमेंट– परामर्श अभियान और आईईसी सामग्री
4. सप्ताह 6: 2.1.2.2 – पोर्टफोलियो परियोजना : उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन
5. सप्ताह 7: 3.1.1.2 पोर्टफोलियो परियोजना (जारी) : सेवा प्रदाय डेटा संग्रह साधन (विकास)
6. सप्ताह 7: 3.1.2.2 असाइनमेंट : आईईसी सामग्री और परामर्श अभियान
7. सप्ताह 8: 3.2.2.2 – पोर्टफोलियो कार्य : मामला अध्ययन और डाटा से गाथाएं जो सरकारी अनुपालन को चित्रित करती हैं
8. सप्ताह 8: 3.1.2.2 – असाइनमेंट (जारी) : आईईसी सामग्री और परामर्श अभियान

ए और आई

1. सप्ताह 5: 2.2.2.2 समूह बाधा – स्थानीय समुदाय की जांच करना (सप्ताह 6 के लिए तैयारी)
2. सप्ताह 5: 2.4.1.1 – पोर्टफोलियो परियोजना : मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा का उपयोग करके मामले की समीक्षा
3. सप्ताह 5: 4.2.1; 2.4.2.2 – बाधात्मक कार्य – परिवार में दिव्यांगता को स्वीकार करना
4. सप्ताह 5: 2.5.1.1; 2.5.2.1 – जर्नल कार्य – शक्ति–आधारित विधियां – संसाधन – और परिवार के साथ इको–मैपिंग
5. सप्ताह 6: 2.1.2.2 –बाधात्मक कार्य – अच्छे कार्य संबंधों को स्थापित करना

6. सप्ताह 6: 2.2.2.2 –बाधात्मक कार्य – स्थानीय समुदाय का जांच सर्वेक्षण
7. सप्ताह 7: 2.5.1.2 पोर्टफोलियो परियोजना : एक व्यक्ति और परिवार के समर्थन नेटवर्क की मैपिंग (इको–मैप)
8. सप्ताह 7: 22.5.2.2 पोर्टफोलियो परियोजना : पुनर्वसन जरूरतों के लिए संसाधनों का मानचित्रण (संसाधन मैप)
9. सप्ताह 8: 2.6.2.1 – बाधात्मक कार्य – अन्य हितधारकों के साथ माता–पिता को नियोजित करना

पीबी और आरपी

1. सप्ताह 5: 1.2.3.1 – पोर्टफोलियो परियोजना : निवारण तंत्र – बाल संरक्षण एजेंसियों की भूमिकाएं
2. सप्ताह 5: 1.3.3.1 – जर्नल कार्य – संचार कौशल
3. सप्ताह 5: 1.3.2.1 – जर्नल कार्य – टीम चर्चाएं
4. सप्ताह 6: 1.2.3.2 – पोर्टफोलियो प्रोजेक्ट : प्रायोगिक कार्य (दौरे) और समाधान फाइलिंग का प्रलेखन
5. सप्ताह 7: 1.3.3.3 समूह बाधा – संचार कौशल : सामुदायिक स्वास्थ्य संदेश प्रस्तुत करने की तैयारी
6. सप्ताह 8: 1.2.2.2 – बाधात्मक कार्य – गोपनीयता की जाँच

चरण दो ब्लॉक 2

आईसीडी

1. सप्ताह 9: 2.2.4.1 असाइनमेंट – पीआरए : प्रस्तावना;दृश्य उपकरण;एक कार्य योजना बनाना
2. सप्ताह 10: 2.2.4.1 असाइनमेंट – पीआरए जारी
3. सप्ताह 11: 2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट जारी
4. सप्ताह 12: 2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट जारी

ए और आई

1. सप्ताह 9: 3.2.2.2 बाधात्मक कार्य – प्रमाणन पूरा करना
2. सप्ताह 9: 3.3.1.3 पोर्टफोलियो – रेफरल पथ – पुनर्वास के लिए पहुंच का समर्थन करने के लिए संसाधन निर्देशिका
3. सप्ताह 11: 3.3.1.3 पोर्टफोलियो (जारी) – पुनर्वसन संसाधन निर्देशिका और रेफरल पथ
4. सप्ताह 12: 4.8.1.1 पोर्टफोलियो – हस्तक्षेप से प्रगति के जारी और योगात्मक मूल्यांकन
5. सप्ताह 12: 4.2.1.2 बाधा और जर्नल – आमतौर पर विकासित हो रहे बच्चे के साथ विकासात्मक विलंब चेकलिस्ट का उपयोग करना

चरण दो ब्लॉक 3

ए और आई

1. सप्ताह 13: 4.4.2.1 **बाधा** – एडीएल कार्य – कार्य विश्लेषण
2. सप्ताह 14: 4.3.1.2 **पोर्टफोलियो** – सहायक और पुनर्वासन उपकरणों की फिटिंग और प्रशिक्षण के लिए एडीआईपी फॉर्म
3. सप्ताह 15: 4.8.1.2 **पोर्टफोलियो** – जारी और योगात्मक मूल्यांकन का संचालन और फाइलिंग
4. सप्ताह 15: 4.4.2.2 **बाधा** – एडीएल कौशल का शिक्षण प्रदर्शन
5. सप्ताह 16: 4.4.2.2 **बाधा जारी** – एडीएल कौशल सिखाना

आईसीडी

1. सप्ताह 13: 3.2.1.3 **असाइनमेंट** – सरकारी अधिकारियों को लिखना
2. सप्ताह 13: 3.2.3.2 **असाइनमेंट** – सरकार अनुपालन अंतराल विश्लेषण
3. सप्ताह 13: 4.1.1.2 **असाइनमेंट** – परिवर्तन का सिद्धांत
4. सप्ताह 13: 4.1.2.1 **जर्नल कार्य** – सशक्तिकरण की सुविधा
5. सप्ताह 13: 4.1.2.3 **जर्नल कार्य** – मूल्यांकन और रिपोर्टिंग सशक्तिकरण
6. सप्ताह 13: 4.1.2.2 **असाइनमेंट** – उत्प्रेरक गाथाएं सुनाना
7. सप्ताह 14: 3.2.1.3 **असाइनमेंट जारी** – सरकारी अधिकारियों को लिखना
8. सप्ताह 14: 3.2.3.2 **असाइनमेंट जारी** – सरकार अनुपालन अंतराल विश्लेषण
9. सप्ताह 14: 4.1.2.3 **जर्नल जारी** – मूल्यांकन और रिपोर्टिंग सशक्तिकरण
10. सप्ताह 15: 4.2.1.2 **असाइनमेंट** – स्थानीय एजेंसियों की एक गाइडबुक विकसित करना
11. सप्ताह 16: 4.2.2.1 **जर्नल** – एक साथ काम करने की चुनौतियों पर प्रतिउत्तर
12. सप्ताह 16: 4.2.2.2 **जर्नल** – चुनौतियों के प्रतिउत्तर में वार्तालाप का प्रलेखन

पीबी और आरपी

1. सप्ताह 14: 2.3.1.2 **बाधा** – विभिन्न रिकॉर्ड रख–रखाव के प्रयोजन से फॉर्म तैयार करना
2. सप्ताह 16: 2.3.3.2 **पोर्टफोलियो** – मामला अध्ययन विकसित करना – सहमति प्राप्त करना

प्रेक्षणामूलक आकलन

(योगात्मक)

चरण 1, 2 और 3 की समाप्ति पर इस उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रशिक्षु के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है

अनुदेश : प्रत्येक प्रश्न के लिए, कृपया केवल एक ही उत्तर का चयन करें। आप जिस भी उत्तर का चयन करते हैं, वह इस सीबीआईडी क्षेत्रीय–कार्यकर्ता के विशिष्ट निष्पादन से निकटतम मेल खाना चाहिए अथवा आप क्या समझते हैं कि यह क्षेत्रीय–कार्यकर्ता क्या कर पाने में समर्थ है। यदि आप समझते हैं कि कार्य–निष्पादन दोनों स्तरों के बीच आता है, तो निम्नतर का चयन करें। यह दर्शाएगा कि क्षेत्रीय–कार्यकर्ता ने स्तर तो प्राप्त कर लिया है, परंतु वह उच्चतर स्तर तक नहीं पहुंच पाया है।

प्र.1. समुदाय विकास और सीबीआईडी को समझता है

क) समुदाय में समावेशन की बाधाओं और उसके सिद्धांतों को परिभाषित करता है

ख) दिव्यांगता और दिव्यांगता समावेशन के अनुभव पर पृष्ठभूमि के प्रभाव का वर्णन करता है

ग) नकारात्मक समुदाय दृष्टिकोण और दृष्टिकोण का मुकाबला करने के लिए तर्क विकसित करता है

घ) दिव्यांगता और समावेशन पर विभिन्न सामुदायिक दृष्टिकोणों की तुलना करता है

प्र.2. दिव्यांगता की स्थितियों (परिभाषाएं, कारण) को समझता है

क) गलत या अंधविश्वासी समझ का मुकाबला करने के लिए दिव्यांगता के कारणों का वर्णन कर सकता है

ख) आरपीडी अधिनियम, 2016 के तहत 21 दिव्यांगताओं की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करता है

प्र.3. सांविधिक प्रावधानों को समझता है

क) कुछ प्रासंगिक वैधानिक कानूनों, प्रावधानों और प्रक्रियाओं और उनके संबंधों के बारे में वर्णन करता है

ख) स्थिति के लिए सही वैधानिक प्रावधान और प्रक्रिया को लागू करता है

ग) कानून का उपयोग करके सामुदायिक अवसंरचना/अभ्यास के लिए प्रस्तावित समायोजन/परिवर्तन को उचित ठहराता है

प्र.4. पृष्ठभूमि के अंतरों (सामाजिक–आर्थिक, लिंग, जाति, धर्म) और उनके प्रभावों को समझता है

क) ऐसे कारकों का वर्णन करता है जो समुदायों द्वारा दिव्यांगजनों के समावेशन में बाधा उत्पन्न करते और उसमें योगदान देते हैं

ख) स्थितियों को प्रभावित करने वाले सामाजिक–आर्थिक/लिंग/जाति/धार्मिक, कारकों के परस्पर संबंध को पहचानता है

ग) विभिन्न समूहों के अलिखित आधारभूत नियमों का उपयोग करते हुए, सभी के लाभ के लिए बातचीत करता है

प्र.5. दिव्यांगताओं के बीच विभेद करता है

क) स्वाभाविक दिव्यांगता (जैसे, दृष्टि/श्रवण/स्पष्ट शारीरिक दिव्यांगता) के बीच अंतर करता है

ख) कम स्वाभाविक स्थितियों (जैसे, विकासात्मक दिव्यांगता, अन्य तंत्रिका–संबंधी रोग) की पहचान करता है

ग) मानसिक रोग की संभावना की पहचान करता है उसके लिए तर्काधार देता है

प्र.6. कार्यात्मक आकलन निष्पादित करता है

क) निर्देश के अनुसार बुनियादी जांच–सूची को पूरा करता है

ख) उपयुक्त जांच–सूची का चयन और प्रशासन करता है

ग) उन सभी परिस्थितियों में समायोजन करता है जो मूल्यांकन सटीकता को प्रभावित कर रही हैं

प्र.7. आकलन के निष्कर्षों को सूचित करता है

क) निम्न–स्टेक की जानकारी सही–सही प्रदान करता है (सूचना सकारात्मक/प्रभाव में तटस्थ)

ख) प्राप्तकर्ता की भावनात्मक भलाई को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील जानकारी का संचार करता है

ग) प्रतिरोधी हितधारकों के साथ आश्वस्त रूप से बातचीत करता है

प्र.8. परिवार/संबंध संरचनाओं और गतिशीलता को पढ़ता है

क) दिव्यांगजनों के साथ रहने वाले लोगों और परिवारों से जुड़ने पर अपेक्षित सामाजिक मानदंडों का पालन करता है

ख) दिव्यांगजनों के साथ रहने वाले लोगों और परिवारों के प्रति सम्मानजनक और सहायक व्यवहार प्रदर्शित करता है

ग) परिवार/रिश्ते की गतिशीलता में मुख्य/महत्वपूर्ण मुद्दों और विशेषताओं की पहचान करता है

घ) अपनी कार्रवाई को परिवार/संबंध की स्थिति की आवश्यकता के आधार पर परिवर्तित करता है (जैसे ऐसी स्थिति को बदलने के लिए ऐसा शक्ति–आधारित दृष्टिकोण अपनाता है जो निराशाजनक लगता है)

प्र.9. लक्ष्य और योजना निर्धारित करने के लिए परिवार की योग्यता और प्रभावकारिता विकसित करता है

क) दिव्यांगजनों और उनके परिवारों के साथ व्यवहार में एक निर्देशात्मक, कार्योन्मुख तरीके से कार्य करता है

ख) परिवार/संबंध के साथ सहयोगात्मक विचार–विमर्श की सुविधा देता है

ग) परिवार/संबंध में सहयोगात्मक निर्णय लेने की सुविधा देता है

घ) अपने स्वयं के व्यवहार का विश्लेषण करता है और इसे व्यक्तियों और परिवारों को और सशक्त बनाने के लिए समायोजित करता है

प्र.10.आस्तियों, क्षमताओं और ताकतों की पहचान करता है

क) ताकत–आधारित दृष्टिकोण की जानता है

ख) कार्यात्मक मूल्यांकन में आस्तियों और ताकत के बारे में प्रश्न शामिल हैं

ग) योजना में व्यक्ति/परिवार की शक्तियों के बारे में निष्कर्षों की व्याख्या और उन्हें शामिल करता है

प्र.11.संचलन और शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि करता है

क) संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा निर्धारित गतिविधियों/अभ्यासों के अनुसार अनुसरण करता है

ख) गतिशीलता और शारीरिक क्षमता का समर्थन करने के लिए सहायक उपकरणों का सही उपयोग सुनिश्चित करता है

ग) शारीरिक पहुँच में सुधार के लिए घरेलू संशोधनों का सुझाव देता है

घ) किसी व्यक्ति के लिए समुदाय (परिवहन सहित) में अधिक से अधिक भौतिक पहुँच की सुविधा देता है

ङ) सार्वभौमिक डिजाइन पहुंच सिद्धांतों और प्रथाओं के समुदाय–व्यापी अंगीकरण का परामर्श देता है

प्र.12.सामाजिक, भावनात्मक और नैसर्गिक विकास और प्रारंभिक शिक्षण में वृद्धि करता है

क) समुदाय में परिवार द्वारा सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है

ख) उपलब्ध प्रारंभिक शिक्षण संसाधनों के बारे में परिवार को सूचित करता है

ग) विकास और शिक्षण के लिए जो उपलब्ध है उसका उपयोग करने में पारिवारिक संसाधनशीलता को सुगम बनाता है

प्र.13.आधारभूत सहायक और पुनर्वास उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षण देता है

क) साधारण तकनीक से परिवार के सदस्यों को प्रशिक्षित करता है (जैसे, मानव गाइड)

ख) सहायक प्रौद्योगिकी के उपयोग में प्रशिक्षित करता है (जैसे, गतिशीलता उपकरण, संचार उपकरण)

ग) समुदाय में अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करता है

प्र.14.वैयक्तिक स्वतंत्रता में संवृद्धि करता है

क) दैनिक जीवन की गतिविधियों में स्वतंत्रता की सुविधा में सहायता प्रदान करता है

ख) स्वतंत्र रूप से दैनिक जीवन की गतिविधियों में स्वतंत्रता की सुविधा देता है

ग) अधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुविधा के लिए परिवार के सदस्यों में क्षमता का निर्माण करता है

घ) व्यक्तिगत स्वतंत्रता में सुधार के लिए व्यक्तिगत/पारिवारिक गतिरोध को दूर करने के लिए समस्या–समाधान देता है

प्र.15.विभिन्न संचार पद्यतियों का प्रयोग करते हुए बातचीत करना

क) भिन्न दिव्यांगताओं/जरूरतों के लिए संचार के विभिन्न रूपों का वर्णन करता है और उदाहरण देता है

ख) आवश्यकतानुसार अन्य स्वरूपों में एक–चरण की जानकारी (जैसे, एकल शब्द, अभिवादन) के बारे में बताता है

ग) विभिन्न संचार माध्यमों/प्रारूपों में बुनियादी प्रवीणता से परे विस्तार करने का आशय रखता है

प्र.16. व्यावसायिक हस्तक्षेप/सेवाओं के साथ लोगों को जोड़ता है

- क) दिव्यांगता प्रमाणन/यूडीडी सुनिश्चित करता है
- ख) सही रेफरल मार्ग की पहचान करता है और उचित रूप से संदर्भित करता है
- ग) जोखिमग्रस्त और कठिन स्थानों पर रहने वाले लोगों को पहचानता है और उन तक पहुँचता है
- घ) ग्रामीण स्तर पर व्यावसायिक सेवाओं को शामिल करने के लिए शिविरों और अभियानों को सुकर बनाता है

प्र.17. सामजिक और भावनात्मक सहयोग प्रदान करता है

- क) व्यक्तियों और परिवारों को भावनात्मक कल्याण में सुधार के लिए विभिन्न रणनीतियों के बारे में सूचित करता है
- ख) स्पष्ट (यानी, बताई गई) जरूरत के प्रत्युत्तर में एक भावनात्मक समर्थन रणनीति लागू करता है
- ग) व्यक्ति और परिवार की आवश्यकताओं के समग्र मूल्यांकन के प्रत्युत्तर में भावनात्मक समर्थन प्रदान करता है
- घ) सामाजिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान करते समय बाहरी कारकों (जैसे, जाति, संस्कृति) पर ध्यान देता है

प्र.18. प्रभावी रूप से सुनवाई प्रदर्शित करता है

- क) सुनता है और उचित उत्तर, सलाह देता है
- ख) व्यक्तियों और परिवारों के साथ बातचीत करते समय शिक्षण की रणनीतियों का उपयोग करता है
- ग) उपयुक्त रूप से उत्तर देने के लिए बोली और न बोली जाने वाली, दोनों जानकारी को ध्यान में रखता है

प्र.19. आवश्यक संपर्क स्थापित करता है

- क) गाँव में मुख्य हितधारकों के साथ संपर्क बनाता है
- ख) योजना और संपर्क रणनीतिक रूप से करता है (अर्थात कम स्पष्ट हितधारकों जैसे विद्यालयों पर विचार करता हैं)
- ग) सामुदायिक संपर्क बनाने/उन्हें मजबूत करने के लिए हितधारकों के साथ संवाद करता है
- घ) अधिकारियों से आवश्यक निर्देश प्राप्त करता है (जैसे, तालुक)

प्र.20. दूसरों को संवेदनशील बनाता है और प्रशिक्षित करता है

- क) अपने दिव्यांग सदस्य का सहयोग करने के तरीकों में परिवारों को बताता है
- ख) करीबी समुदाय सदस्यों को उन दिव्यांगजनों के साथ बेहतर जुड़ाव/बातचीत करने के लिए प्रशिक्षित करता है जिन्हें वे जानते हैं
- ग) गाँव के अधिकारियों को सामान्य दिव्यांगता आवश्यकताओं और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताता है
- घ) सामान्य दिव्यांगता आवश्यकताओं और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में सेवा प्रदाताओं के अलावा अन्य को भी प्रशिक्षण देता है

प्र.21. समुदाय के संसाधनो को समझता है

क) सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन को परिभाषित और वर्णित करता है

ख) समर्थन के साथ पीआरए में भाग लेता है

ग) समुदाय का पीआरए (मैपिंग) के लिए मार्गदर्शन करता है

प्र.22. समुदाय के संसाधनों का उपयोग करने में समर्थ बनाता है

क) अपने मौजूदा (स्वयं के) संसाधनों का उपयोग करने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करता है

ख) व्यक्तियों और परिवारों के लिए उपलब्ध सरकारी संसाधनों को सुगम बनाता है

ग) समुदाय को अपने स्वयं के संसाधनों का सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सहमत करता है

घ) बाहरी संसाधनों को गाँव में लाता है

प्र.23. संभाविक नेताओं की पहचान करता है

क) स्वाभाविक नेताओं (दिव्यांगजनों, उनके परिवार के सदस्यों, समुदाय से) की पहचान करता है

ख) अपनी क्षमता विकसित करने के बारे में संभावित नेताओं को प्रोत्साहित और सूचित करता है

ग) संभावित नेताओं को मॉडल नेतृत्व कौशल प्रदान करता है

घ) दूसरों में विद्यमान अव्यक्त नेतृत्व कौशल बाहर लाता है और उन्हें विकसित करता है

प्र.24. समूहों और डीपीओ के गठन मे सहयोग देता है

क) प्रेक्षित समूह गठन प्रक्रियाओं का वर्णन करता है

ख) समूह/डीपीओ बैठकों की स्थापना और आयोजन का समर्थन करता है

ग) समूहों को उनके अधिकारों और दायित्वों के बारे में शिक्षित करता है

घ) स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए समूहों को प्रशिक्षित करता है

ङ) अन्य प्रासंगिक प्रमुख हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए समूहों को सुविधा देता है

प्र.25. प्रासंगिक जानकारी और दस्तावेज साझा करता है

क) प्रासंगिक सहयोग प्रावधान योजनाओं, कार्यक्रमों और दस्तावेजों का वर्णन करता है

ख) दिव्यांगजनों द्वारा प्रावधानों के उपयोग पर आंकड़े एकत्र करता है

ग) ग्रामीण स्तर पर अनुपालन की रिपोर्ट देता है

प्र.26. समुदाय के नेताओं के साथ समावेशन के लिए तर्क देता है

क) नेताओं के साथ प्रेरक बातचीत करता रहता है

ख) समर्थन के साथ, स्थानीय नेताओं के अधिक समावेश के लिए एक मामला बनाता है

ग) ब्लॉक स्तर के नेताओं को समावेशी विकास में शामिल होने के लिए मनाने के लिए स्वयं बातचीत करता है

घ) सीबीआईडी प्रशिक्षुओं को समर्थन करता है और उन्हें बताता कि नेताओं के साथ प्रेरणाप्रद रूप से बातचीत कैसे करें

प्र.27.समुदाय समूहों में शामिल होने के लिए व्यक्तियों और परिवारों को प्रेरित करता है

क) समूहों में शामिल होने वाले व्यक्तियों और परिवारों पर प्रभाव डालने वाले कारकों की पहचान करता है और उन्हें प्राथमिकता देता है

ख) किसी परिवार/व्यक्ति को सामुदायिक जीवन में शामिल होने के लिए एक राजी करता/मामला बनाता है

ग) सामुदायिक भागीदारी को बाधित करने वाले कई कारकों का निवारण करता है

प्र.28.समावेशी कार्यक्रम और विशेष दिवसों का आयोजन करता है

क) समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिनों को मनाता है और उनके आयोजन में शामिल है

ख) डीपीओ और समुदाय के साथ समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिनों को मनाने की व्यवस्था करता है

ग) समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिनों/घटनाओं के संचालन के लिए समुदाय/डीपीओ को सहयोग करता है

प्र.29.भूमिका की आवश्यकताओं के आधार पर कार्य करता है (जैसे, विभिन्न स्थानों के लिए यात्रा के अलग–अलग साधनों से यात्रा करने के लिए कार्यक्रम तैयार किया जाता है, अलग–अलग पृष्ठभूमि से समूहों के साथ काम करता है, दिन में/समुदाय के लिए सबसे उपयुक्त समय में काम किया जाता है)

क) किसी की पृष्ठभूमि में भूमिका के लिए चुनौतियों की पहचान करता है और इनके खिलाफ तर्क तैयार करता है

ख) विश्वसनीय, जिम्मेदार, निष्पक्ष व्यवहार दर्शाता है

ग) व्यक्ति/परिवार/समुदायों की आवश्यकताओं के अनुसार दृष्टिकोण अपनाता है

प्र.30.एक सक्रिय समूह सदस्य के रूप में योगदान देता है

क) एक दल में विभिन्न कौशल सेट के महत्व को पहचानता है

ख) सकारात्मक दल के कामकाज को सुकर बनाता है और बढ़ावा देता है

ग) दल के दृष्टिकोण और उद्देश्य का परामर्श देता है

प्र.31.एक भरोसेमंद तरीके से आचरण करता है

क) निर्दिष्ट कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करता है

ख) सौंपी गई गोपनीय जानकारी को रखता है

ग) उन पक्षकारों के साथ व्यवहार करते समय निष्पक्षता प्रदर्शित करता है जिनके विरोधी दृष्टिकोण हैं

प्र.32.दिव्यांगता को ज्ञान के स्रोत के रूप में सम्मान देता है

क) अपने शब्दों में दिव्यांगजनों के अधिकार को समान रूप से मानने का वर्णन करता है

ख) गुंजाइश बनाता है और दिव्यांगता का जीवंत अनुभव रखने वाले लोगों से योगदान और अंतर्दृष्टि प्राप्त करता है

ग) सामर्थ्य–आधारित दृष्टिकोण के साथ समुदाय को दिव्यांगता से जुड़ने और उनके कल्याण में शामिल होने के लिए राजी करता है

प्र.33. प्रासंगिक कानूनी और विनियामक ढांचे के भीतर प्रचालन करता है

क) प्रासंगिक कानूनों और आचार संहिता/एसओपी को संकलित करता है

ख) सुनिश्चित करता है कि स्वयं के कार्यस्थल का व्यवहार और संपर्क सांस्कृतिक और प्रासंगिक मानदंडों का सम्मान करें

ग) नए विचारों/अभ्यास/संदर्भ के विषयों को मौजूदा एसओपी में शामिल करता है

घ) नैतिक व्यावसायिक वृत्ति में व्यक्तिगत जिम्मेदारी की दूसरों से हिमायात करता है

प्र.34. वैयक्तिक सामाजिक–भावनात्मक कुशलता अनुरक्षित करता है

क) भूमिका के संभावित भावनात्मक प्रभावों की पहचान करता है

ख) उनकी अपनी भलाई की निगरानी करता है और समर्थन मांगता है

ग) व्यावसायिक वृत्ति के अभिन्न अंग के रूप में व्यक्तिगत कुशलता को प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय रूप से दूसरों का समर्थन करता है

प्र.35. सीबीआईडी कार्य–निष्पादन में सुधार करने के लिए सतत् अधिगम की योजना बनाता है

क) ज्ञान और कौशल में खामियों की पहचान करता है

ख) संगठित शिक्षण अवसरों का लाभ उठाता है

ग) भूमिका के स्तर और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण की जरूरतों को प्राथमिकता देता है

घ) अपेक्षित डिप्लोमा प्रगति को पूरा करने की योजना बनाता है

प्र.36. कार्य योजना तैयार करता है

क) निर्धारित प्रारूप के अनुसार कार्य योजना तैयार करता है

ख) अप्रत्याशित घटनाओं/स्थितियों के लिए कार्य योजनाओं को अपनाता है

ग) योजनाएँ दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करती हैं

प्र.37. रिपोर्ट लिखता है

क) निर्धारित प्रारूप का उपयोग करके बुनियादी जानकारी को प्रलेखित करता है

ख) जटिल रिपोर्ट पूरी करता है

ग) नई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रिपोर्टों का पालन करता है

घ) रिपोर्ट में आंकड़ों/परिणामों की व्याख्या प्रदान करता है

निर्देश एवं समंकन निर्देशिका :

प्रत्येक प्रश्न प्रगामी आधार पर सक्षमता को अभिवयक्त करता है – अतः यदि प्रशिक्षक किसी प्रश्न के लिए स्तर–ग अंक प्राप्त करता है, तो वह स्वतः ही उससे नीचे के दो स्तर हासिल कर लेता है और इस प्रकार वह 3 अंक (क+ख+ग) प्राप्त कर लेता है। निर्देश एवं समंकन निर्देशिका के अनुसार, कुल अंकों को उस विधिमान्य कार्य–निष्पादन बैंड/स्तर के साथ संरेखित किया जा सकता है, जहां प्रशिक्षु वर्तमान में कार्य कर रहा है।

	विधान का प्रयोग करते हुए समुदाय अवसरचना/ परिवर्तनों में प्रस्तावित समायोजन/ परिवर्तनों को औचित्यपूर्ण ठहराना					ग्राम में बाह्य संसाधन लाना		अन्य सीबीआईडी प्रशिक्षुओं को सहायता देना और इस संबंध में जानकारी देना कि नेताओं के साथ दृढ़ता के साथ कैसे संपर्क किया जा सकता है	ग्राम स्तर पर अनुपालन पर रिपोर्ट देना		अन्य में मंदित नेतृत्व कौशल लाना और विकसित करना	बाह्य सेवा प्रदाताओं को सामान्य दिव्यांगता जरूरतों और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में प्रशिक्षित करना	**मानकों से अधिक:** समुदाय से परे सीबीआईडी को बढ़ावा देता है, परिवर्तित विधान और सरकारी व्यवहारों को सुकर बनाता है	41–46
न्यूनतम सक्षमता को प्रक्रिया में लाने का स्तर														
दिव्यांगता और समावेशन पर विभिन्न समुदाय संदर्शों की तुलना करना		सभी के लाभ के लिए बातचीत, विभिन्न समूहों के लिए अलिखित आधारभूत नियमों का उपयोग करना		प्राधिकारियों से आवश्यक निर्देश प्राप्त करता है (अर्थात तालुक)	समुदाय प्रतिभागिता प्रदर्शित करने वाले अनेक कारकों का निवारण करता है	समुदाय को इसके अपने संसाधनों का सक्रिय योगदान करने के लिए आश्वस्त करता है	अंतर्वेशी कार्यक्रम और विशेष दिवस/आयोजन संचालित करने के लिए समुदाय/ डीपीओ को सहायता देता है	अंतर्वेशी विकास में शामिल होने के लिए ब्लाक स्तर के नेताओं को प्रेरित करने के लिए स्वतः संपर्क स्थापित करना		अन्य प्रासंगिक हितधारकों के साथ संपर्क करने के लिए समूहों को सहायता प्रदान करना	संभावित नेताओं को नेतृत्व कौशल प्रदान करना		**सक्षमता :** सभी क्षेत्रों में अधिक सामुदायिक पहुंच और समावेश के लिए परामर्श देता है; आवश्यक संसाधन और सेवाएँ प्राप्त करता है; दिव्यांगता के साथ रहने वाले लोगों और परिवारों की स्थानीय नेतृत्व क्षमता विकसित करताहै।	26–40
नकारात्मक समुदाय अभिवृत्तियों और दृष्टिकोण के प्रति तर्क विकसित करना			पीआर, के मा/यम से मार्गदर्शन (मैपिंग)	समुदाय संबंध बनाने/मज़बूत करने के लिए हितधारकों के साथ बातचीत करना						समूहों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना		ग्राम पदधारकों को लिग दिव्यांगता आवश्यकता के बारे में निर्देश देना और उनकी जिम्मेदारी के बारे में बताना		
	सही सांविधिक प्रावधानों और स्थिति के अनुसार पद्यति को अपनाता है	कारक प्रभावी स्थितियों की अंतरआश्रिता सामाजिक– आर्थिक/ लिंग/जाति/धर्म, को पहचानता है				व्यक्तियों/ परिवारों को उपलब्ध होने वाले सरकारी संसाधनों को सुलभ कराता है	डीपीओ और समुदाय के मध्य समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिवसों का आयोजन और संचालन करता है	सहयोग के साथ स्थानीय नेताओं के अधिक समावेशन के लिए मामला बनाता है	दिव्यांगजनों द्वारा सुविधाओं की पहुंच प्राप्त करने के लिए आंकड़े एकत्र करना	समूहों को उनकी पात्रताओं और दायित्वों के बारे में शिक्षित करता है			**प्रगत प्रारम्भक :** सामुदायिक समावेश के लिए तर्कयुक्त तर्क प्रदान करता है; समावेशन परामर्श में शामिल होता है और व्यक्तिगत और सामुदायिक सशक्तिकरण में सहायता करता है।	13–26
दिव्यांगता और दिव्यांगता समावेश के अनुभव पर पृष्ठभूमियों के प्रभाव का वर्णन करता है			समर्थन के साथ पीआरए में प्रतिभागिता करता है ज	रणनीतिक आधार पर योजना बनता है और मानचित्रण करता है (अर्थात कम स्वाभाविक हितधारकों जैसे स्कूल पर विचार करता है)	सामुदायिक जीवन में शामिल होने के लिए परिवार/व्यक्ति को प्रेरित करता/ मामला बनता है					समूह/ डीपीओ बैठकों की स्थापना और संगठन को सहयोग देता है	संभावित नेताओं को प्रोत्साहित करता है और सूचित करता है कि उनकी क्षमता किस प्रकार बढ़ाई जाए	घनिष्ठ समुदाय सदस्यों को उनके जानने वाले दिव्यांगजनों से बेहतर रूप से जुड़ने/ संपर्क स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित करना		
	कुछ प्रासंगिक सांविधिक कानूनों, उपबंधों और प्रक्रियाओं एवं उनके संपर्कों का वर्णन करता है	उन कारकों का वर्णन करता है जो समुदाय द्वारा दिव्यांगजनों के समावेशन में योगदान देता और अवरोध उत्पन्न करता है			समूह में शामिल होने वाले व्यक्तियों और परिवारों को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान करता और प्राथमिकता देता है	परिवारों को उनके विद्यमान (स्वयं के) संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है			प्रासंगिक सहायक उपबंधों, योजनाओं, कार्यक्रमों और दस्तावेजों का वर्णन करता है			परिवारों को उस तरीकों के बारे में निर्देश देता है जिनसे वे अपने दिव्यांग सदस्य को सहायता प्रदान कर सकते हैं	**नवदीक्षित :** सीबीआईडी के मूल सिद्धांतों और कार्यों के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करता है; व्यक्तियों और परिवारों के साथ समावेशन, अधिकारों और हकदारियों के बारे में सटीक जानकारी साझा करता है।	1–12
समुदाय की बाधाओं और समावेशन के सिद्धांतो को परिभाषित करता है			पीआरए/ पीएलएको परिभाषित और वर्णित करता है	ग्राम में प्रमुख हितधारकों की सूची बनाना			समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिवसों में भागीदारी करता है	नेताओं के साथ प्रोत्साहक संपर्कों का प्रेक्षण और वर्णन करता है		अनुपालित समूह गठन प्रक्रियाओं का वर्णन करता है				
अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य		
1.1 समुदाय विकास और सीबीआईडी को समझता है	1.2 सांविधिक प्रावधानों को समझता है	1.3 पृष्ठभूमि विभेदों और उनके प्रभाव को समझता है	2.3 समुदाय संसाधनों को समझता है	2.1 आवश्यक समुदाय संपर्क स्थापित करता है	2.9 समूह में शामिल होने के लिए व्यक्तियों और परिवारों को प्रेरित करता है	2.4 समुदाय संसाधनों के उपयोग को समर्थ बनाता है	2.10 समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिवसों का आयोजन करता है	2.8 समुदाय नेताओं के साथ समावेशन के लिए तर्क करता है	2.7 प्रासंगिक जानकारी और दस्तावेज अनुपालन साझा करता है	2.6 समूहों और डीपीओ के गठन का सहयोग करता है	2.5 संभावित नेताओं की पहचान करता है	2.2 अन्यों को संवेदी और प्रशिक्षित करता है	समावेशी सामुदायिक विकास– निर्देश और अंक समंकन निर्देशिका	
1 समझ के फ्रेमवर्क			**2 समुदाय के साथ संबंध और प्रोफाइल बनाना**				**3 सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करता है**			**4 समुदाय नेतृत्व और कार्रवाई को सहयोग करता है**				

	मानसिक रोग की पहचान करना	उन सभी परिस्थितयों में हस्तक्षेप करता है जो आकलन सटीकता को प्रभावित करती हैं					रिपोर्टों में आंकड़ों/ परिणामो का निर्वचन प्रदान करता है	सार्वभौमिक डिज़ाइन भौतिक पहुँच सिद्धांत और प्रक्रियाओं की समुदाय–व्यापी परामर्श करना					**उपर्युक्त मानक :** समुदाय–आधारित पुनर्वास की संभावनाएं, गहन जानकारी से सृजनात्मक प्रतिक्रियाएं प्रदान करता है	40–44
व्यवहार के लिए न्यूनतम सक्षमता का स्तर														
			प्रतिरोधी हितधारकों से आश्वस्त रूप से बातचीत करता है	स्वयं के व्यवहार का विश्लेषण करता है तथा व्यक्तियों और परिवारों को और सशक्त बनाने के लिए उसे और समायोजित करता है परिवार में सामूहिक रूप निर्णय लेने को से सुकर बनाता है	व्यक्तियो और परिवार की शक्तियों के बारे में निष्कर्षों का निर्वचन करता है और उन्हें योजना में शामिल करता है	ग्रामीण स्तर पर व्यावसायिक सेवाएं लाने के लिए शिविरों और अभियानों के आयोजन को सुकर बनाता है जोखिमग्रस्त और दुर्गम स्थानों पर फंसे लोगों की पहचान और उन्हें निर्दिष्ट करता ह	नई अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए रिपोर्टें अनुकूलित करता है जटिल रिपोर्टें को पूर्ण करता है	समुदाय में अधिक भौतिक पहुँच सुकर बनाता है भौतिक पहुँच में सुधार करने के लिए गृह आशोधनों का सुझाव देन	विकास और शिक्षण को संपोषित करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करने के लिए परिवार को सहायता प्रदान करना	समुदाय में अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करता है	स्वतंत्रता में सुधार लाने के लिए परिवार के प्रतिरोध का निवारण करने के लिए समस्या समाधान करता है	विभिन्न संचार साधनों में बुनियादी प्रवीणता से परे हासिल करना	**सक्षमताः** व्यक्तियों के समावेश की अभिवृत्ति और भौतिक बाधाओं के निवारण के लिए कार्य करता है; पुनर्वास लक्ष्यों को सहायता प्रदान करने के लिए समुदाय की क्षमता का निर्माण करता है; स्वयं के कार्य–निष्पादन को निर्णायक रूप से परिलक्षित करता है; और सुधार के लिए स्वयं का विस्तार करता है.	27–39
आरपीडी अधिनियम 2016 के अंतर्गत 21 दिव्यांगताओं का नाम लेना और उनका वर्णन करता है	विकासात्मक दिव्यांगताओं में विभेद करता है	उपयुक्त जांचसूची का चयन और उसे प्रशासित करता है	संवेदी सूचना को पर्याप्त रूप से संप्रेषित करता है	परिवार के साथ सहयोगी चर्चा को सुकर बनाता है	आस्तियों और कार्यात्मक आकलन में मजबूती के बारे में प्रश्न समाविष्ट करता है	सही रेफरल मार्गों की पहचान करता है और उन्हें समुचित रूप से रेफ़र करता है		संचलनता और भौतिक क्षमता को सहयोग करने वाले सहायक उपकरणों का सही प्रयोग सुनिश्चित करना	उपलब्ध प्रारंभिक शिक्षण संसाधनों के बारे में परिवार को सूचित करता है	सहायक प्रौद्योगिकी के प्रयोग में प्रशिक्षित करता है	अधिक वैयक्तिक स्वतंत्रता को सुकर बनाने के लिए परिवार के सदस्यों की क्षमता का निर्माण करता है दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में स्वतंत्रता को स्वतंत्र रूप से सुकर बनता है	यथा अपेक्षित अन्य रूपों में एक–चरण सूचना संप्रेषित करता है	**प्रगत प्रारम्भक :** क्षमता निर्माण के लिए परिवारों और व्यक्तियों के साथ सामूहिक रूप से कार्य करता है; इस संबंध में निर्णय करता है कि किस सीमा तक हस्तक्षेप करना है; दिव्यांगता सहायक कार्य का मजबूती– आधारित दृष्टिकोण लागू करता है	14–26
यह जानता है कि कौन से कारक दिव्यांगता कारित करते हैं और कौन से नहीं.	स्वाभाविक दिव्यांगताओं में विभेद करता है	यथानिर्देशित मूलभूत जांच–सूची पूर्ण करता है	सटीक निम्न–हित सूचना उपलब्ध कराता है	व्यक्तियों और दिव्यांग परिवारों के साथ व्यव्हार में निर्देशित, कार्योन्मुखी तरीके से कार्रवाई करता है	मजबूती–आधारित शक्ति को जानता है	दिव्यांगता प्रमाणीकरण/ यूडीडी सुनिश्चित करता है	विनिर्दिष्ट प्रपत्र का प्रयोग करते हुए मूलभूत सूचना प्रलेखित करता है	फिजिकल थेरेपिस्ट द्वारा सुझाए गे क्रियाकलापों का अनुपालन करता है	समुदाय में परिवार द्वारा सामाजिक प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करता है	परिवार को साधारण तकनीकों में प्रशिक्षित करता है	दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में स्वतंत्रता को सुकर बनाने में सहायता करना	संचार के विभिन्न रूपों को वर्णित करता है और उसके उदाहरण देता है	**नवदीक्षित :** सीबीआईडी कार्य के आधारभूत पहलुओं को सहायता देता है; व्यक्तियों और परिवारों को अनुदेश और सलाह देता है; दिव्यांगता की गलत समझ को सही करता है	1–13
अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	आकलन और हस्तक्षेप – निर्देश और अंकीय गाइड	
1.1 दिव्यांगता की परिस्थितयों को समझता है	1.2 दिव्यांगताओं के बीच विभेद करता है	2.1 कार्यात्मक आकलन निष्पादित करता है	2.2 आकलन निष्कर्षों को संप्रेषित करता है	2.3 परिवार को लक्ष्य निर्धारित करने में सहायता करता है	2.4 आस्तियों, क्षमताओं और मजबूतियों की पहचान करता है	3.1 विशिष्ट सेवाओं से लोगों को जोड़ता है	3.2 रिपोर्टें लिखता है	4.1 संचलन और भौतिक सक्षमता में संवृदधि करता है	4.2 सामाजिक, भावनात्मक और नैसर्गिक विकास में संवृदधि करता है	4.3 सहायक उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षित करता है	4.4 वैयक्तिक स्वतंत्रता में वृद्धि करता है	4.5 विभिन्न संचार पद्धतियों का प्रयोग करता है		
1 दिव्यांगता को समझता है		**2 आकलन और योजना संचालित करता है**				**3 संपर्कों/रेफेरल सुकर बनाता है**		**4 बहु–क्षेत्रीय हस्तक्षेप उपलब्ध कराता है**						

			दल के विजन और कारण का परामर्श देता है	शक्ति–आधारित संदर्श से दिव्यांगता के साथ जुड़ने और संबंधित होने के लिए समुदाय को प्रेरित करता है					मानवीय व्यावसायिक प्रक्रिया के लिए वैयक्तिक जिम्मेदारी के लिए अन्य को परामर्श देता है	अपेक्षित डिप्लोमा प्रगति को पूर्ण करने की योजना बनाता है	**उपर्युक्त मानक :** सीबीआईडी दल में नेतृत्वकारी भूमिका लेता है; समुदाय में मजबूत परामर्श उपलब्ध कराता है; भूमिका से परे विकास अवसरों को सक्रियता से हासिल करता है	41–46
अभ्यास के लिए न्यूनतम सक्षमता स्तर												
	वर्तमान प्रक्रियाओं में नए विचार/ प्रक्रियाएं/ संदर्भ के फ्रेम समाविष्ट करना	उन पक्षकारों के साथ संव्यवहार में निष्पक्षता दर्शाना जिनके विरोधी मत हैं				परिवार/संबंध की आवश्यकता के आधार पर उनके द्वारा संबंध बनाने के अनुसार परिवर्तन करना	सामाजिक और भावनात्मक समर्थन का प्रावधान तय करते समय बाहरी कारकों (जैसे, जाति और संस्कृति) का ध्यान रखता है	लंबी अवधि के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य की योजनाएं बनाता हैं	व्यावसायिक अभ्यास के अभिन्न अंग के रूप में व्यक्तिगत भलाई को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से दूसरों का समर्थन करता है	व्यवस्थित शिक्षण अवसरों का लाभ लेता है	पूरी तरह से समझ हासिल के लिए स्थितियों पर प्रतिबिंबित; वैकल्पिक दृष्टिकोण का सम्मान करता है; यह सुनिश्चित करता है कि योजनाएँ यथार्थवादी, आकांक्षी और अनुकूलनीय हों, जो उत्पन्न होने वाले अवसरों के लिए खुली हों	26–40
व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों की जरूरतों के अनुसार दृष्टिकोण अपनाता है					उचित रूप से जवाब देने के लिए बोली जाने वाली और अनिर्दिष्ट दोनों जानकारी को ध्यान से देखता है	परिवार/रिश्ते की गतिशीलता में मुख्य/ महत्वपूर्ण मुद्दों और विशेषताओं की पहचान करता है	व्यक्ति और परिवार की जरूरतों के समग्र मूल्यांकन के प्रत्युत्तर में भावनात्मक समर्थन प्रदान करता है	अप्रत्याशित घटनाओं/ स्थितियों के लिए कार्ययोजना अनुकूलित करता है				
पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी लोगों और परिवारों के साथ जिम्मेदार, निष्पक्ष व्यवहार दर्शाता है	स्वयं का कार्यस्थल व्यवहार सुनिश्चित करता है तथा सांस्कृतिक और संदर्भात्मक मानदंडो का पालन करता है	सौंपी गयी गोपनीय जानकारी को उचित रूप से रखता है		स्थान बनाता है और जीवंत दिव्यांगता अनुभव वाले लोगों के योगदान और अंतर्दृष्टि को ग्रहण करता है					अपनी खुद की भलाई पर नज़र रखता है और जरूरत पड़ने पर समर्थन मांगता है		**प्रगत प्रारंभक:** शैली को बेहतर बनाने के लिए रणनीतियों को सीखता है; अच्छी टीम के कामकाज का समर्थन करता है; लोगों के साथ व्यवहार में सांस्कृतिक और प्रासंगिक विस्तार में भाग लेता है और गोपनीय जानकारी के लिए उस पर भरोसा किया जा सकता है	13–26
			सकारात्मक दल के कार्यकरण को सुकर और संपोषित बनाना		व्यक्तियों और परिवारों के साथ संपर्क बनाते हुए प्रभावी श्रवण रणनीतियों का प्रयोग करता है		स्पष्ट (यानी, बताई गई) आवश्यकता के जवाब में भावनात्मक समर्थन रणनीति लागू करता है			सीबीआईडी की भूमिका के स्तर और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सीखने की जरूरतों को प्राथमिकता देता है		
	संचालन/ एसओपी के प्रासंगिक कानूनों और संहिता का संचालन करता है			अपने स्वयं में शब्दों में यह वर्णित करता है कि दिव्यांगजन अधिकारों को समान रूप से माना जाएगा		दिव्यांगजनो और उनके परिवारों के प्रति सम्मानजनक और सहायक व्यवहार प्रदर्शित करता है				ज्ञान और कौशल में खामियों की पहचान करता है	**नवदीक्षित:** निर्दिष्ट कार्य निष्पादित करता है; मूलभूत अपेक्षाओं की पूर्ति करता है; निष्पादन और शिक्षण आवश्यकताओं पर अभिव्यक्ति देता है; सीबीआईडी दल के सदस्यों और व्यक्तियों तथा दिव्यांगजनों के परिवारों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करता है	1–12
विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों के साथ कार्य करने के दौरान महसूस की जाने वाली चुनौतियों की सूची बनाना		यथाव्यवस्थित निर्दिष्ट कार्यों को पूर्ण करता है	दल में विभिन्न कौशल सेटों के मूल्य को मान्यता देता है		सुनता है और प्रतिक्रिया देता है, परामर्श देता है	दिव्यांगजनों और उनके परिवारों से संपर्क बनाते समय अपेक्षित सामाजिक मानकों का पालन करता है		विनिर्दिष्ट प्रपत्रों के अनुसार कार्य योजना तैयार करता है	पहचान कर लेता है, जब उनके द्वारा निर्वहन की जाने वाली भूमिका का उन पर संवेदनात्मक प्रभाव हो रहा है			
अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास – निर्देश और समंकन निर्देशिका	
1.1 भूमिका की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है	1.2 प्रासंगिक कानूनी और विनियामक ढांचे प्रचलित करता है	1.3 एक भरोसेमंद तरीके से स्वयं का आचरण रखता है	1.4 एक सक्रिय दल सदस्य के रूप में योगदान देता है	1.5 ज्ञान के स्रोत के रूप में दिव्यांगता का सम्मान करता है	1.6 प्रभावी रूप से सुनवाई प्रदर्शित करता है	1.7 परिवार/संबंध संरचनाओं और गतिशीलता को पढता है	1.8 सामाजिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करता है	2.1 कार्य योजनाएं तैयार करता है	2.2 वैयक्तिक सामजिक–भावनात्मक कुशलता अनुरक्षित करता है	2.3 सीबीआईडी निष्पादन में सुधार करने के लिए सतत् शिक्षण नियोजित करता है		
1 भूमिका अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति करता है								**2 कार्यों, कुशलता और सतत् सिक्षा को प्रबंधित करता है**				

चरण दो ब्लॉक 1 समय सारिणी

		सप्ताह 5	सप्ताह 6	सप्ताह 7	सप्ताह 8
सोमवार	पूर्वाह्न	2.1.2.2 (सेटअप) एक परिवार से संपर्क करना और एक अच्छा कार्यशील संबंध स्थापित करना 2.2.2.2 (सेटअप) डोर–टू–डोर जांच सर्वेक्षण	2.1.2.2 परिवारों के साथ अच्छे कार्य संबंध स्थापित करना	2.4.2.2 प्रायोगिक कार्य एक दिव्यांगता वाले परिवार के साथ भोजन के समय बातचीत	2.6.1.2 उस परिवार के लिए एक आईएफएसपी को पूरा करना और एक लक्ष्य का चयन करना
	अपराह्न	2.1.2.2 उत्प्रेरक कहानी सुनाने के माध्यम से सशक्तिकरण का समर्थन करना 2.2.3.2 (सेटअप) एक बैठक की सूचना देना 3.2.1.1 (इनपुट) फ्रंटलाइन अधिकारियों को सूचीबद्ध करना 3.2.1.2 (इनपुट) घटना प्रबंधन और पत्र लेखन कौशल	2.1.2.2 उत्प्रेरक गाथाओं का प्रलेखन जारी रखना।	2.2.3.2 एक सामुदायिक बैठक में भाग लेना और सभी हितधारकों की भागीदारी लाने में इसकी प्रभावशीलता का प्रलेखन करना।	3.1.2.2 परामर्श अभियान बनाने के लिए समय आवंटित करना
मंगलवार	पूर्वाह्न	1.1.1.2 (सेटअप) सीबीआईडी कार्यकर्ताओं की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां 1.2.1.2 कार्यस्थल विधि और नीतियां (सेटअप) 1.2.3.2 (सेटअप) दौरान 1.2.3.1 (इनपुट) निवारण तंत्र	1.2.3.2 निवारण तंत्र को समझने के लिए दौरा करना।	1.3.3.2 (ए एंड आई 2.2.2.2 के लिए ब.) संचार कौशल 1.3.3.3 वैकल्पिक संचार	1.3.4.1 (इनपुट) टीम डायनामिक्स 1.3.4.2 टीम चर्चा का अभ्यास करना
	अपराह्न	3.2.2.1 (इनपुट) पीआरआई और प्रशासनिक संरचना और विभागों की समीक्षा	2.1.2.2 उत्प्रेरक गाथाओं का प्रलेखन जारी रखना।	3.1.1.2 (जारी) सेवा वितरण डेटा संग्रह साधन का विकास करना	3.1.2.2 परामर्श अभियान के लिए समय आवंटन
बुधवार	पूर्वाह्न	1.3.3.1 (इनपुट) संचार कौशल 1.3.2.1 (इनपुट) टीमों में अच्छी तरह से बातचीत करना 1.3.2.2 (सेटअप) महत्वपूर्ण बातचीत	1.2.3.2 निवारण तंत्र को समझने के लिए दौरा जारी रखना।	1.3.3.3 संचार कौशल जारी। (कक्षा में अभ्यास)	2.2.1.1 (इनपुट) नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना
	अपराह्न	2.4.1.1 मामले की समीक्षा करना और परिवार की भागीदारी को सुकर बनाना 2.4.2.1 परिवार के भीतर एक दिव्यांगता की स्वीकृति का आकलन करना	2.2.2.2 दिव्यांगता सर्वेक्षण के लिए जांच और नियोजन प्रशिक्षक को फीडबैक (समूह कार्य)	2.5.1.2 व्यक्ति और परिवार के समर्थन नेटवर्क की मैपिंग करना (इकोमैप)	2.6.2.1 अन्य हितधारकों के साथ भागीदारी के अनुभवों में माता–पिता को शामिल करना
गुरूवार	पूर्वाह्न	3.1.1.2 (इनपुट) सेवा वितरण पर द्वितीयक डेटा एकत्र करना और उनकी व्याख्या करना	2.1.2.2 उत्प्रेरक गाथाओं का प्रलेखन जारी रखना।	3.1.2.2 आईसी सामग्री एकत्र करने के लिए समय आवंटन	3.2.2.2 डाटा से सरकार की सेवा प्रदाय आवश्यकताओं के अनुपालन को दर्शाने वाले मामला अध्ययन और गाथाओं को विकसित करना
	अपराह्न	2.5.1.1; 2.5.2.1 परिवार के साथ संसाधन और इको–मैपिंग	2.3.2.1; 2.3.2.2 जांच के परिणामों को जिम्मेदारीपूर्वक साझा करना तथा सहेजना और प्रायोगिक कार्य	2.5.2.2 पुनर्वसन जरूरतों के लिए संसाधनों का मैपिक	2.6.2.1 माता–पिता को भागीदारी के अनुभवों में शामिल करने को जारी रखना।
शुक्रवार	पूर्वाह्न	3.1.2.1 (इनपुट) परामर्श अभियान 3.1.2.2 आईईसी सामग्री	2.1.2.2 उत्प्रेरक गाथाओं का प्रलेखन जारी रखना।	3.1.2.2आईईसी सामग्री एकत्र करने को जारी रखना	सप्ताह का समापन प्रस्तुतियों और डिब्रीफ के साथ होता है : • ए एण्ड आई 2.4.2.2 परिवार की भूमिका की चर्चा (ब.जिवचरण एकआईसीडी 1.1.2.1/ 1.1.2.2) • पीबी एण्ड आरपी 1.1.3.2 इस ब्लॉक को समझने में बदलाव पर चर्चा करें • पीबी और आरपी 1.3.2.2 टीम परस्पर चर्चा • आईसीडी 3.1.2.2 परामर्श योजना प्रस्तुत करना
	अपराह्न	2.6.1.1/ 2.6.2.1 एक आईएफएसपी विकसित करना और लक्ष्य प्राप्ति का समर्थन करना	2.4.1.2 बहु–विषयक मामला समीक्षा में भाग लेना और प्रभावों को दर्ज करना	2.5.1.2/ 2.5.2.2 – पूर्ण पर्यावरण और संसाधन मानचित्रण	

चरण दो ब्लॉक 1 सत्र योजनाएं

सप्ताह 5

<table>
<tr><th rowspan="2">सप्ताह 5</th><th colspan="2">चरण दो ब्लॉक 1 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह</th></tr>
<tr><th>पूर्वाह्न</th><th>अपराह्न</th></tr>
<tr><td>सोमवार</td><td>2.1.2.2 (सेटअप) एक परिवार से संपर्क करना और एक अच्छा कार्यशील संबंध स्थापित करना।

आपके पहले नियोजन ब्लॉक में आप
• देखें कि आपका नियोजन प्रशिक्षक एक परिवार से कैसे संपर्क करता है,
• पर्यवेक्षण के अधीन एक परिवार से संपर्क करें,
• अपने अनुभव पर एक जर्नल प्रविष्टि लिखें और आपके द्वारा देखी गई भूमिकाओं को सूचीबद्ध करें – यह बाद वाला पीबी और आरपी 1.1.1.2 – सीबीआईडी कार्यकर्ता की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां से संबंधित है

2.2.2.2 (सेटअप) डोर–टू–डोर जांच सर्वेक्षण (समूह बाधा)

इस अगले ब्लॉक के दौरान आपजांच के लिए डोर–टू–डोरसर्वेपूरा करने जा रहे हैं (एक गाँव/चार प्रशिक्षु) ...</td><td>2.1.2.2 आत्मनिर्णय, दृढ़ता, लचीलापन और सफलता पर सशक्तिकरण के प्रभावों का आकलन जारी रखना।

सप्ताह 3 से अनुसरण करते हुए, इस पहले ब्लॉक में आप यह करेंगे
• सशक्त परामर्शियों से मिलते रहें और सफलता की कहानियों के बारे में सुनें और रिपोर्ट करें और देखें कि उनका उपयोग कहीं और कार्रवाई को उत्प्रेरित करने के लिए कैसे किया जा सकता है
• इन कहानियों रचनात्मक रूप से पोर्टफोलियो असाइनमेंट के हिस्से के रूप में सूचित करें

2.2.3.2 (सेटअप) एक दिव्यांगता की भागीदारी के संदर्भ में एक बैठक पर रिपोर्टिंग का कार्य।

चरण एक में प्रशिक्षुओं ने अपने स्वयं की स्थानीय सेटिंग के लिए सहभागी दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए स्वयं के दिशानिर्देशों का एक समूह विकसित करेगा।इस ब्लॉक में आप
• एक पर्यवेक्षक के रूप में किसी सामुदायिक बैठक में भाग लें,
• समर्थन भागीदारी के संदर्भ में इसकी प्रभावशीलता की एक रिपोर्ट लिखें

3.2.1.1 फ्रंटलाइन अधिकारियों की पहचान करना और उन्हें सूचीबद्ध करना (इनपुट)

3.2.1.2 बैठक और इवेंट मैनेजमेंट दिशा–निर्देश और पत्र लेखन कौशल (इनपुट)</td></tr>
</table>

सप्ताह 5	चरण दो ब्लॉक 1 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
मंगलवार	1.1.1.2 (सेटबप) सीबीआईडी कार्यकर्ताओं की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ आपको सीबीआईडी कार्यकर्ताओं की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में एक जर्नल प्रविष्टि करनी है, जिसे आप ए एण्ड आई 2.1.2.2 और आईसीडी 2.1.2.2 के दौरान निरीक्षण में देखा हैं। 1.2.1.2 कार्यस्थल विधियां और नीतियां (सेटअप) हमने चरण एक में इन पर चर्चा की थी।अपने आगामी ब्लॉक नियोजन के दौरान, आपको कम से कम एक ऐसी स्थिति पर ध्यान देना चाहिए जहां विधि या नीति का प्रवर्तन आवश्यक था – स्थिति और इसे कैसे हल किया जा सकता है पर ध्यान दें 1.2.3.1 (इनपुट) निवारण तंत्र 1.2.3.2 (सेटअप) दौरा पहले ब्लॉक नियोजन में आप निम्नलिखित का दौरा करेंगे : • राज्य आयुक्त कार्यालय, • जिला बाल संरक्षण इकाइयाँ, • ब्लॉक/ग्राम बाल संरक्षण समितियाँ / चाइल्डलाइन केंद्र, • महिला आयोग (2 आधे दिन) आप इन संस्थाओं की भूमिका के बारे में एक रिपोर्ट बनाएंगे और उनके विवरण अपने **पोर्टफोलियो** में दर्ज करेंगे	3.2.2.1 (इनपुट) पीआरआई और प्रशासनिक संरचना और विभागों की समीक्षा
बुधवार	1.3.3.1 संचार कौशल (इनपुट) एक दिव्यांगता और परिवारों, समुदाय और आपकी टीम के साथ साथ अच्छी तरह से बातचीत करना (**जर्नल**) 1.3.2.1 (इनपुट) टीम परस्पर चर्चा (**जर्नल**) 1.3.2.2 (सेटबप) महत्वपूर्ण परस्पर चर्चाएं आपके नियोजन के दौरान, आपके अध्ययन जर्नल में महत्व वाली चर्चाओं के बारे में दर्ज करें– कठिन और सकारात्मक और अपने साथियों और नियोजन प्रशिक्षक के साथ प्रतिबिंबित करने के लिए एक का चयन करें। यह चिंतनशील चर्चा पहले ब्लॉक नियोजन के अंत में होगी	2.4.1.1 मामले की समीक्षा करना और परिवार के लिए पुनर्वसन प्रक्रिया में भाग लेने को सुकर बनाना...आप बहु–विषयक मामले की समीक्षा में भाग लेंगे और मामला रिकार्ड प्रोफार्मा (**पोर्टफोलियो**) में अपने अनुभवों को रिकॉर्ड करेंगे। 2.4.2.1; 2.4.2.2 (सेटअप) परिवार के भीतर एक निःशप्रजन की स्वीकृति का आकलन... पहले नियोजन ब्लॉक में आप एक व्यक्ति के परिवार और उसमें विभिन्न सदस्यों की स्वीकृति के स्तर का निरीक्षण करेंगे। (**बाधा**)

सप्ताह 5	चरण दो ब्लॉक 1 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
गुरूवार	3.1.1.2 (इनपुट) ।। सरकार की पंचायत राज व्यवस्था पर यह दूसरा सत्र है ।ध्यान सेवा प्रदाय पर माध्यमिक डेटा एकत्र करने और व्याख्या करने पर है। आगामी पहले ब्लॉक नियोजन में : • प्रशिक्षु सेवा प्रदाय डेटा (पोर्टफालियों) एकत्र करने के लिए एक प्रारूप विकसित करेंगे	2.5.1.1; 2.5.2.1 (सेटअप) शक्ति–आधारित विधियाँ– परिवार के साथ संसाधन और इको–मैपिंग आप परिवार को उनके समर्थन नेटवर्क और संसाधनों की पहचान करने में मदद करेंगे तकि उनकी पुनर्वसन की जरूरतों को पूरा किया जा सके। (जर्नल)
शुक्रवार	3.1.2.1 (इनपुट ससत्र) परामर्श अभियान ।इस सत्र में परामर्श अभियान और सफल स्थानीय परामर्श के लिए आवश्यक आईईसी सामग्री पर चर्चा की गई। 3.1.2.2 इस सत्र के दौरान प्रशिक्षुओं उनके परामर्श अभियान के लिएमहत्वपूर्ण आईईसी सामग्री एकत्र/ विकसित करना शुरू करेंगे जो पहले ब्लॉक नियोजन (असाइनमेंट) में जारी रहेगा 3.1.2.2 (सेटअप) पहले ब्लॉक सत्र में आप आईईसी सामग्री विकसित करना जारी रखेंगे और परामर्श योजना तैयार करने के लिए समय दिया जाएगा	2.6.1.1/ 2.6.2.1 (सेटअप) एक आईएफएसपी का विकास करना और समुदाय भागीदारी में सहायता करना... अंत में, इस पहले ब्लॉक में आप एक परिवार के लिए एक आईएफएसपी तैयार करेंगे और समुदाय में शामिल होने के लिए उनकी सहायता करेंगे।

चरण दो सप्ताह 5

ए एण्ड आई

2.1.2.2 अच्छे कार्यशील संबंध स्थापित करना

2.2.2.2 बाधाकारक कार्य (समूह)–स्थानीय समुदाय का जांच सर्वेक्षण (सप्ताह 6 के लिए सेटअप)

2.4.1.1 पोर्टफोलियो परियोजना : मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा का उपयोग करके मामले की समीक्षा

2.4.2.1; 2.4.2.2 बाधाकारक कार्य–परिवार में दिव्यांगता की स्वीकृति

2.5.1.1; 2.5.2.1 जर्नल कार्य–शक्ति–आधारित विधियाँ –संसाधन– और परिवार के साथ इको–मैपिंग

2.6.1.1;2.6.2.1 एक आईएफएसपी का विकास

पीबी और आरपी

1.1.1.2 सीबीआईडी कार्यकर्ताओं की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

1.2.3.1 पोर्टफोलियो परियोजना : निवारण तंत्र – बाल संरक्षण एजेंसियों की भूमिका

1.2.3.2 प्रायोगिक (दौरे)– सप्ताह 6 के लिए निर्धारण

1.3.3.1 जर्नल कार्य–संचार कौशल

1.3.2.1 जर्नल कार्य–परस्पर चर्चा

1.3.2.2 महत्वपूर्ण सहभागिता

आईसीडी

2.1.2.2 पोर्टफोलियो परियोजना (जारी) : उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन

2.2.3.2 भागीदारी बैठकें

3.2.1.1 फ्रंटलाइन सरकारी अधिकारियों को सूचीबद्ध करना

3.2.1.2 बैठक और घटना प्रबंधन दिशानिर्देश और पत्र–लेखन

3.2.2.1 पीआरआई की समीक्षा और प्रशासनिक संरचना और विभाग

3.1.1.2 पोर्टफोलियो परियोजना : सरकारी सेवा प्रदाय पर द्वितीयक डेटा एकत्र करना और उनकी व्याख्या करना

3.1.2.1 परामर्श अभियान

3.1.2.2 असाइनमेंट–परामर्श अभियानों के लिए आईईसी सामग्री

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 1 : सकारात्मक कार्य संबंध स्थापित करता है; शीर्षक 2 : परिवारों से संपर्क करने और अच्छे कार्यशील संबंधों की स्थापना के लिए रणनीतियाँ

सत्र 2.1.2.2 : अच्छे कार्यशील संबंधों को प्राप्त करने के लिए रणनीतियों को अपनाना			
चरण दो;सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु परिवार से संपर्क करने और एक अच्छे कार्यशील संबंध स्थापित करने के महत्वपूर्ण नैतिक पहलुओं से परिचित होगा।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य	यह स्पष्ट करना कि प्रशिक्षु फील्ड में जाने के दौरान परिवारों के साथ कार्यशील संबंधों की स्थापना करेंगे और उनसे संपर्क करने तथा संबंध विकसित करने के दौरान सम्मानजनक रूप से और नैतिकता की दृष्टि से जिम्मेदार होंगे। सप्ताह 6 में प्रशिक्षु पर्यवेक्षण के तहत एक परिवार से मिलेंगे, अपने अनुभव पर एक रिपोर्ट लिखेंगे और चर्चा करेंगे कि अपने नियोजन प्रशिक्षक ट्रेनर के साथ उनका संपर्क कैसा रहा?	ट्रोंटो (1994) की एथिक्स ऑफ केअर एण्ड फाइव मॉरल एलिमेंटस ऑफ एम्पावरिंग रिलेशनशिप्स देखें। **परिशिष्ट 20**

संदर्भ :

- https://iep.utm.edu/care-eth/(केयर एथिक्स – ट्रोन्टो पर चर्चा)

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 2: भूमिका के दायरे में उपयुक्त चेकलिस्ट का चयन और प्रशासन; शीर्षक 2 : चेकलिस्ट – अनुकूलन और उपयोग

जांच			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु स्थानीय क्षेत्र में एक दिव्यांगता जांच सर्वेक्षण के संचालन के लिए तैयार होते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	समूह बाधा	4 सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को एक गांव का आवंटन जांच के लिए एकडोर–टू–डोर सर्वेक्षण करने के लिए किया जाएगा। सप्ताह 6 में, प्रशिक्षु एक सर्वेक्षण करेंगे और पर्यवेक्षण के अंतर्गत जांच की प्रक्रिया को पूरा करेंगे	जांच सर्वेक्षण

संदर्भ :

- http://www.searo.who.int/entity/mentalhealth/documents/childhood-disability-screening-tools.pdf?ua=1

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 4: परिणाम और निष्कर्षो का संप्रेषित और चर्चा करता है; शीर्षक 1 : मामला समीक्षा प्रक्रियाएं और पारिवारिक भागीदारी को सुकर बनाना

सत्र 2.4.1.1: बहुविषयक टीम के साथ मामले की समीक्षा			
चरण दो;सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : मामला समीक्षा की प्रक्रिया पुनर्वसन प्रक्रिया में परिवार के भाग लेने को सुकर बनाने को समझता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	मामला समीक्षा का परिचय	पीपीटी प्रस्तुति	दिव्यांगजन का विस्तृत मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा**
	जनसांख्यिकीय डाटा प्रारूप का परिचय	जनसांख्यिकी डेटा प्रारूप के पठन को संलग्न करना	विस्तृत मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा
	समुदाय में आम शिकायतें या चिंताएं	जब भी वे समुदाय चर्चा में आएंगे आम शिकायतों की सूची लाएंगे	विस्तृत मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा
	मामला इतिहास शीट का परिचय	विस्तृत मामला इतिहास को पढ़ना	प्रोफार्मा
	शर्तों को संदर्भित करने के लिए उपयुक्त शब्दावली और चित्र	जांच और आकलन चेकलिस्ट	मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा
	आकलन और निष्कर्ष	दिव्यांगता वर्गीकरण सूची संशोधन	मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा
	सार और सिफारिश	बहु–विषयक टीम के साथ समूह चर्चा मुक्त सिरे वाले प्रश्नों की सूची पोर्टफोलियो में मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा फाइल करना	मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा

संदर्भ :

- https://www.researchgate.net/publication/319304595 मूल्यांकन के लिए एक बहु–विषयक दृष्टिकोण और प्री–स्कूल एज न्यूरो डेवलपमेंटल डिसआर्डर का प्रबंधन एक स्थानीय अनुभव।
- *ईएन शीर्षक 14:बहु–विषयक टीम के साथ मामले की समीक्षा*

टिप्पणियाँ :

** यह मामला रिकॉर्ड प्रोफार्मा प्रशिक्षक की हैंडबुक में एक परिशिष्ट के रूप में प्रदान किया जाना चाहिए।

ए एण्ड आई यूनिट दो: आकलन और आयोजना; सत्र योजना:मॉड्यूल 4: परिणाम और निष्कर्षों को संप्रेषित और चर्चा करता है; शीर्षक 2 : पारिवारिक स्वीकृति के स्तर का आकलन करता है

सत्र 2.4.2.1: परिवार में दिव्यांगता की स्वीकृति

चरण दो; सत्र संख्या :

सत्र अवधि :

प्रशिक्षुओं की संख्या:

प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षुओं को परिवार के भीतर एक दिव्यांगजन की स्वीकृति के स्तर के आकलन के तरीके का पता लगाना होगा

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	दिव्यांगजन और देखभालकर्ता सहभागिता को समझने के लिए तंत्र	1. परिवार और दिव्यांगजन को समझने के लिए एक ब्रिज क्रियाकलाप बनाना एक परस्पर चर्चा सत्र	लैपटॉप फ्लिप चार्ट
	परामर्शियों के रूप में परिवारों को जानकारी देना	2. कक्षा में एक ओपन हाउस आयोजित करना और समुदाय पर इसे लागू करना अन्य परिवारों के अनुभवों के संदर्भ का उपयोग करना, विशेष रूप से दिव्यांगता वाले बच्चे को पालन के संबंध में,	
	परिवार की भागीदारी के प्रकार	सहयोगात्मक भोजन समय खेलने का समय	

संदर्भ :

- http://downloads.hindawi.com/journals/tswj/2007/781341.pdf
- *ईएन शीर्षक 15: दिव्यांगता की परिवार द्वारा स्वीकृति*

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; सत्र योजना: मॉड्यूल 4: परिणाम और निष्कर्षों पर संप्रेषण और चर्चा करता है; शीर्षक 2 : पारिवारिक स्वीकृति के स्तर का आकलन करता है

सत्र 2.4.2.2: परिवार की दिव्यांगता की स्वीकृति का निर्धारण

चरण दो; सत्र संख्या:

सत्र अवधि: आधा दिन (2 × 90 मिनट)

प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु परिवार में दिव्यांगजन की स्वीकृति के स्तर का आकलन करते हैं

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	कार्यालय में ब्रीफिंग	उस दिन और प्रशिक्षु जिम्मेदारियों के बारे में चर्चा	प्रशिक्षु के लिए तलाशे जाने वाले प्रश्नों की सूची
	भोजन के समय के दौरान सहित परिवार पर जाएँ	प्रशिक्षु परिवार में बच्चे को देखता है, खेल के समय के दौरान भाग लेता है, परिवार के साथ चर्चा में सीबीआईडी फील्डवर्क की सहायता करता है– प्रश्नों के उत्तर देता है, कुशलक्षेम और दिव्यांगता की समझ का पता लगाता है; भोजन के समय में साथ रहता है और देखता है कि कैसे प्रबंधित किया जाता है	संभवतः प्रशिक्षु, या प्रबंधक द्वारा प्रशिक्षु की सहायता से एक खेल क्रियाकलाप तैयार किया गया हो
	कार्यालय में डीब्रीफिंग	प्रशिक्षु प्रबंधक के साथ चर्चा करता है, या एक रिपोर्ट पूरी करता है, परिवार की शक्तियों, आवश्यकताओं, कुशलक्षेम और स्वीकृति के स्तर का आकलन करता है (बाधा कारक कार्य)	प्रशिक्षु के भरने के लिए फार्म या प्रबंधक द्वारा पूछे जाने के लिए प्रश्नों का सेट **परिशिष्ट 24**

ए एण्ड आई यूनिट दो: आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 5: सहयोगात्मक और शक्ति–आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके आवश्यकताओं का विश्लेषण; शीर्षक 1 : परिवार सहायता नेटवर्क की मैपिंग

सत्र 2.5.1.1: शक्ति आधारित विधियां : इको मैपिंग			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु क्लाइंट के सपोर्ट नेटवर्क की पहचान करने वाली इको– मैपिंग पर चर्चा करते है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिचय	एक मामला अध्ययन प्रस्तुत करना जहां इस दृष्टिकोण का अभ्यास किया गया है और छोटे समूहों में, प्रशिक्षु निर्धारित करते हैं कि परिवार और कार्यकर्ता के बीच संव्यवहार में क्या अंतर है	मामला अध्ययन का प्रिंट आउट, मामला अध्ययन की डिजिटल कॉपी, चार्ट पेपर, मार्कर
	दृष्टिकोण की परिभाषा, सिद्धांत, लाभ और हानियां	परिभाषा और सिद्धांतों पर प्रस्तुतीकरण बड़ी समूह चर्चा : इस दृष्टिकोण के लाभ और हानियां	लैपटॉप, एलसीडी
	शक्ति आधारित हस्तक्षेप प्रारंभ करना		लैपटॉप, एलसीडी
	समर्थन नेटवर्क की पहचान : इको मैप तैयार करने के लिए इको मैप कदमों के इको मैपिंग घटकों से परिचय	इकोमैप, घटकों पर प्रस्तुतीकरण और एक बड़े समूह के रूप में एक उदाहरण के तौर पर एक प्रक्रिया बनाना	लैपटॉप, एलसीडी, उदाहरण इको मैप की प्रतियां
	एक इकोमैप बनाना	3–4 के समूहों में, समूह के सदस्य के लिए एक इको मैप बनाएं	चार्ट पेपर, मार्कर

संदर्भ :

- https://pdfs.semanticscholar.org/bdde/f8b994c621f3d3e6b20e34f0526adc117e05.pdf
- *ईएन शीर्षक 16 :संसाधन मैपिंग*

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना;मॉड्यूल 5: सहयोगात्मक और शक्ति–आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके आवश्यकताओं का विश्लेषण; शीर्षक 2 : पुनर्वास आवश्यकताओं के लिए संसाधन मैपिंग

सत्र 2.5.2.1: शक्ति आधारित विधियाँ– संसाधन मैपिंग			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वसन की आवश्यकताओं हेतु संसाधनों पर चर्चा करते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	संसाधन मैपिंग का परिचय : परिभाषा, मैप किए जाने वाले संसाधनों का निर्धारण	परिभाषा और चरणों पर प्रस्तुतीकरण	लैपटॉप, एलसीडी
	संसाधन मैपिंग	मामला अध्ययन : 3–4 के समूहों में निर्धारित करें कि आप इस व्यक्ति विशेष या परिवार के लिए किन संसाधनों को मैप करेंगे और आप ऐसा कैसे करेंगे?	अधिगम जर्नल अभ्यास 8 **परिशिष्ट 25**

संदर्भ :

- https://www.wvi.org/sites/default/files/Mapping.pdf

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 6 : यथार्थवादी और आकांक्षात्मक आयोजना और लक्ष्य निर्धारण का समर्थन करता है; शीर्षक 1 : आईएफएसपी विकास जो नियोजित और सशक्त बनाता हो

सत्र 2.6.1.1: एक व्यक्तिगत परिवार सहायता योजना (आईएफएसपी) विकसित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु दिव्यांगजन की पूरी जिम्मेदारी संभालने वाले परिवार के साथ सभी हितधारकों के परामर्श से एक आईएफएसपी विकसित करने में सक्षम होगा।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	आईएफएसपी के बारे में पहले से ही क्या ज्ञात है?	चर्चा	
	आईएफएसपी अर्थ आवश्यकता सेवाएं कौन–कौन शामिल हैं : परिवार, थेरापिस्ट, चिकित्सक, प्रारंभिक हस्तक्षेपकर्ता, दिव्यांगजन, सोशल वर्कर? प्रत्येक हितधारक की भूमिका दिव्यांगजन की जिम्मेदारी लेने में परिवार की भूमिका परिवार की चिंताओं, प्राथमिकताओं और संसाधनों की मैपिंग आईएफएसपी की प्रक्रिया	पीपीटी प्रस्तुति आईएफएसपी में शामिल होने वाले लोगों की पहचान के लिए मामलों पर चर्चा	लैपटॉप मामलें
	आईएफएसपी का प्रारूप	पीपीटी प्रस्तुतिकरण दिए गए मामलों के आधार पर आईएफएसपी तैयार करना	लैपटॉप मामलें
	मूल्यांकन	सभी हितधारकों (पर्यवेक्षण के तहत) के साथ चर्चा के बाद प्रशिक्षु एक आईएफएसपी तैयार कर सकेगा (बाधा)	आईएफएसपी प्रोफार्मा की आवश्यकता– ectacenter.org से नीचे संदर्भ में वर्णित आईएफएसपी टेम्पलेट एक बहुत ही विस्तृत रूप है, जिसे भारतीय सीबीआईडी संदर्भ में अनुकूलित करने की आवश्यकता होगी।

संदर्भ :

- https://www.understood.org/en/learning-attention-issues/treatments-approaches/early-intervention/ifsp-what-it-is-and-how-it-works
- https://ectacenter.org/eco/assets/pdfs/MDIFSPForms Rev%20Aug2011.pdf
- *ईएन शीर्षक 17: भागीदारी योजना*

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 6: यथार्थवादी और आकांक्षात्मक आयोजना और लक्ष्य निर्धारण का समर्थन करता है; शीर्षक 2 : परिवार द्वारा लक्ष्य–प्राप्ति को सुकर बनाना

सत्र 2.6.2.1 : लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिवार की क्षमता और प्रभावकारिता – आईएफएसपी का समर्थन करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्याः			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति और परिवार को अन्य लोगों के साथ कार्य करने को सुकर बनाने में समर्थ होगा			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पारिवारिक प्रभावकारिता का अर्थ पारिवारिक समर्थता परिवार की क्षमता	पीपीटी प्रस्तुतिकरण पारिवारिक आवश्यकताओं और संसाधनों को प्रदर्शित करने के लिए माइंड मैप एक परिवार की आवश्यकताओं, विश्वासों, और संसाधनों की पहचान के लिए चर्चा	लैपटॉप मामलें चार्ट
	अन्य हितधारकों के साथ संपर्क व्यक्ति के रूप में सीबीआईडी कार्यकर्ता की भूमिका (यदि परिवार का इको मैप पहले से ही बनाया गया है तो उसका इस्तेमाल यहां किया जा सकता है)	विचार मंथन	मामलें

संदर्भ :

- https://www.uky.edu/~eushe2/Bandura/Bandura2011AP.pdf
- http://www.puckett.org/presentations/FamCapacity Build I 2014 Adelaide.pdf
- *ईएन शीर्षक 18 : पारिवारिक क्षमता*

भारतीय पुनर्वास परिषद्

पीबी एण्ड आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं, अपेक्षाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करना; मॉड्यूल 2 : विधिक और नैतिकता पूर्ण ढंग से कार्य करता है; शीर्षक 3 : निवारण तंत्र (1.2.3.2 सप्ताह 6)

सत्र 1.2.3.1: निवारण तंत्र (तीन उप–शीर्ष शामिल हैं: 1) बाल संसंरक्षण प्रकोष्ठों का ज्ञान; 2) दिव्यांगजन आयोग; 3) अन्य शिकायत तंत्र			
चरण दो; सत्र संख्या:			
सत्र अवधि:			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु को उपलब्ध स्थानीय निवारण तंत्रों की खोज करने और उन्हें एक्सेस करने में मदद करना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	निवारण तंत्र – आवश्यकता विभेद करना: • असंतोष • शिकायत • शिकायतें परिभाषाएं शिकायतों का रूप शिकायतों के प्रकार शिकायतों का प्रभाव	परिचय शिकायत, उसके प्रकार और प्रभावों, और शिकायत तंत्र की आवश्यकता पर वैचारिक स्पष्टता लाने के लिए पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण	एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन फ्लिप चार्ट सफेद बोर्ड
	भारत में शिकायत हैंडलिंग प्रणालियां शिकायत निवारण प्रक्रिया ई–कोर्ट मिशन मोड परियोजना और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निःशुल्क कानूनी सहायता	प्रशिक्षु के लिए देश में विभिन्न निवारण तंत्रों और दिव्यांग बच्चों और वयस्कों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण समूह कार्य : कुछ मामलों पर चर्चा	एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन फ्लिप चार्ट पेन पेपर पोस्ट–इट
	दिव्यांगजनों के लिए मुख्य और राज्य दिव्यांगजन आयुक्तों का कार्यालय – भूमिकाएं, जिम्मेदारियां, जिला बाल संरक्षण यूनिटें; बाल संरक्षण के लिए जिला, ब्लॉक और गाँव स्तर पर समितियाँ चाइल्डलाइन इंडिया राष्ट्रीय न्यास के साथ शिकायत निवारण महिला आयोग – शिकायत और विधि प्रकोष्ठ	पावर पाइंट प्रस्तुति करण समूह कार्य : अधिनियम का पठन, संगठनात्मक नीति को पढ़ना और यह समझना कि सीबीआईडी कार्यकर्ता का क्या कार्य है **पोर्टफोलियो–** भारत में शिकायत निवारण प्रणालियों और ज़िम्मेदार संगठनों में दायर करना	एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन फ्लिप चार्ट पेन पेपर पोस्ट–इट

संदर्भ :

- Childline: https://childlineindia.org.in/
- Free legal aid: https://districts.ecourts.gov.in/mahendragarh/legal-aid
- National Trust: http://thenationaltrust.gov.in/content/innerpage/grievance-redressal.php
- Legal rights of persons with disabilities in India: http://vikaspedia.in/education/parents-corner/guidelines-for-parents-of-children-with-disabilities/legal-rights-of-the-disabled-in-india
- Office of the Commissioner for persons with disabilities: https://www.india.gov.in/official-website-chief-commissioner-persons-disabilities; http://www.ccdisabilities.nic.in
- Women's Commission: http://www.ncw.nic.in/ncw-cells/complaint-investigation-cell
- *ईएन शीर्षक 11 : निवारण तंत्र*

पीबी और आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं और आशाओं तथा जिम्मेदारियों को पूरा करना; मॉड्यूल 3: एक टीम में प्रभावी ढंग से कार्य करना; शीर्षक : 3 : संचार कौशल

सत्र 1.3.3.1: संचार कौशल			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु संचार क्या है को स्पष्ट करें, संचार के प्रकारों के लिए उदाहरण दें, अच्छे और खराब संचार के बीच अंतर करें और अच्छे संचार के सिद्धांतों को निकालें।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिचय: सुनना स्पष्टता फीडबैक **महत्वपूर्ण संचार :** – टीम के भीतर –ग्राहकों/परिवारों के साथ –सामुदायिक अग्रणियों के साथ –समुदाय को जुटाने के लिए –ग्राहकों के लिए बोलने हेतु	1. अनुदेशक या छात्र खराब संचार दर्शाने वाली एक घटना को दिखाए, फिर कक्षा से पूछें कि इसमें गलती कहां रही। 2. अच्छे संचार के तत्व क्या हैं पर विचार करें। 3. यह पूछें कि सीबीआईडी कार्यकर्ता की भूमिका में अच्छा संचार क्यों महत्वपूर्ण है	सफेद बोर्ड
	संचार में क्या शामिल है? संप्रेषणकर्ता संप्रेषण प्राप्तकर्ता संदेश चैनल फीडबैक	पावर पाइंट का उपयोग करें	लैपटॉप और प्रोजेक्टर
	संचार के प्रकार : एक–मार्गी/ दो–मार्गी आमने सामने/ लंबी दूरी के लिखित/मौखिक/ इलेक्ट्रॉनिक मौखिक/गैर–मौखिक	पावर पाइंट	लैपटॉप और प्रोजेक्टर
	अच्छे संचार के सिद्धांत पूर्ण स्पष्ट संक्षिप्त (संक्षिप्त और विषय तक सीमित) शिष्टाचारपूर्ण (सम्मानजनक) सही ठोस (विशिष्ट, अस्पष्ट नहीं) स्थान देना (प्राप्तकर्ताओं की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को) भाषा फीडबैक की प्रतीक्षा करें	**समूह चर्चा** : चर्चा करें कि आपने समुदाय में अच्छे संचार के बारे में क्या देखा। उपरोक्त अभ्यास में शामिल न होने पर अनुदेशक सिद्धांतों को कवर करेगा।	चर्चा विषय के साथ हैंडआउट

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	दिव्यांगजनों के साथ संचार करते समय विशेष विचार : (सीबीएम से) एक जोशीली मुस्कान। स्पर्श प्यार, चिंता और समझ का एक बहुत प्रभावी संप्रेषक है। दिव्यांगता वाले किसी व्यक्ति का उल्लेख करते समय "पहले–लो लोग" वाली भाषा का उपयोग करें। "वह एक ऑटिस्टिक लड़का है, के बजाए उस लड़के को ऑटिज्म है"। हमेशा दिव्यांग से सीधे बात करें। दुभाषिया या सहायक उपकरण को 'माध्यस्थ' रखते हुए न बोलें। "देखें'',"देखों'', "चलो'' या "सुनो'' शब्दों का उपयोग करने से मत हिचकिचाए मत। दिव्यांगजन इन शब्दों के साथ सहज हैं। यह मत माने कि ध्वनि, दृष्टि या श्रवण दोष वाले लोगों में बौद्धिक कमियां होती है। किसी अंधे व्यक्ति या किसी व्हीलचेयर में बैठे हुए या डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्ति को जोर से बोलना अनावश्यक है। केवल श्रवण शक्ति कम होने वाले व्यक्ति को ही सुनने में कठिनाई होती है! उन शब्दों से बचें जो निर्णायक हैं या जो दया या सहानुभूति की ओर ले जाते हैं; बल्कि ऐसे शब्दों का उपयोग करें जो सम्मान और स्वीकृति को दर्शाते हैं। दिव्यांगजनों के साथ बराबरी वाले समझ कर बात करें।आखिरकार, वे ऐसे ही हैं। दूसरों के साथ इस प्रकार बातचीत न करें कि जैसे दिव्यांगता मौजूद न हों। आपसी मेलजोल का अवसर दें। दिव्यांगता की अत्यधिक प्रशंसा न करें या उस पर बहुत ज्यादा ध्यान न दें।यह उसे संरक्षण देने वाले का अहसास कराता और उन्हें असहज बनाता है।	एक कहानी या कोई दिव्यांगजन जो कक्षा में आकर उन्हें समझा सकते हैं।	कहानी
	संचार में अवरोध • कठिन शब्दों का उपयोग। • भावनात्मक बाधाएँ और वर्जनाएं। • ध्यान, रुचि का अभाव, ध्यान भंग या सुनने वाले से अप्रासंगिकता। • धारणा और दृष्टिकोण में अंतर। • शारीरिक दिव्यांगता जैसे सुनने की समस्या या बोलने में कठिनाइयाँ। • गैर–मौखिक संचार के लिए भौतिक बाधाएं। • भाषा का अंतर और अपरिचित लहजे को समझने में कठिनाई। • आशाएं और पूर्वाग्रह जो गलत निष्कर्ष पर ले जा सकते हैं। • सांस्कृतिक अंतर। • पर्यावरणीय – बहुत गर्म, बहुत ठंडा, बहुत अधिक शोर।	सोचें – जोड़ी बनाएं – साझा करें व्यक्तिगत रूप से कुछ बाधाओं के बारे में सोचें जो उन्होंने अनुभव की होंगी। जोड़ी बनाएं – पड़ोसी के साथ चर्चा करें साझा करें – पूरे समूह के साथ प्रासंगिक बिंदुसाझा करें।	नोटबुक और पेन तथा व्हाइटबोर्ड
	टीम के भीतर संचार की लाइनें	प्राप्त क्षेत्र अनुभव और/या पावर पाइंट का उपयोग करके स्पष्ट करेंकि संचार की लाइनें क्या हैं।	लैपटॉप और प्रोजेक्टर
	संक्षेप में सत्र के बारे में बताए	जल्दी से मुख्य बातों को दोहराएं	
	प्रतिबिंब	**सोचें और लिखें :** एक नई चीज जो आपने संचार के बारे में सीखी है जो आपको लगता है कि उपयोगी है। अच्छे संचार के दो सिद्धांत जिनमें आप सुधार करना चाहते हैं। 1 से 10 के पैमाने पर, आपके संचार कौशल कितने अच्छे हैं?	अधिगम जर्नल अभ्यास 9 परिशिष्ट 26

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 12: संचार कौशल*

पीबी और आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं और आशाओं तथा जिम्मेदारियों को पूरा करना मॉड्यूल 3 : एक टीम में प्रभावी ढंग से कार्य करता है; शीर्षक 2 : टीम चर्चाएं

सत्र 1.3.2.1: टीमों में भली–भांति चर्चा करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्याः			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : टीम के भली–भांति चर्चा करने के लिए प्रशिक्षुओं को सहयोग करें			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिचय *प्रत्येक टीम के सदस्य का महत्व।* *टीम के सदस्यों के बीच परस्पर चर्चा।*	समूह कार्य –कक्षा को समूहों में विभाजित करें और एक छोटी टीम गतिविधि करें जिसमें सभी सदस्य शामिल हों। डिब्रीफ –आपने अपनी टीम चर्चाओं में क्या देखा?क्या अच्छा था?एक साथ कार्य करने वाली टीम के लिए क्या खराब था?	सुझाए गए टीम क्रियाकलाप – नीचे संसाधन देखें
	दोहराना –आपकी टीम के सदस्य कौन–कौन हैं? सीबीआईडी टीम को देखें। टीम में विभिन्न कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा की लाइनें क्या हैं?	समूह गतिविधि –सभी सीबीआईडी टीम भूमिकाओं और प्रत्येक एक–दूसरे को कैसे प्रभावित करती है, के साथ एक चार्ट बनाए	चार्ट पेपर और पेन
	निम्नलिखित के साथ कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल : –वरिष्ठ कर्मी –समकक्ष –कनिष्ठ कर्मी सभी का सम्मान करें स्पष्ट रूप से संप्रेषण करें अगर आपको समझ नहीं आए तो पूछें बिना व्यवधान के सुनो अपनी वाणी और हाव–भाव के बारे में सचेत रहें दूसरे के बारे में धारणा बनाने या दोषारोपण करने से बचें अपने सहकर्मियों के बारे में गपशप न करें – यदि कोई समस्या है तो संबंधित व्यक्ति से बात करें। लेखन में सावधानी बरतें (यह एक विस्तृत सूची नहीं है)	टीम के व्यक्तिगत और अन्य सदस्यों (वरिष्ठ /साथियों / जूनियर) के बीच स्वस्थकर चर्चाओं और अस्वास्थ्यकर चर्चाओं की विशेषताओं पर चर्चा को समूहों में जारी रखें अनुदेशक छूट गए बिंदुओं के बारे में बताएगा	स्वस्थकर और अस्वस्थकर चर्चा के लिए दो कॉलम के साथ हैंडआउट। व्हाइटबोर्ड और मार्कर
	फीडबैक देना • टीम के सदस्यों की सराहना करें और उनका मनोबल बढ़ाए • नकारात्मक फीडबैक देते समय, सैंडविच विधि का उपयोग करें	सोचें – जोड़ी बनाएं – साझा करें 1. जब किसी ने आपके काम की सराहना की तो आपको कैसा लगा? 2. ऐसे समय के बारे में सोचें जब किसी ने आपको 'भूल सुधार' की हो।किस कारण से उस नकारात्मक प्रतिक्रिया को लेना आसान हो गया। 3. किसी को सही करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है?	प्रतिक्रिया के सैंडविच विधि की व्याख्या के लिए पीपीटी की आवश्यकता हो सकती है।

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	फीडबैक प्राप्त करना • प्रशिक्षु सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रतिक्रिया प्राप्त करने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। • इसे एक प्रेरणा के रूप में देखें कि मैं कैसा प्रदर्शन करता हूं, न कि इस बारे में निर्णय कि एक व्यक्ति के रूप में मैं कैसा हूं।	**समूह चर्चा** हम अपने वरिष्ठ कर्मियों या सहकर्मियों से सुधार को कैसे स्वीकार कर सकते हैं?	
	सारांश हमें एक दूसरे की आवश्यकता है। हमें अपने ग्राहकों और समुदाय के लिए सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए	**प्रतिबिंबित करें और लिखें** टीम के भीतर अपनी परस्पर चर्चा के लिए एक या दो तरीकें जिन पर आपको कार्य करना है।	अधिगम जर्नल अभ्यास 10 **परिशिष्ट 27**

संदर्भ :

सुझाई गई टीम गतिविधियाँ:

- https://www.youtube.com/watch?v=kQYjnfC7Zyvc
- https://www.youtube.com/watch?v=klcv4n9qK6ZQ
- https://www.youtube.com/watch?v=kiV53bKvwQfs
- *ईएन शीर्षक 13: टीम परस्पर चर्चा*

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय का नियोजन और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 1: परिसंपत्ति–आधारित और भागीदारी दृष्टिकोण का पता लगाता है; शीर्षक 2 : सामुदायिक सशक्तिकरण

सत्र 2.1.2.2: उत्प्रेरक कहानी सुनाने के माध्यम से सशक्तिकरण का समर्थन करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु उत्प्रेरक कहानियों के अपनी पोर्टफोलियो फाइल पर कार्य करना जारी रखेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पोर्टफोलियो परियोजना जारी।	चरण एक में, प्रशिक्षुओं ने सशक्त परामर्शदाताओं का साक्षात्कार लिया और उनकी कहानियों को रिकॉर्ड किया। यहां, वे ऐसी उत्प्रेरक कहानियों को विकसित करने पर कार्य करते हैं जो अन्य समूहों को इस बारे में जागरूक, प्रेरित और आश्वस्त करने में मदद करेंगी कि उनके कार्यों से वे बदलाव ला सकते हैं।	परिशिष्ट 21 : साक्षात्कार प्रपत्र

संदर्भ :

इस गतिविधि के लिए इनपुट सत्र चरण एक में है।

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय का नियोजन और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2 : सहभागी दृष्टिकोण की आयोजना और कार्यान्वयन; शीर्षक : सामुदायिक बैठकों में भागीदारी

सत्र 2.2.3.2 : एक सामुदायिक बैठक रिपोर्ट तैयार करें			
चरण दो;सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्याः			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु एक सामुदायिक बैठक की रिपोर्ट को पूरा करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	रिपोर्ट तैयार करने के लिए दिशानिर्देश	एक रिपोर्ट के प्रलेखन और घटकों में कौशलों को कवर करना। बैठक का कार्यवृत्त।	प्रोजेक्टर चार्ट पपर ग्लू स्टिक सूखा रंग
		प्रारूप बैठक कार्यवृत्त प्रारूप पर अभ्यास बोर्ड गाँव की एक बैठक का प्रदर्शन रिपोर्ट लिखें **बाधा**	प्रोजेक्टर चार्ट पेपर ग्लू स्टिक सूखा रंग

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 4 : सामुदायिक सहभागिता के लिए भागीदारी और परिसंपत्ति आधारित दृष्टिकोण*

आईसीडी यूनिट तीन :सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉड्यूल 2 : समावेश प्रतिबद्धता और अनुपालन का समर्थन करता है; शीर्षक 1 : सरकारी अधिकारियों से मिलना और उनकी सूची बनाना सत्र योजनाः 3.2.1.1; 3.2.1.2

सत्र 3.2.1.1: सरकार अधिकारियों और विकास अधिकारियों को सूचीबद्ध करना तथा नेटवर्किंग कौशल विकसित करना; 3.2.1.2 : बैठक और कार्य प्रबंधन दिशा–निर्देश और पत्र–लेखन			
चरण दो; सत्र संख्याः			
सत्र अवधिः			
प्रशिक्षु की संख्याः			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : सत्र 4 विषय 1 : भागीदारी को बढ़ावा देने के कौशल का प्रदर्शन सत्र 4 विषय 2: चित्रण सफलता की कहानियों का विकास करना सत्र 4 विषय 3 : विभिन्न हितधारकों को नेटवर्किंग कौशल प्रदर्शित करता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	फ्रंट लाइन अधिकारी	फ्रंट लाइन अधिकारियों के नाम एकत्र करना	
	फ्रंटलाइन अधिकारियों का सुग्राहीकरण	सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक दिशा–निर्देश विकसित करना। पत्र लेखन कौशल कार्यक्रम प्रबंधन दिशानिर्देश	फ्लिप चार्ट
	परिवर्तन का सिद्धांत विकसित करना	समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान पर चर्चा समाधान के लिए कार्ययोजना सुझाना	फ्लिप चार्ट
	सफलता की कहानियाँ लिखने का प्रारूप विकसित करना	फील्ड दौरा	कागज पेंसिल
	पुनर्कथन	दस्तावेजीकरण प्रारूप	

संदर्भ :

- https://frontline.thehindu.com/cover-story/sensitising-the-state/article8068400.ece
- *ईएन शीर्षक 6: सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करना*

आईसीडी यूनिट तीन :सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉड्यूल 2 : समावेशन प्रतिबद्धता और अनुपालन का समर्थन करता है; शीर्षक 2 : मामला अध्ययन के लिए डाटा और अनुपालन दर्शाने वाली कहानियों को एकत्र करना

सत्र 3.2.2.1: पीआरआई और प्रशासनिक संरचनाओं तथा विभागों की समीक्षा करें			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : पीआरआई और संरचनाओं तथा सेवा प्रदान करने वाले विभागों को समझना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पीआरआई और प्रशासनिक संरचनाओं तथा सेवा प्रदान करने वाले प्रमुख विभागों के बारे में अधिगम की समीक्षा	जिला इकाई की पीआरआई और प्रशासनिक संरचना का चार्ट प्रस्तुतीकरण और सेवा प्रदान करने वाले विभागों के साथ इसका संबंध	चार्ट पेपर, गम स्टिक, टेप/ बोर्ड, मार्कर

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 6 : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करना*

टिप्पणी :

- अंतर विश्लेषण के लिए पृष्ठ 79 देखें

आईसीडी यूनिट तीन: सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग; मॉड्यूल 1: सरकार को परामर्श और उसके साथ सहयोग करता है; शीर्षक 1 : पंचायती राज प्रणाली और सेवा प्रदाय

सत्र 3.1.1.2: सेवा प्रदाय तंत्र तथा द्वितीयक डाटा का संकलन और व्याख्या			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु सेवा प्रदाय तंत्र को स्पष्ट करते हैं और द्वितीयक डाटा के संकलन और व्याख्या के बारे में बताते हैं और सरकारी निष्पादन पर डाटा एकत्रित करने के लिए एक प्रारूप विकसित करते हैं।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	सेवा प्रदान करने वाले विभाग : अस्पताल, स्कूल	एक संकल्पना मानचित्र बनाना	चार्ट
	विभागों को सेवाओं और सेवा प्रदाय तंत्र जोड़ना	प्रश्नोत्तरी	फ्लैश कार्ड
	द्वितीयक डाटा संग्रह	डाटा संग्रह के लिए एक प्रारूप विकसित करना– इसे पोर्टफोलियो में फाइल करना	प्रारूप

संदर्भ :

- https://www.india.gov.in/my-government/government-directory
- https://data.gov.in/
- *ईएन शीर्षक 6:सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करना*

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग; मॉड्यूल 1: सरकार को परामर्श और उसके साथ सहयोग करता है; शीर्षक 2 : समावेशन प्रतिबद्धता और अनुपालन का समर्थन करता है

सत्र 3.1.2.1/ 3.1.2.2: परामर्श अभियान और आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षु की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : परामर्श अभियानों की योजना बनाने और संचालित करने में कौशल का प्रदर्शन; परामर्श और अभियानों के लिए आईईसी सामग्री का विकास करना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	3.1.2.1परामर्श का सिद्धांत	व्यक्ति केंद्रित दृष्टिकोण जवाबदेही आजादी सरल उपयोग सफल मामले के वृत्तचित्र प्रशिक्षुओं से सवाल पूछते हैं	प्रोजेक्टर पोस्टिड मेटा कार्ड चार्ट पेपर
	परामर्श के महत्व को समझना	परामर्श योजना बनाना मांग निर्धारित करना और इसे प्राथमिकता देना व्यक्तिगत/आम अनुक्रमण उपयुक्त कार्यालय से संपर्क अनुवर्तन के साथ आवेदन	दिव्यांगता परामर्श समूहों पर मामला अध्ययन
	3.1.2.2 आवश्यकता आधारित आईईसी	स्थानीय भाषा आवश्यकता भूमिका निर्वाहन – टीम	
	स्थानीय संदर्भ में आईईसी के प्रकार असाइनमेंट	पोस्टर/पैम्फलेट साफ्ट संदेश समस्या का मामला अध्ययन नवीन	चार्ट

संदर्भ :

- https://ctb.ku.edu/en/table-of-contents/advocacy/advocacy-principles
- http://www.apcdfoundation.org/?q=ksystem/files/cbid.pdf
- *ईएन शीर्षक 8 :सामुदायिक कार्रवाई का समर्थन करना*

सप्ताह 6

सप्ताह 6	चरण दो ब्लॉक 1 सप्ताह 2 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	2.1.2.2 परिवारों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करना (बाधा)	2.1.2.2 उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन
मंगलवार	1.2.3.2 निवारण तंत्र को समझने के लिए दौरे (**पोर्टफोलियो**): • राज्य आयुक्त का कार्यालय, • जिला बाल संरक्षण इकाइयाँ	2.1.2.2 उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन जारी रखना।
बुधवार	1.2.3.2 निवारण तंत्र को समझने के लिए दौरा जारी रखना • ब्लॉक/ग्राम बाल संरक्षण समितियाँ/ चाइल्डलाइन केंद्र, • महिला आयोग	2.2.2.2 दिव्यांगता सर्वेक्षण के लिए जांच और नियोजन प्रशिक्षक का फीडबैक (**समूहबाधा**)
गुरूवार	2.1.2.2 उत्प्रेरक कहनियों का प्रलेखन जारी रखना। (पोर्टफोलियो)	2.3.2.1; 2.3.2.2 जिम्मेवारी पूर्ण तरीके से जांच/चेकलिस्ट को साझा करना और सहेजना तथा प्रायोगिक कार्य
शुक्रवार	2.1.2.3 उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन जारी रखना।	2.4.1.2 बहु–विषयक मामला समीक्षा में भाग लेना और प्रक्रिया पर चर्चा करना

चरण दो सप्ताह 6

ए एण्ड आई

2.1.2.2 बाधाकारक कार्य – अच्छे कार्य संबंधों को स्थापित करना

2.2.2.2 बाधाकारक कार्य – स्थानीय समुदाय का जांच सर्वेक्षण

2.3.2.1/2.3.2.2 जांच/चेकलिस्ट सर्वेक्षण के परिणामों को साझा करना और सहेजना

2.4.1.2 एक बहु–विषयक मामले की समीक्षा में भाग लेना और प्रभावों को दर्ज करना

पीबी और आरपी

1.2.3.2 पोर्टफोलियो परियोजना : प्रायोगिक कार्य (दौरा) और समाधान प्रलेखन को फाइल करना

आईसीडी

2.1.2.2 पोर्टफोलियो परियोजना : उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 1: सकारात्मक कार्य संबंध स्थापित करता है; शीर्षक 2 : परिवारों से संपर्क करने और मजबूत कामकाजी संबंधों को बनाने के लिए रणनीतियाँ

सत्र 2.1.2.2: अच्छे कार्य संबंध स्थापित करने का प्रायोगिक कार्य			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु एक परिवार से संपर्क करते हुए और एक अच्छे कार्य संबंध स्थापित करने के लिए रणनीतियों को अपनाने में सक्षम होंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य– **बाधा कारक कार्य**	प्रशिक्षु एक व्यक्ति और परिवार के साथ एक कार्य संबंध स्थापित करता है और उनके विचारित कारकों पर अपने नियोजन प्रशिक्षक के साथ चर्चा करता हैं	ट्रोन्टों के पांच नैतिक तत्वों का उपयोग करें, प्रत्येक तत्व पर क्या कार्रवाई की गई का उदाहरण दें **परिशिष्ट 20**

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 2 : भूमिका के स्कोप में उपयुक्त चेकलिस्ट का चयन और व्यवस्थापन करता है; विषय 2 : चेकलिस्ट – उनका अनुकूलन और उपयोग

सत्र 2.2.2.2 स्थानीय समुदाय में दिव्यांगता के लिए जांच			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु द्वारा स्थानीय क्षेत्र में दिव्यांगता जांच सर्वेक्षण का संचालन			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रयोगिक कार्य –समूह **बाधा जारी**।	4 सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को एक गांव का आवंटन जांच के लिए एकडोर–टू–डोर सर्वेक्षण करने के लिए किया जाएगा। परिणामों की व्याख्या पर ध्यान केन्द्रित करते हुए नियोजन प्रशिक्षक को फीडबैक।	जांच सर्वेक्षण

संदर्भ :

- http://www.searo.who.int/entity/mental health/documents/childhood-disability-screening-tools.pdf?ua=k1

टिप्पणियाँ :

- सप्ताह 5 में सेट अप– एक समूह कार्य जिसमें 2–3 सत्र शामिल हैं। (चरण दो असाइनमेंट देखें)

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 3 : परिणामों की व्याख्या करना, निष्कर्षों का संप्रेषण विषय 2 : डेटा साझाकरण और स्टोरेज

सत्र 2.3.2.1; 2.3.2.2 : जिम्मेवारीपूर्ण तरीके से जांच/चेकलिस्ट को साझा करना और सहेजना तथा प्रायोगिक कार्य			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु जांच चेकलिस्ट परिणामों से डाटा साझा करने और उसे सहेजने में नैतिकता की अपनी समझ का प्रदर्शन करेंगे।			
समय	**विषय—वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	2.3.2.1 डेटा रखरखाव गोपनीयता सहेजना फाइल बंद करना	इस पर चर्चा कि हमें रिकॉर्ड बनाए रखने की आवश्यकता क्यों है, किनके पास रिकॉर्ड तक पहुंच होनी चाहिए, हम उन्हें कैसे सहेजते हैं और आवश्यकता होने पर हम उन्हें कैसे रिट्रीव करते हैं	
	2.3.2.2 प्रयोगिक क्रिया — जांच मूल्यांकन से परिणामों को सूचित करना	प्रशिक्षु किसी दिव्यांग व्यक्ति के जांच मूल्यांकन के परिणामों को प्रस्तुत करेंगे— सबसे पहले उनके नियोजना प्रशिक्षक को— मौखिक और लिखित दोनों रूप में। वे इस जानकारी को व्यक्ति और परिवार के साथ साझा करने और इसे जिम्मेवारीपूर्ण ढंग से सहेजने पर भी चर्चा करेंगे। दूसरे, वे व्यक्ति और परिवार से भेट करेंगे और जांच परिणामों को जिम्मेदारीपूर्ण, नैतिकतापूर्ण और संवेदनशील रूप से संप्रेषित करेंगे।	

*डाटा शेयरिंग की नैतिकता — एक पीबी और आरपी विषय (2.3.1.1), पर यहां ध्यान दिया जाना चाहिए।

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 4 : परिणाम और निष्कर्षों का संप्रेषण चर्चा करता है; शीर्षक 1 : मामला समीक्षा प्रक्रियाएं और पारिवारिक भागीदारी को सुगम बनाना

सत्र 2.4.1.2: बहु—विषयक टीम के साथ मामला समीक्षा में प्रतिभागिता और रिकॉर्डिंग			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम :मामले की समीक्षा की प्रक्रिया को समझता है और परिवार के पुनर्वसन प्रक्रिया में भाग लेने को सुकर बनाता है			
समय	**विषय—वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य	बहु—अनुशासनात्मक मामले की समीक्षा में भाग लेना और नियोजन प्रशिक्षक के साथ प्रक्रिया की समीक्षा करना	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 14:बहु—विषयक टीम के साथ मामले की समीक्षा— **यहाँ देखें***

टिप्पणियाँ :

- देखें सप्ताह 5

पीबी और आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं, अपेक्षाओं और जिम्मेदारियों का निर्वहन; मॉड्यूल 2: विधिपूर्ण और नैतिकतापूर्ण रूप से कार्य करता है; शीर्षक 3 : निवारण तंत्र

सत्र 1.2.3.2 : प्रायोगिक कार्य दौरे			
	राज्य आयुक्त के कार्यालय में जाना और मौजूद निवारण तंत्र को समझना	प्रशिक्षु निम्नलिखित को रिकॉर्ड करेगा • उपलब्ध प्रावधान • ध्यान दिए गए मामलों के प्रकार • शिकायत दर्ज करने की प्रक्रियाओं को समझना • प्रलेखन आवश्यकताएं	पोर्टफोलियो में नीतियों, दस्तावेजों और प्रावधानों का विवरण दर्ज करना
	जिला बाल संरक्षण इकाइयों के साथ संबंध बनाना और जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समितियों के साथ जुड़ना	प्रशिक्षु निम्नलिखित को रिकॉर्ड करेगा • उपलब्ध प्रावधान • ध्यान दिए गए मामलों के प्रकार • शिकायत दर्ज करने की प्रक्रियाओं को समझना • प्रलेखन आवश्यकताएं	
	2–3 चाइल्डलाइन केंद्रों का दौरा करना	प्रशिक्षु निम्नलिखित को रिकॉर्ड करेगा • उपलब्ध प्रावधान • ध्यान दिए गए मामलों के प्रकार • शिकायत दर्ज करने की प्रक्रियाओं को समझना • प्रलेखन आवश्यकताएं	
	महिला आयोग से संबंधित विधिक प्रकोष्ठों का दौरा	प्रशिक्षु निम्नलिखित को रिकॉर्ड करेगा • उपलब्ध प्रावधान • ध्यान दिए गए मामलों के प्रकार • शिकायत दर्ज करने की प्रक्रियाओं को समझना • प्रलेखन आवश्यकताएं	

संदर्भ :

- चाइल्डलाइन : https://childlineindia.org.in/
- निःशुल्क कानूनी सहायता : https://districts.ecourts.gov.in/mahendragarh/legal-aid
- राष्ट्रीय न्यास : http://thenationaltrust.gov.in/content/innerpage/grievance-redressal.php
- भारत में दिव्यांगजनों के कानूनी अधिकार : http://vikaspedia.in/education/parents-corner/guidelines-for-parents-of-children-with-disabilities/legal-rights-of-the-disabled-in-india
- दिव्यांगजनों के लिए आयुक्त का कार्यालय : https://www.india.gov.in/official-website-chief-commissioner-persons-disabilities ; http://www.ccdisabilities.nic.in
- महिला आयोग : http://www.ncw.nic.in/ncw-cells/complaint-investigation-cell

टिप्पणी :

- सत्र 1.2.3.1 (सप्ताह 5) देखें

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय का नियोजन और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 1 : परिसंपत्ति–आधारित और सहभागितापूर्ण दृष्टिकोण का पता लगाता है; विषय 2 : सामुदायिक सशक्तिकरण

सत्र 2.1.2.2: सशक्त परामर्शियों और रोल मॉडल की कहानियां
चरण दो; सत्र संख्या :
सत्र अवधि :
प्रशिक्षुओं की संख्याः
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु प्रभावकारिता/सशक्तिकरण की भावना कैसे विकसित होती के बारे में जानने के लिए सशक्त परामर्शियों का साक्षात्कार लेते है

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन (जारी रखना)	**पोर्टफोलियो** असाइनमेंट के रूप में उत्प्रेरक कहानियों का प्रलेखन	**परिशिष्ट 21**

सप्ताह 7

सप्ताह 7	चरण दो ब्लॉक 1 सप्ताह 3 में–फील्ड	
	बजे	**बजे**
सोमवार	2.4.2.2 प्रायोगिक कार्य एक दिव्यांगता वाले परिवार के साथ भोजन के समय बातचीत और बाद में प्रशिक्षक के साथ चर्चा	2.2.3.2 एक समुदाय बैठक में भाग लेना और सभी हितधारकों की भागीदारी लाने में इसकी प्रभावशीलता के बारे में चर्चा करना
मंगलवार	1.3.3.2 (ए एंड आई 2.2.2.2 के लिए सीएफ) संप्रेषण कौशल : • यह आपके समूहों के लिए ए एण्ड आई 2.2.2. 2 दिव्यांगता जांच सर्वेक्षण के दौरान आपके प्रशिक्षक के साथ संप्रेषण कौशल पर चर्चा करने का एक अवसर है... क्या सही हुआ और क्या नहीं? • 1.3.3.3 इस सत्र के अंत में कुछ समय इस पर बिताएं कि आप अपने समुदाय में स्वास्थ्य संदेशों को कैसे दे सकते हैं – कम से कम दो अलग–अलग तरीकों से।	3.1.1.2 **(पोर्टफोलियो)** प्रशिक्षुओं को उनके सेवा प्रदाय डाटा संग्रह साधन को विकसित करने के लिए जारी रखने हेतु आवंटित किया गया समय
बुधवार	1.3.3.3 संप्रेषण कौशल जारी रखना (कक्षा में तैयारी करना) • उस समूह में ही जिसने डोर–टू–डोर दिव्यांगता जांच की, संप्रेषण के दो भिन्न साधनों का उपयोग करके समुदाय में एक संक्षिप्त परस्पर स्वास्थ्य जानकारी सत्र तैयार करना **(समूह बाधा)**	2.5.1.2 एक व्यक्ति और परिवार के सपोर्ट नेटवर्क (इकोमैप) की मैपिंग करना **(पोर्टफोलियो)**
गुरूवार	**3.1.2.2** परामर्श अभियान, असाइनमेंट के लिए आईईसी **सामग्री** एकत्र करने के लिए समय आवंटन	2.5.2.2पुनर्वसन जरूरतों के लिए संसाधन मैपिंग (संसाधन मैप) **(पोर्टफोलियो)**
शुक्रवार	3.1.2.2 आईईसी सामग्री एकत्र करने को जारी रखना	2.5.1.2/2.5.2.2– पूर्ण नक्शे

चरण दो सप्ताह 7

ए एण्ड आई

2.4.2.2 प्रायोगिक कार्य परिवार के साथ भोजन–समय की बातचीत का प्रेक्षण

2.5.1.2 पोर्टफोलियो परियोजना : एक व्यक्ति और परिवार के समर्थन नेटवर्क की मैपिंग करना(ईको–मैप)

2.5.2.2 पोर्टफोलियो परियोजना : पुनर्वसन जरूरतों के लिए संसाधनों की मैपिंग (संसाधन मानचित्र)

पीबी और आरपी

1.3.3.2 संप्रेषण कौशल

1.3.3.3 समूह बाधा– संप्रेषण कौशलः सामुदायिक स्वास्थ्य संदेशों को प्रस्तुत करने के लिए तैयारी

आईसीडी

2.2.3.2 भागीदारी बैठकें

3.1.1.2 पोर्टफोलियो परियोजना (जारी) : सेवा प्रदाय डाटा एकत्रीकरण साधन (विकास)

3.1.2.2 असाइनमेंट : आईईसी सामग्री और परामर्श अभियान

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; सत्र योजना : मॉड्यूल 4 : परिणाम और निष्कर्षों पर संप्रेषण और चर्चा करता है; शीर्षक 2 : पारिवारिक स्वीकृति के स्तर का आकलन करता है

सत्र 2.4.2.2 : प्रायोगिक कार्य एक परिवार के साथ भोजन के समय की बातचीत का प्रेक्षण			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु परिवार के भीतर दिव्यांगजन की स्वीकृति के स्तर का आकलन करने में समर्थ होंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य	दिव्यांगता वाले परिवार के साथ भोजन के समय पर बातचीत का प्रेक्षण और प्रेक्षणात्मक रिपोर्ट को पूरा करना	प्रेक्षणात्मक रिपोर्ट खाका – सीबीआईडी रिपोर्ट प्रपत्र खाके पर आधारित परिशिष्ट19

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 15:परिवार की स्वीकृति– **यहां देखें***

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 5: सहयोगात्मक और शक्ति–आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके आवश्यकताओं का विश्लेषण; शीर्षक 1 : परिवार सहायता नेटवर्क की मैपिंग

सत्र 2.5.1.2 : एक व्यक्ति और परिवार के समर्थन नेटवर्क की मैपिंग (इकोमैप)			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु एक इकोमैप विकसित करते है जो किसी व्यक्ति और परिवार के समर्थन नेटवर्क की पहचान करता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	एक इकोमैप बनाना	3–4 के समूहों में, परिवार समूह के सदस्य के लिए एक इकोमैप बनाएं	चार्ट पेपर, मार्कर ''एक इकोमैप बनाने के लिए टेम्पलेट या गाइड की आवश्यकता है
		अपने **पोर्टफोलियो** में खाका फ़ाइल करें	

संदर्भ :

- https://www.wvi.org/sites/default/files/Mapping .pdf - यह संसाधन आईडी व्यक्तियों और परिवारों के लिए इको और संसाधन मैपिंग के बारे में नहीं है – यह एनजीओ का उनकी आयोजना और क्रियाकलाप कार्यान्वयन में मार्गदर्शन करने के लिए एक संसाधन है।

भारतीय पुनर्वास परिषद्

ए एण्ड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 5 : सहयोगात्मक और शक्ति–आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके आवश्यकताओं का विश्लेषण; शीर्षक 2 : पुनर्वास आवश्यकताओं के लिए संसाधन मैपिंग

सत्र 2.5.2.2 : प्रायोगिक कार्य पुनर्वसन आवश्यकताओं के लिए संसाधन मैपिंग (संसाधन मैप)			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्याः			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु पुनर्वसन की आवश्यकताओं के लिए एक परिवार के संसाधनों को मैप करता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य	साक्षात्कार और अभिमतों का उपयोग कर परिवार के साथ चर्चा	****आवश्यक संसाधन मैप बनाने के लिए खाका या गाइड**
		एक परिवार के लिए एक संसाधन मैप विकसित करें	
		अपने **पोर्टफोलियो** में खाके को करें	

संदर्भ :

- https://www.wvi.org/sites/default/files/Mapping.pdf - पिछले सत्र की टिप्पणियां देखें
- *ईएन शीर्षक 16 :संसाधन मैपिंग – **यहां देखें***
- **इस सत्र के लिए एक उपयुक्त संसाधन की आवश्यकता है।

पीबी और आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं और अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों का निर्वाहन; मॉड्यूल 3 : एक टीम में प्रभावी ढंग से कार्य करता है; शीर्षक 3 : संप्रेषण कौशल

सत्र1.3.3.2:संप्रेषण कौशल– दूसरों की ओर से सक्रिय रूप से सुनना और बोलना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या:			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु निम्नलिखित को कर सकते हैं • श्रवण कौशल और गैर–मौखिक संचार के महत्व को समझाएं। • किसी के लिए बोलने के महत्व पर चर्चा करना और समझना की कब ऐसा नहीं करना है।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिचय:	सोचे – जोड़ी बनाए – साझा करे अपने क्षेत्र नियोजन के दौरान संचार में आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा? आप उनसे कैसे निपटे?	प्रश्नों के साथ हैंड–आउट।
	सक्रिय रूप से सुनना : समूचे शरीर को सुनना : मस्तिष्क – एकाग्रता आँखें – शरीर के हाव–भाव देखना कान – दोनों कान ध्यान दे रहे हैं मुँह – शांत/रीफ्रेस हृदय – परानुभूति पीठ – सीधे या थोड़ा आगे झुक कर बैठें हाथ और पैर – आराम की मुद्रा में – कोई व्यग्रता नहीं	विशेषताओं को सूचीबद्ध करने के लिए **पावर पाइंट का उपयोग करें** **दो द्वारा मिलकर क्रियाकलाप :** प्रत्येक व्यक्ति सीबीआईडी कार्यकर्ता के साथ किसी समस्या पर चर्चा करने वाले क्लाइंट होने का दिखावा कर सकता है।भागीदार को सक्रिय रूप से सुनना होगा। फिर भूमिका बदल लें।	**लैपटॉप और प्रोजेक्टर** कमरा जहां प्रशिक्षु आवाजाही कर सके
	गैर–मौखिक संप्रेषण कृत्य शब्दों से ज़्यादा असरदार होते है हाव–भाव आवाज़ का लहज़ा चेहरे के भाव	लघु वीडियो क्लिप दिखाएं जिसमें यह दर्शाया गया हो कि गैर–मौखिक संचार कैसे प्रभावी संदेश देता है और समूहों में इस पर चर्चा करें। प्रतिबिंब : ऐसी स्थिति के बारे में सोचें जहाँ आपके गैर–मौखिक संचार ने आपके संचार में सहायता की हो या बाधा उत्पन्न की हो। ऐसे कौन से कुछ तरीके हैं जिनसे आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप सकारात्मक रूप से गैर–मौखिक संवाद करें।	लैपटॉप और प्रोजेक्टर + स्पीकर;

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	सार्वजनिक रूप से संप्रेषण करने की तैयारी करते समय ध्यान रखने योग्य बातें • अपने दर्शकों को जानें • अपने उद्देश्य को जानें • अपने विषय को जानें • आपत्तियों की प्रत्याशा करें • एक बार में थोड़ा संवाद करें • अपने दर्शकों की विश्वसनीयता जीतें • जानकारी को कई तरीकों से प्रस्तुत करें • अपनी कथनी और करनी में अंतर न रखें	मंथन इन अवधारणाओं को समझाने के लिए पीपीटी में ग्राफिक्स का उपयोग करें।	लैपटॉप और प्रोजेक्टर
	दूसरों की ओर से बोलने पर यह जानना कि किसी मुद्दे को किसी वरिष्ठ कर्मी को कब सूचित करना है, कब सहकर्मियों के बीच सुलझाना है। यह जानना कि क्लाइंट्स के लिए किन परिस्थितियों में बात करनी चाहिए। उद्गार व्यक्त करने की चुनौतियों का सामना करना – इसके लिए साहस की आवश्यकता होती है; उपयोग करने के लिए सही चैनल जानना आवश्यक है; भावुक न होना, आदि	**मामले का अध्ययन :** विभिन्न स्थितियों में बोलने के लिए समूहों में चर्चा करने के लिए कुछ परिदृश्य दें (**क्लाइंट**– संबंधी और टीम–संबंधी दोनों) चर्चा करें जरूरत के समय एक ग्राहक की ओर से बोलने की कोशिश करने पर आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है?	मामला अध्ययन का प्रिंट आउट निकाला जाए अधिगम जर्नल अभ्यास 9 **परिशिष्ट 26** का संदर्भ लें– क्या ऐसा कुछ है जिसे आप अपने आत्म–मूल्यांकन में जोड़ना चाहेंगे?
	ए और आई दिव्यांगता जांच सर्वेक्षण के लिए कनेक्शन	समूह ए एण्ड आई 2.2.2.2 दिव्यांगता जांच सर्वेक्षण के दौरान अपने नियोजन प्रशिक्षक के साथ चर्चा करेंगे...क्या सही हुआ और क्या नहीं हुआ?	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 12: संप्रेषण कौशल*

टिप्पणी :

- देखें सप्ताह 5

पीबी एंड आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं और अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों की पूर्ति; मॉड्यूल 3 : समूह में प्रभावशाली रूप से कार्य करना; शीर्षक 3 : संप्रेषण कौशल

सत्र 1.3.3.3: अभिगम्यता में सुधार लाने के लिए वैकल्पिक फॉर्मेटों में स्वास्थ्य संदेश प्रस्तुत करना

- समूहों में, समुदाय को स्वास्थ्य संदेश संप्रेषित करने के विभिन्न साधनों की तलाश करना और एक समुदाय स्वास्थ्य प्रस्तुतीकरण तैयार करने के लिए सहयोग करना तथा उस सन्देश के प्रमुख पहलू को संप्रेषित करने के कम–से–कम दो भिन्न तरीकों का पता लगाना – **बाधाकारक कार्य**

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय को शामिल करना और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2 : भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोणों की योजना बनाना और क्रियान्वित करना; शीर्षक : समुदाय की बैठकों में भागीदारी

आईसीडी सत्र योजना : 2.2.3.2

चरण दो; सत्र संख्या :

भागीदारी पूर्ण बैठकें

प्रशिक्षु किसी समुदाय बैठक में भाग लेगा और सभी हितधारकों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिए इसकी प्रभावकारिता पर चर्चा करेगा

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को समर्थन देना*

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉडयूल 1 : सरकार के साथ परामर्श और सहयोग करना; शीर्षक 1 : पंचायती राज प्रणाली, पदाधिकारी और सेवा वितरण

सत्र 3.1.1.2: द्वितियक आकड़ों का संग्रहण और निर्वचन			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु यह चर्चा करता है कि द्वितियक आंकड़ों का कैसे संग्रहण और निर्वचन करें तथा सरकार के कार्य–निष्पादन पर आंकड़े एकत्रित करना।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	द्वितीयक आंकड़ा संग्रहण	आंकड़ा संग्रहण के लिए फॉर्मेट तैयार करना इसे **पोर्टफोलियो** में फ़ाइल करें	फॉर्मेट

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 6 : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग*

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉडयूल 1 : सरकार के साथ परामर्श और सहयोग करना; शीर्षक 2 : परामर्श अभियानों के लिए आयोजना और तैयारी

सत्र 3.1.2.2: परामर्श और आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : *परामर्श अभियानों की आयोजना और संचालन में कौशल प्रदर्शित करना* *परामर्श और अभियानों के लिए आईसीसी सामग्री तैयार करना*			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परामर्श अभियान के लिए आईसीसी सामग्री का संग्रहण – असाइनमेंट	विभिन्न आईईसी सामग्री	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को समर्थित करना*
- https://www.theoryofchange.org/wp-content/uploads/toco library/pdf/TOCs and Logic Models forAEA.pdf
- https://whatworks.org.nz/logic-model/

सप्ताह 8

सप्ताह 8	चरण दो ब्लॉक 1 सप्ताह 4 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	2.6.1.2 उसी परिवार के लिए आईएफएसपी पूर्ण करना और लक्ष्य का चयन करना	3.1.2.2 परामर्श अभियान के लिए आबंटित सम; (असाइनमेंट)
मंगलवार	1.3.4.1/1.3.4.2 समूह गत्यात्मकता (प्रतिक्रिया सत्र) और अभ्यास 1.2.2.2 गोपनीयता का परिचय (बाधा)	3.1.2.2 परामर्श अभियान के लिय आबंटित समय (असाइनमेंट)
बुधवार	2.2.1.1 (इनपुट) दल और समुदाय में नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन. शुक्रवार को आगामी प्रतिक्रिया सत्र से जुड़ना (पीबी एंड आरपी 1.3.2.2), कठिन परिस्थितयों से सीखने के लिए लोगों को सहायता देना और अपनी स्वयं की तथा अन्य लोगों की क्षमता के बारे में एक निश्चित मानसिकता के स्थान पर विकासात्मक मानसिकता के साथ कार्य करना।	2.6.2.1 अभिभावकों को अन्य हितधारकों के साथ भागीदारीपूर्ण अनुभवों में शामिल करना (बाधा)
गुरुवार	3.2.2.2 सरकार की सेवा वितरण आवश्यकताओं के अनुपालन को दर्शाने वाले आंकड़ों से मामला अध्ययन और कथाएँ तैयार करना– (पोर्टफोलियो)	2.6.2.1 अभिभावकों को भागीदारीपूर्ण अनुभवों में शामिल करना जारी...
शुक्रवार	सप्ताह की समाप्ति प्रस्तुतीकरणों के संचालन और सभी प्रतिभागियों के जानकारी प्रदान करने के साथ होगी... • ए एंड आई 2.4.2.2 परिवार की भूमिका पर तथा इस संबंध में चर्चा कि उनकी भूमिका और प्रभाव तथा आवश्यकताओं को पहचानने के लिए क्या सीखा गया है, और व्यक्ति के लिए परिणामों पर दिव्यांगता के विभिन्न मॉडलों का प्रभाव क्या है (चरण एक आईसीडी 1.1.2.1/ 1.1.2.2 के लिए आगे ले जाया गया) • पीबी एंड आरपी 1.1.3.2 इस प्रथम ब्लॉक स्थापन से आपके बोध में और आपके वैयक्तिक फ्रेमवर्क में इस संबंध में आए परिवर्तन पर चर्चा कि आप अपनी भूमिका को कैसे समझते है। • पीबी एंड आरपी 1.3.2.2 दल के साथ संपर्क – इस बात पर चर्चा करें कि आपने अपने दल के सदस्यों से तथा पर्याप्त चर्चाओं और परस्पर संपर्कों से क्या सीखा है (सफल और चुनौतीपूर्ण)। • आईसीडी 3.1.2.2 परामर्श योजना प्रस्तुत करना।	

चरण दो सप्ताह 8

ए एंड आई

2.6.1.2 आईएफएसपी पूर्ण करना और लक्ष्य का चयन करना

2.6.2.1 बाधाकारक कार्य – अभिभावकों को अन्य हितधारकों के जोड़ना

पीबी एंड आरपी

1.3.4.1/1.3.4.2 दल गतिशीलता और अभ्यास

1.2.2.2 बाधाकारक कार्य – गोपनीयता की जाँच करना

2.2.1.1 दल और समुदाय में नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन

आईसीडी

3.1.2.2 असाइनमेंट (जारी) : आईईसी सामग्री और परामर्श अभियान

3.2.2.2 पोर्टफोलियो कार्य: मामला अध्ययन और उन आंकड़ों से कथाएँ जो सरकारी अनुपालन को दर्शाते हैं

ए एंड आई यूनिट दो: आकलन और आयोजना: मॉड्यूल 6 : यथार्थ और महत्वाकांक्षी आयोजन और लक्ष्य निर्धारण को सहायता करना; शीर्षक 1 : आईएफएसपी विकास जो शामिल और अधिकारिता प्रदान करता है

सत्र 2.6.1.2: वैयक्तिक परिवार सहयोग योजना के लिए प्रतिभागिता आयोजना जिसमें आईएफएसपी का विकास करने वाले हितधारक भी शामिल हैं			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु सभी हितधारकों और परिवार के साथ परामर्श करके आईएफएसपी का विकास करने में समर्थ होंगे जो पीडब्ल्यूडी का पूर्ण उत्तरदायित्व उठाएगा			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य (परिवार का इको–मानचित्र यदि पहले बनाया गया है, यहाँ प्रयोग में लाया जाएगा)	परिवार; उनके संदर्भ, पारिस्थितिकी, आवश्यकताओं, संसाधनों, आकांक्षाओं आदि को समझने के लिए क्षेत्र में जाना तथा उनके लिए और पीडब्ल्यूडी के लिए लक्ष्य तैयार करना।	

संदर्भ :

- https://www.understood.org/en/learning-attention-issues/treatments-approaches/early-intervention/ifsp-what-it-is-and-how-it-works
- https://ectacenter.org/eco/assets/pdfs/MDIFSPForms Rev%20Aug2011.pdf

नोट :

- आईएफएसपी विकास के प्रथम भाग के लिए देखिए सप्ताह 5

ए एंड आई यूनिट दो: आकलन और आयोजना : मॉड्यूल 6 : यथार्थ और महत्वाकांक्षी आयोजन और लक्ष्य निर्धारण को सहायता करना; शीर्षक 2 : परिवार द्वारा लक्ष्य प्राप्ति को सुकर बनाना

सत्र 2.6.2.1: आईएफएसपी लक्ष्य हासिल करने के लिए अभिभावकों को अन्य हितधारकों के साथ जोड़ना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु लक्ष्य हासिल करने के लिए परिवार को समर्थ बनाने में समर्थ होंगे।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य – बाधाकारक कार्य	• अभिभावकों को भागीदारीपूर्ण अनुभवों में अन्य हितधारकों के साथ के लिए जोड़ने के लिए प्रशिक्षुओं के साथ क्षेत्र में जाना • पीडब्ल्यूडी के लिए लक्ष्य हासिल करने हेतु परिवार को सहायता देना • लक्ष्य हासिल करने के लिए परिवार को निर्देश देना	

संदर्भ :

- https://www.uky.edu/~eushe2/Bandura/Bandura2011AP.pdf
- http://www.puckett.org/presentations/FamCapacity Build I 2014 Adelaide.pdf

नोट :

- अभिवावकों को जोड़ने के प्रथम भाग के लिए देखिए सप्ताह 5

पीबी एंड आरपी यूनिट एकः भूमिकाओं और अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों की पूर्ति; मॉड्यूल 3 : समूह में प्रभावशाली रूप से कार्य करता है; शीर्षक 4: दल गतिशीलता सत्र योजना : 1.3.4.1

सत्र 1.3.4.1/ 1.3.4.2: वे व्यवहार जो सुदृढ़ दलों को सहयोग करते हैं			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणामः प्रशिक्षु ऐसे व्यवहारों जो दल को बनाते अथवा तोड़ते है और उनका निपटान करने की सामान्य तकनीकों को समझते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	दल गत्यात्मकता के सिद्धांतः दल के जीवन–चक्र के टकमैन मॉडल को परिभाषित करना (निर्माण, विचार, सामान्यीकरण, निष्पादन)	समूह क्रियाकलापः सत्र की शुरुआत में, किसी भी सामग्री के वितरण से पहले, प्रशिक्षुओं को 5 के समूहों में विभाजित करें और उन्हें एक पेपर पिरामिड बनाने के लिए कहें। ऐसा करने के लिए समूहों को 5 मिनट दें। दल की गत्यामकता के महत्व पर अगले उपविषय में जानकारी प्रदान की जाएगे। पीपीटी– क्रियाकलाप के बाद, पीपीटी प्रस्तुतीकरण का प्रयोग करते हुए दल की गत्यामकता पर एक संपर्क व्याख्यान दें।	पीपीटी प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षक नियमावली
	दल गत्यात्मकता का महत्त्वः एक साथ (टी) हर कोई (ई) अभिलेख (ए) अधिक (एम) पर बल देता है तथा चर्चा करता है कि दल गत्यात्मकता क्यों महत्वपूर्ण है	विशाल समूह प्रतिपुष्टि : प्रत्येक प्रशिक्षु को इस बारे में एक बात बताने के लिए कहें जो अच्छी तरह से क्रियान्वित हुई है और एक चुनौती का भी उल्लेख कराएं जब उन्होंने पिछले समूह की गतिविधि पर एक दल के रूप में काम किया। फ्लिप चार्ट/व्हाइटबोर्ड पर प्रतिक्रिया लिखें। उस सूची में से दल की गत्यामकता महत्वपूर्ण क्यों है, इसे बात पर प्रकाश डालें।	लिखने के लिए फ्लिपचार्ट/ व्हाइटबोर्ड
	विवाद प्रबंध विवाद क्या है, यह क्यों होता है, विवाद से निपटने के 5 तरीकेः थॉमस किलमन कंफ्लिक्ट मोड इंस्ट्रुमेंट (परिहार, प्रतिस्पर्धा, समायोजन, समझौता, सहयोग)	**पीपीटी** – विवाद प्रबंधन पर पीपीटी प्रस्तुतीकरण का प्रयोग करते हुए एक संपर्क व्याख्यान संचालित करें। **विवाद प्रबंध शैलियां**– इन्हें वीडियो द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है।	पीपीटी प्रस्तुतीकरण
	सभी दल सदस्यों के मध्य सक्रिय प्रतिभागिता को सुकर बनाना	दल की भागीदारी पर लघु वीडियो क्लिप (अभियानः कार्टून), फिर प्रशिक्षुओं से चर्चा करने के लिए कहें कि दल का प्रत्येक सदस्य कैसे महत्वपूर्ण हैं, क्यों हर किसी की सक्रिय भागीदारी को सुविधाजनक बनाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य कैसे करना है	वीडियोक्लिप
	सारांश	अभिव्यक्ति (स्व और विशाल समूह) प्रशिक्षुओं से दल गत्यात्मकता के बारे मे सीखी गई 2 नई बातों को लिखने के लिए कहें।	
	1.3.4.2 प्रायोगिक कार्य	दल के संपर्कों के साथ	

संदर्भ :

- https://www.youtube.com/watch?v=kZLK-j0j08iU
- https://www.youtube.com/watch?v=kqiqbmuXAc0g
- https://youtu.be/vtXKQOtNWPg
- *ईएन शीर्षक 14: दल गत्यामकता*

पीबी एंड आरपी यूनिट एक : भूमिकाओं और अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों की पूर्ति; मॉड्यूल 2 : विधिक और नैतिक रूप से कार्य करना; शीर्षक 2: आचरण और गोपनीयता संहिता

सत्र 1.2.2.2: गोपनीयता और आचार निति का कार्यान्वयन			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षुओं के पास यह सुनिश्चित करने के लिए नई रणनीतियों को अभिव्यक्त करने और तैयार करने का अवसर होगा कि वे एक सीबीआईडी क्षेत्रीय कार्यकर्ता के रूप में सभी कार्यवाहियों में गोपनीयता बरतेंगे और आचरण की उच्च संहिता का पालन करेंगे।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	नैतिक अथवा गोपनीयता संबंधी पहलुओं से जुडी स्थितियों पर विचार व्यक्त करना	एक अथवा अधिक स्थितियों का वर्णन करना – अपने प्रशिक्षक के साथ साझा करने की तैयारी में, पहचान सुनिश्चित करना.	
	प्रशिक्षक के साथ चर्चा – **बाधाकारक कार्य**	नैतिकता और गोपनीयता पर सप्ताह 3 से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आलोक में, इन स्थितियों पर अथवा उन रणनीतियों पर अपने प्रशिक्षक के साथ चर्चा करें, जिन्हें आपने सीखा है और जिनकी आपको क्षेत्र में प्रयोग में लाए जाने की आवश्यकता है.	

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : भूमिकाओं और अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों की पूर्ति; मॉड्यूल 2 : आकस्मिकताओं को प्रबंधित करना; शीर्षक 1: नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन

सत्र 2.2.1.1: दल/समुदाय में नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
अधिगम परिणाम : यह जानता है कि उनके कार्यकारी समूहों और समुदाय में उदासीनता और विरोध से कैसे निपटें			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिचय – सकारात्मक और नकारात्मक प्रतिक्रियाएं	समूह मे भूमिका निर्वहन – उनके क्षेत्रीय कार्य से सकारात्मक प्रतिक्रिया	
	सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करते हुए सुदृढ़ हों – सूचित करना, परामर्श देना, शामिल होना, सहयोग देना, साझा नेतृत्व	पावरप्वाइंट	
	नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, *सकारात्मक प्रतिक्रियाएं,* *सक्रिय प्रतिक्रियाएं*		
	प्रशिक्षुओं की प्रतिक्रियाएं • **प्रतिक्रिया न दें** – अपमानजनक, अनुचित अथवा एकतरफा टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया अपेक्षित नहीं है, • **उत्तर देना** – सकारात्मक नहीं होने पर भी किसी ग्राहक की सामान्य भावनाओं और धारणाओं को स्वीकार करने के लिए कुछ उत्तर देने की आवश्यकता हो सकती है • **गलत जानकारी को सही करें** – त्रुटिपूर्ण या गलत जानकारी को सही करना महत्वपूर्ण है जो दूसरों को भ्रमित या आशंकित कर सकती है. • **सुधार** – जब कोई प्रतिक्रिया संगठन के साथ एक नकारात्मक अनुभव का परिणाम है, तो समाधान प्रदान करना उस व्यक्ति और अन्य लोगों की राय को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है जो इसे अच्छी तरह से देखते हैं।		

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 15 : नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन*

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉडयूल 1 : सरकार के साथ परामर्श और सहयोग करना; शीर्षक 2 : परामर्श अभियानों के लिए आयोजना और तैयारी

सत्र 3.1.2.2: परामर्शी अभियान – डिजाइनिंग			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : परामर्श अभियानों की आयोजना और उन्हें संचालित करने के कौशल प्रदर्शित करना।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक–कार्य	परामर्श अभियान को जारी रखना असाइनमेंट	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग करना*

नोट :

- देखिए सप्ताह 7

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉडयूल 2 : समावेशी प्रतिबद्धताओं और अनुपालन को सहयोग देना; शीर्षक 2 : मामला अध्ययनों के लिए आंकड़ा संग्रहण और अनुपालन प्रदर्शित करने वाली कथाएं

सत्र योजना : 3.2.2.2 सरकार के अनुपालन को प्रदर्शित करने वाले मामला अध्ययन विकसित करना

मामला अध्ययन और आंकड़ों से कथाएं जो सरकार के अनुपालन को प्रदर्शित करती हैं – **पोर्टफोलियो** में फ़ाइल करें

चरण दो ब्लॉक 2 समय–सारणी

		सप्ताह 9	सप्ताह 10	सप्ताह 11	सप्ताह 12
सोमवार	पूर्वाह्न	3.1.1.2/3.1.2.2 (सेटअप) समय के अनुकूल और अभिगम्य फॉर्मेट में ज्ञान संप्रेषण 3.2.2.2 (सेटअप प्रमाणन पूर्ण करना	3.1.1.2/3.1.2.2 जागरूकता सामग्री तैयार करना, तथ्यों के साथ दिव्यांगता के बारे में भ्रांतियां दूर करना और इन्हें न्यूनतम दो फॉर्मेटों मे प्रदान करना तथा जानकारी साझेदारी की समयनिष्ठा को नोट करना	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग	4.8.1.1 हस्तक्षेपों से प्रगति का सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकन
	अपराह्न	2.2.4.1क (इनपुट) संसाधन मूल्यांकन आकलन	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट
मंगलवार	पूर्वाह्न	2.3.1.2 कोई अपेक्षित पीआरए फॉर्म तैयार करना	2.3.1.2 जारी... कोई अपेक्षित पीआरए फॉर्म तैयार करना	2.1.2.2 सीबीआईडी कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र में उनके समय प्रबंधन के बारे में साक्षात्कार और अपने जर्नल में उसे लिखना	2.2.3.1 (इनपुट) आपदा के संबंध में तैयारियां
	अपराह्न	2.2.4.1ख (इनपुट) पीआरए का प्रतिनिधित्व करने के लिए दृश्य उपकरणों का प्रयोग करना	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट
बुधवार	पूर्वाह्न	2.1.3.1 (इनपुट) कार्ययोजनाओं का समीक्षा और उन पर अभिव्याक्ति	2.1.2.1 (इनपुट) समय प्रबंधन	2.1.3.2 किसी कार्य–विशेष पर अभिव्यक्ति प्रकट करना और उसे सहयोगियों के साथ साझा करना	2.2.3.2 कार्ययोजना पर सामाजिक असंतोष/आपदाओं के परिणामों पर को अनुभवी साथियों दे साथ चर्चा करना और अपने जर्नल में अपने विचार लिखना

		सप्ताह 9	सप्ताह 10	सप्ताह 11	सप्ताह 12
	अपराह्न	3.3.1.2/3.3.1.3 (सेटअप) संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग पुनर्वास के लिए पहुंच को सहायता 4.2.1.1 (सेटअप) सप्ताह 4 से अपनी विकासात्मक विलंब जांचसूची पूर्ण करना	3.1.1.2/ 3.1.2.2 दिव्यांगता जागरूकता सामग्री और समयबद्धता जारी...	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग जारी...	4.8.2.1 मूल्यांकन और फीडबैक प्रणाली से लक्ष्य पुनःतैयार करना
गुरुवार	पूर्वाह्न	2.2.4.1 पीआरए परियोजना की कार्ययोजना लिखना	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट
	अपराह्न	3.3.1.1 (इनपुट) रेफेरल और एकल खिड़की सेवा प्रावधान के माध्यम से सेवाओं तक पहुंच को सुकर बनाना	3.2.2.2 प्रमाणन विभिन्न प्रमाण–पत्रों का प्रयोग करते हुए न्यूनतम 5 आवेदन प्ररूप पूर्ण करना	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग जारी...	4.2.1.2 विशिष्ट रूप से विकसित होने वाले बालक के साथ विकासात्मक विलंब जांचसूची का प्रयोग करना
शुक्रवार	पूर्वाह्न	2.2.4.1 पीआरए परियोजना की कार्ययोजना जारी...	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	इस सप्ताह की समाप्ति असाइनमेंटों की जांच, प्रश्न पूछने और प्रशिक्षकों के लिए मद्यावधि समीक्षा संचालित करने के अवसर के साथ होगी
	अपराह्न	4.1.2.1 (इनपुट) समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप	3.2.2.2 प्रमाणन जारी...	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग जारी...	

चरण दो ब्लॉक 2 सत्र योजनाएं

सप्ताह 9

सप्ताह 9	चरण दो ब्लॉक 2 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाहन	**अपराहन**
सोमवार	3.1.1.2/ 3.1.2.2 (सेटअप) समय के अनुकूल और अभिगम्य फॉर्मेट में ज्ञान संप्रेषण इस ब्लॉक स्थापन के दौरान, आप जागरूकता सामग्री तैयार करेंगे जिनमें तथ्यों के साथ दिव्यांगता के बारे में भ्रांतियां दूर करेंगे और इन्हें विभिन्न संप्रेषण अपेक्षाओं वाले लोगों के लिए समुदाय इन प्रयोग के लिए न्यूनतम दो फॉर्मेटों मे प्रदान किया जाएगा *आईसीडी परामर्श अभियान असाइनमेंट के साथ संबद्ध* 3.2.2.2 (सेटअप) प्रमाणन पूर्ण करना इस ब्लॉक स्थापन के दौरान, आप विभिन्न प्रमाण–पत्रों का प्रयोग करते हुए न्यूनतम 5 आवेदन प्ररूप पूर्ण करेंगे	2.2.4.1क (इनपुट) पीआरए/पीएलए और इसके उपकरण और प्रयोग; (सेटअप) इस तीन–सप्ताह स्थानीय मैपिंग **असाइनमेंट...** चरण दो के मध्य ब्लॉक में, आप अपने स्थानीय समुदाय का एक व्यापक पीआरए पूर्ण करेंगे, जहां आप, • समुदाय की ताकतों और आवश्यकताओं की पहचान करेंगे, और • प्राथमिकता लक्ष्य स्थापित करने की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देंगे, जिसमें पाठ्यक्रम के पिछले दो महीनों पर ध्यान– केंद्रित किया जाएगा क्रियाकलाप : संसाधन मूल्यांकन संचालित करना
मंगलवार	2.3.1.2 अपेक्षित पीआरए रिपोर्टिंग फॉर्म तैयार करना	2.2.4.1ख पीआरए परिजयोना (सेटअप) पीआरए/पीएलए का प्रतिनिधित्व करने के लिए दृश्य उपकरणों का प्रयोग करना
बुधवार	2.1.3.1 (इनपुट) अभिव्यक्तकारी योजना इस चरण दो के मध्य ब्लॉक स्थापन के दौरान आपके पास अपने साथी के साथ अपने विचारों को साझा करने का अवसर होगा और आप जानेंगे कि आप अपने कार्यों और उत्तरदायित्वों की पूर्ति के लिए किस प्रकार कार्य कर रहे हैं	3.3.1.2 रेफरलों के माध्यम से सेवाओं तक पहुंच सुकर बनाना 3.3.1.3 (सेटअप) **(पोर्टफोलियो)** पुनर्वास को सहयोग प्रदान करती संसाधन निर्देशिका और रेफरल मार्ग इस ब्लॉक के दौरान, आप समुदाय के लिए पुनर्वास सेवाओं की संसाधन निर्देशिक तैयार करेंगे और किसी ग्राहक के लिए रेफरल मार्ग भी क्रियान्वित करेंगे और प्रगति को प्रलेखित करेंगे। 4.2.1.2 (सेटअप) अपनी विकासात्मक विलंब जांचसूची का प्रयोग करना। स्थापन के आगामी ब्लॉक के दौरान, आप किसी विशिष्ट रूप से विकसित होने वाले बालक के साथ अपनी विकासात्मक विलंब जांचसूची प्रशासित करेंगे और उसकी उपयोगिता को व्यक्त करेंगे।
गुरुवार	2.2.4.1 पीआरए/पीएलए परियोजना की कार्य–योजना लिखना (इससे पीबी एंड आरपी 2.1.1.2 कार्य– योजना तैयार, निष्पादित और समीक्षा करना की अपेक्षा की पूर्ति भी होती है)	3.3.1.3 (इनपुट) रेफेरल और एकल खिड़की सेवा प्रावधान के माध्यम से सेवाओं तका पहुंच को सुकर बनाना
शुक्रवार	2.2.4.1 पीबी एंड आरपी 2.1.1.2 जारी...	4.1.2.1 (इनपुट) समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप

चरण दो सप्ताह 9

ए एंड आई

3.1.1.2/3.1.2.2 जानकारी को (दिव्यांगता के बारे में भ्रांतियों और तथ्यों पर जागरूकता सामग्री तैयार करना) समय पर और अभिगम्य फॉर्मेट में उचित रूप से संप्रेषित करना **(आईसीडी परामर्श अभियान असाइनमेंट से संबंधित)**

3.2.2.2 **बाधाकारक कार्य** – प्रमाणन पूर्ण करना

3.3.1.2 रेफेरलों के माध्यम से सेवाओं तक पहुंच को सुकर बनाना

3.3.1.3 **पोर्टफोलियो परियोजना** : रेफेरल मार्ग – पुनर्वास तक पहुंच को सहयोग प्रदान करने के लिए संसाधन निर्देशिका

3.3.2.1 एकल खिड़की सेवा प्रावधन

4.2.1.2 विकासात्मक विलंब जांच–सूची का प्रयोग करना

4.1.2.1 समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप

पीबी एंड आरपी

2.3.1.2 पीआरए रिपोर्टिंग फॉर्म

2.1.3.1 अभिव्यक्तिकारी योजना

आईसीडी

2.2.4.1 क–ख–ग असाइनमेंट – पीआरए: परिचय; दृश्य उपकरण; कार्य–योजना लिखना

ए एंड आई यूनिट तीन : जानकारी, संपर्क और रेफेरलों को सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 1: उपयुक्त, समय पर जानकारी; शीर्षक 1 : जानकारी की साझेदारी के लिए अभिगम्य फॉर्मेट

सत्र 3.1.1.2/3.1.2.2: जानकारी को सटीक रूप से और अभिगम्य फॉर्मेटों में संप्रेषित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : जानकारी को सटीक रूप से और अभिगम्य फॉर्मेटों में संप्रेषित करता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक–कार्य	**समुदाय में उपयोग के लिए विभिन्न फॉर्मेटों का उपयोग करके मिथकों और तथ्यों पर जागरूकता सामग्री विकसित करना। सरल स्वरूपों में जटिल सरकारी प्रावधान की जानकारी संप्रेषित करना शामिल करें।	
		इस बात पर ध्यान दें कि सेवाओं और प्रावधानों के बारे में संवेदनशील जानकारी और सघन जानकारी कब और कैसे पहुंचाई जाए।	

संदर्भ :

- https://cis-india.org/accessibility/blog/digital-accessibility-in-the-rights-of-persons-with-disabilities-act-2016
- *ईएन शीर्षक 19: सम्प्रेषण* – यहां अवलोकन करें

टिप्पणियां :

चरण एक, सप्ताह 3 का अवलोकन करें.

**इस जागरूकता सामग्री को तैयार करना आईसीडी परामर्श अभियान असाइनमेंट को सहयोग देगा – विशेष रूप से आईईसी सामग्री अवयव संग्रहित करना.

भारतीय पुनर्वास परिषद्

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफेरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 2 : प्रमाणीकरण; शीर्षक 2 : पूर्वापेक्षा और पात्रता सुनिश्चित करना

सत्र 3.2.2.2: विभिन्न प्रमाण–पत्रों को पूर्ण करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : किसी विशेष प्रमाणीकरण के लिए पूर्वापेक्षाओं का वर्णन करता है और प्रमाणीकरण के लिए औपचारिकताओं को पूर्ण करने के लिए कौशल विकसित करता है।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक–कार्य – बाधाकारक कार्य	प्रशिक्षु विशेष रूप से दिव्यांगता से संबंधित तथा पर्यवेक्षण के अधीन क्षेत्र में सामान्य प्रमाण–पत्रों के लिए आवेदन प्रपत्र पूर्ण करता है.	सामान्य और दिव्यांगता–विशिष्ट प्रमाण–पत्रों अथवा इनसे संबंधित वेबसाइट लिंक.

संदर्भ :

- https://uidai.gov.in/
- http://www.disabilityaffairs.gov.in/upload/uploadfiles/files/RPWD%20ACT%202016.pdf
- http://www.swavlambancard.gov.in
- http://www.iitg.ac.in/eo/sites/default/files/railwayConcessionForm.pdf
- *ईएन शीर्षक 20 : प्रमाण–पत्र* – यहां देखें

संदर्भ :

- देखिए चरण एक, सप्ताह 3, जहां ये विभिन्न प्रमाण–पत्र शामिल और फ़ाइल किए गए थे।

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफेरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 3 : उपयुक्त सेवाओं के साथ लोगों को जोड़ना; शीर्षक 1 : रेफेरल

सत्र 3.3.1.2/3.3.1.3: रेफेरलों और पुनर्वास विशेषज्ञों के संसाधन निर्देशिका के माध्यम से सेवाओं तक पहुँच को सुकर बनाना.			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु रेफेरल प्रक्रियाओं और एकल खिड़की सेवा प्रावधान को समझेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	3.3.1.2 प्रस्तावनाः मुख्य पदबंधों की परिभाषा, रेफेरल नेटवर्क सृजित करने के लिए तर्काधार	खेल : खेल की व्यवस्था करना और नेटवर्किंग प्रस्तुतीकरण पर जानकारी प्रदान करना.	गेम के लिए जिगसॉ पज़ल पीसेज, एलसीडी, कम्प्यूटर
	रेफेरल नेटवर्क के लिए अनिवार्य अवयव (संसाधनों का चित्रण, निर्देशिका तैयार करना, संबंध बनाना, रेफेरल फॉर्म का मानकीकरण, फीडबैक लूप, प्रलेखीकरण)	प्रस्तुतीकरण रेफेरल फॉर्म भरना रेफेरल रजिस्टर भरना	लैपटॉप, एलसीडी, रेफेरल फॉर्म की प्रतियां, रेफेरेल रजिस्टर की प्रति, पुनर्वास सेवा निर्देशिका का उदहारण
	रेफेरल मार्ग	इनपुट – किसी ग्राहक के लिए रेफेरल मार्ग का मामला अध्ययन करना तथा प्रक्रिया और परिणामों को प्रलेखित करना.	
	3.3.1.3 प्रायोगिक–कार्य	पोर्टफोलियो परियोजना – संसाधन निर्देशिका तैयार करना – इस पर सप्ताह 11–12 और 20 के दौरान कार्य किया जाएगा.	संसाधन निर्देशिका के लिए उपकरण

संदर्भ :

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफेरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 3 : उपयुक्त सेवाओं के साथ लोगों को जोड़ना; शीर्षक 2 : एकल खिड़की सेवा प्रावधान

सत्र 3.3.2.1 एकल खिड़की सेवा प्रावधान के माध्यम से सेवाओं तक पहुँच को सुकर बनाना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु एकल खिड़की सेवा प्रावधान के माध्यम से सेवाओं तक पहुँच को सुकर बनाने की प्रक्रिया को समझेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	एकल खिड़की सेवा प्रावधानः परिचय	एकल खिड़की सेवा प्रावधान का उदाहरण (मामला अध्ययन)	
	प्रायोगिक–कार्य	एकल खिड़की सेवा प्रावधान – इस पर सप्ताह 20 में कार्य किया जाएगा	

संदर्भ :

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 1 : भूमिका की व्याप्ति के भीतर हस्तक्षेप संचालित करता है; शीर्षक 2: समुदाय आधारित हस्तक्षेप

सत्र 4.1.2.1: समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु समुदाय हस्तक्षेपों का भूमिका निर्वहन करेंगे.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता और महत्व	समुदाय की भागीदारी का स्पष्टीकरण	
	सामुदायिक भागीदारी की विभिन्न रणनीतियों पर अभिविन्यास	समुदाय की भागीदारी की विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा	
		एक सामुदायिक सहभागिता गतिविधि भूमिका निर्वहन : प्रशिक्षु उन विभिन्न सामुदायिक हस्तक्षेपों का स्मरण करेंगे , जो उन्होंने देखे हों और भाग लिया हो जिन्होंने उनके मस्तिष्क में प्रश्न उठाए हों तथा वे अभिव्यक्ति और शिक्षन का समर्थन करने के लिए प्रशिक्षण सेटिंग में इनका वर्णन करेंगे और भूमिका निर्वहन संचालित करेंगे। उदाहरण के लिए, एक गाँव में होने वाले स्क्रीनिंग सर्वेक्षण के मामले में, प्रशिक्षुओं को दो समूहों और एक व्यक्ति में विभाजित किया जा सकता है – एक समूह जो सामुदायिक सदस्यों का हिस्सा है और एक समूह दिव्यांगता वाले बच्चे के परिवार के सदस्यों का हिस्सा है, जबकि प्रशिक्षु इस स्थिति को याद करते हुए सर्वेक्षण करने के लिए आने वाले सीबीआईडी कार्यकर्ता की भूमिका निभाता है	प्रशिक्षु उस स्थिति का वर्णन करता है जिसका उसने विस्तारपूर्वक स्मरण किया है और वह कहानी के 'भागों'का निर्वहन करने के लिए अन्य प्रशिक्षुओं को नामांकित करते हैं, इसलिए इसमें उठाए गए मुद्दों पर गहन अभिव्यक्ति करने के लिए परिकल्पना की जा सकती है

संदर्भ :

- https://www.researchgate.net/publication/228345580 Community participation in community-based rehabilitation programmes
- *ईएन शीर्षक 24: समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 1 : भूमिका की व्याप्ति के भीतर हस्तक्षेप संचालित करता है; शीर्षक 2 : समुदाय आधारित हस्तक्षेप

सत्र 4.2.1.1: सप्ताह 4 में तैयार की गई विकासात्मक जांच–सूची का प्रयोग करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु सप्ताह 12 में प्रयोग करने की तैयारी के लिए अपनी विकासात्मक विलंब जांच–सूची को पूर्ण करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	विकासात्मक विलंब जांच–सूची	अपनी जांच–सूची को पूर्ण करना और चर्चा	

संदर्भ :

- https://www.cdc.gov/ncbddd/actearly/milestones/index.html
- https://www.cdc.gov/ncbddd/actearly/pdf/checklists/all checklists.pdf
- *ईएन शीर्षक 26:बाल विकास*

टिप्पणियां :

- देखिए सप्ताह 4

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 3 : प्रलेखीकरण और रिपोर्टिंग; शीर्षक 1 : रिपोर्टिंग फॉर्मेट

सत्र 2.3.1.2: विभिन्न रिपोर्टिंग फॉर्मों को तैयार करना			
प्रायोगिक सत्र 4 : पीआरए रिपोर्ट			
	भागीदारीपूर्ण ग्रामीण मूल्यांकन, जिसे अभी–अभी संचालित किया गया है, पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए अभिविन्यास (सीआईडी चरण दो के साथ संबद्ध)	रिपोर्ट के लिए और इसका प्रयोग किस प्रकार किया जाना है, इस बारे में केन्द्रीय अवयवों पर प्रशिक्षुओं के साथ चर्चा	
प्रायोगिक सत्र 5 : एसएचजी रिपोर्टिंग आवश्यकताएं			

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 6: रिपोर्टिंग फॉर्मेट*

संदर्भ :

- 2.3.1.1 का अवलोकन करें (चरण एक)

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : कार्य–योजना तैयार करता है, शीर्षक 3 : प्रतिबिंबकारी आयोजना

सत्र 2.1.3.1: कार्य–योजनाओं की समीक्षा और उन्हें प्रतिबिंबित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षुओं को कार्य–योजनाओं की आवधिक समीक्षा करने में मदद करेगी और उनके परिणामों को प्रतिबिंबित करेगी			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रतिबिंबकारी आयोजना का परिचय – पद्धतियों और तकनीक जो सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को उनके अनुभवों और कार्रवाइयों को अभिव्यक्त करने में सहायता करती हैं और उन्हें एक सतत् शिक्षण की प्रक्रिया में शामिल करती हैं। प्रशिक्षक विचार विकसित करने के लिए उनकी सोच पर ध्यान–केंद्रित करने, उन विचारों के साथ प्रयोग करने मे विश्वास हासिल करने, कार्य–योजना और रणनीतियां तैयार करने, आगे अभिव्यक्त करने के लिए उन्हे अपनी भाषा में लिखने और विश्लेषण करने में प्रशिक्षुओं की सहायता कर सकता है।	प्रशिक्षक **दिखाए जाने वाले वीडियो** का परिचय देगा. इससे पूर्व, प्रशिक्षु स्वयं की परिकल्पना उसके नायक के रूप में करेंगे और यह सोचेंगे कि कार्य किस प्रकार प्रारंभ/पूर्ण होगा : शिक्षार्थी निम्न का रिकार्ड बनाएंगे: • आपका निर्धारित उद्देश्य अथवा लक्ष्य क्या है? • लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपकी सोच और विचार क्या हैं? अपने विचारों को रिकार्ड करें। • परिकल्पना करें कि यह किस प्रकार पूर्ण होगा। अंतिम परिणाम के बारे में अपने विचारों का रिकार्ड तैयार करें। इस कार्य की समाप्ति पर, प्रशिक्षक दो वीडियो चलाएगा जिनमें अच्छी योजना और प्रभावहीन योजना के घटनाओं की तुलकी की गई होगी। **सहयोगी अभ्यास :** • प्रशिक्षु सत्र के प्रारंभ में वैयक्तिक कार्यके बारे मे अपने सहयोगियों के साथ चर्चा करेंगे और इस बात को साझा करेंगे कि कार्य को पूरा करने के लिए आपने किस प्रकार की परिकल्पना की थी। • वीडियो में आपका निर्धारित उद्देश्य अथवा लक्ष्य क्या था? • उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपकी सोच और विचार क्या थे? • वीडियो में इसे कैसे पूरा किया गया? • यदि आपको एक और अवसर प्रदान किया जाएगा, तो आप इसे और बेहतर तरीके से कैसे निष्पादित कर सकते हैं?	पेन कागज एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन वीडियो
	प्रशिक्षक गिब्स प्रतिबिंबकारी चक्र की शुरुआत कर सकता है। सत्र की योजना के अंत मे नीचे दिए गए चित्र का अवलोकन करे।	प्रशिक्षक गिब्स प्रतिबिंबकारी चक्र के बारे में संक्षिप्त जानकारी साझा कर सकता है। **समूह प्रतिबिंबन:** दो वीडियो पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षुओं को समूहों में विभाजित होंगे। निम्नलिखित को प्रलेखित करें: • क्या अच्छा रहा और क्यों? • क्या अच्छा नहीं रहा और क्यों? • अलग से क्या किया जा सकता था?	

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
प्रायोगिक–कार्य :			
	प्रतिबिंबकारी आयोजना – अभ्यास एक (चरण दो) सिद्धांत कार्य में समय आबंटन की आवश्यकता हो सकती है 2.1.1. के साथ संबद्ध	**वैयक्तिक कार्य पूरा करना** (अंतिम एक–दो महीनों में लिया जाएगा) – स्व–अभिव्यक्ति और आकलन **सहयोगियों के साथ चर्चा:** उपर्युक्त कार्य पर अनुभव की साझेदारी	
	प्रतिबिंबकारी आयोजना – अभ्यास एक (चरण तीन) सिद्धांत कार्य में समय आबंटन की आवश्यकता हो सकती है 2.1.1. के साथ संबद्ध	**समूह कार्य** पूरा करना (अंतिम एक–दो महीनों में लिया जाएगा) निम्न के संबंध में समूह में चर्चा: • क्या अच्छा रहा और क्यों? • क्या अच्छा नहीं रहा और क्यों? • अलग से क्या किया जा सकता था?	

संदर्भ :

- https://www.mindtools.com/pages/article/reflective-cycle.htm
- https://academic.oup.com/jpubhealth/article/35/2/308/1543818
- *ईएन शीर्षक 16: प्रतिबिंबकारी आयोजना*

गिब्स का प्रतिबिंबकारी चक्र : लोगों की सहायता करना अनुभव से सीखना:

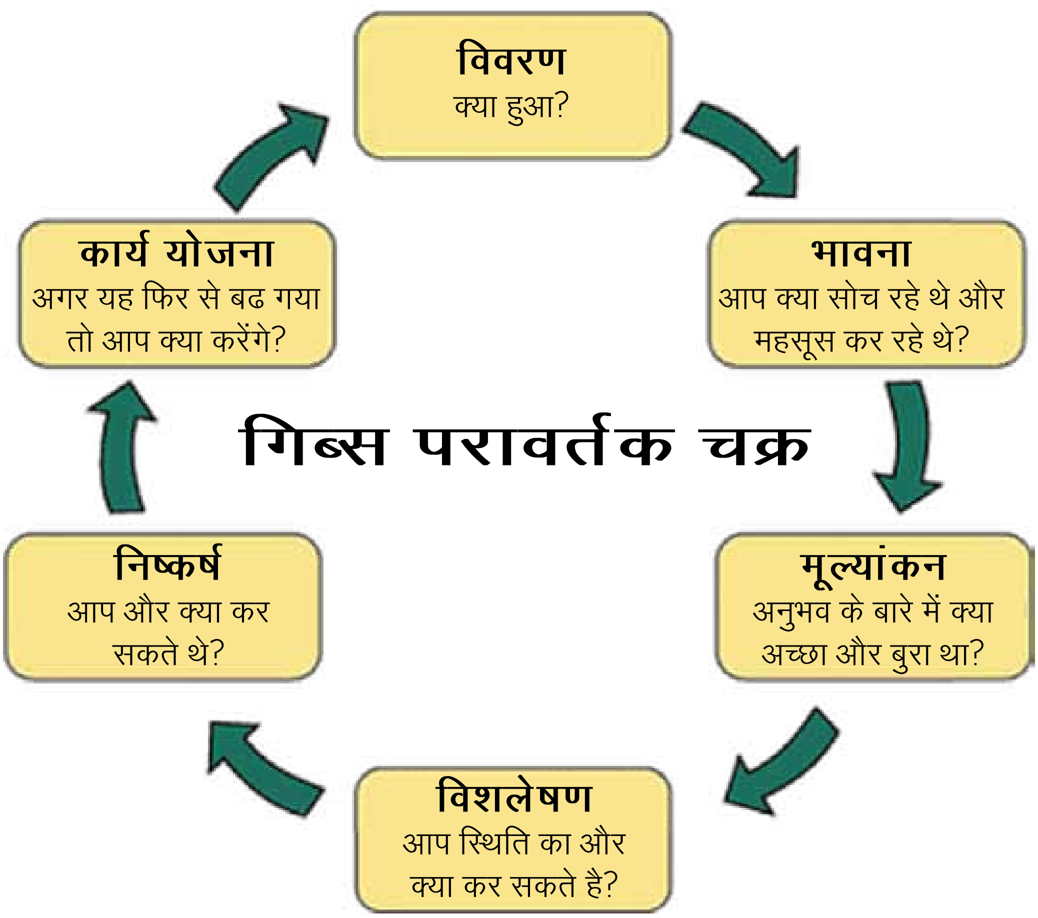

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय को शामिल करना और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2 : भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोण की योजना बनाना और क्रियान्वित करना; शीर्षक 4 : पीआरए/पीएलए संचालित करना (प्रमुख परियोजना)

सत्र 2.2.4.1क: असाइनमेंट – संसाधन मूल्यांकन संचालित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु उनके प्रशिक्षण केन्द्रों के संसाधनों का मूल्यांकन और संगठन करते हैं.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक क्रियाकलाप : सामग्री का संशोधन	प्रशिक्षु व्यक्तिगत रूप से मैनुअल के माध्यम से पढ़ते हैं और फिर वे जोड़े में अपने शिक्षण को साझा करते हैं तथा अपनी शंकाओं का भी निराकरण करते हैं। प्रशिक्षुओं को तब तीन समूहों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक समूह को अभ्यास करने के लिए और परिसर के भीतर दस्तावेजीकरण करने के लिए चार उपकरण दिए जाते हैं। प्रशिक्षुओं को उपलब्ध सामग्री का उपयोग करने का सुझाव दिया जाता है। प्रशिक्षु 60 मिनट के बाद वापस आते हैं और केवल एक उपकरण के परिणाम प्रस्तुत करते हैं और इसके बाद बातचीत और चर्चा की जाती है। सत्र के अंत में प्रशिक्षु यह सुनिश्चित करने के लिए समस्त सामग्री को एक साथ लाते हैं कि पीआरए के समग्र उद्देश्य को समझ लिया गया है।	फ्लिप चार्ट, कम्प्यूटर, एलसीडी, पीआरए संचालित करने के लिए अपेक्षित सामग्री
	दिव्यांगताके संदर्भ में पीआरए	इनपुट – दिव्यांगता मुद्दों का निवारण करने के लिए पी. आरए उपकरणों के प्रयोग पर विचार करने के कारक	भागीदारीपूर्ण अधिगम और कार्रवाई जर्नल

संदर्भ :

- https://www.iied.org/participatory-learning-action - Journal
- https://pubs.iied.org/sites/default/files/pdfs/migrate/14500IIED.pdf?#page=k7&पीएलए जर्नल लेख – दिव्यांगता समावेशन के लिए पीआरए का प्रयोग करना – पीपी 5–11
- दिव्यांगता के ए आर (जानकारी और शोध) – नियमावली;
- पीआरए नियमावली : एफएओ
- *ईएन शीर्षक 5 : भागीदारीपूर्ण ग्रामीण मूल्यांकन – पीआरए परियोजना के लिए प्रासंगिक*

टिप्पणी:

- देखिए चरण एक, सप्ताह 3

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय को शामिल करना और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2 : भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोण की योजना बनाना और क्रियान्वित करना; शीर्षक 4 : पीआरए/ पीएलए संचालित करना (प्रमुख परियोजना)

सत्र 2.2.4.1ख: असाइनमेंट – पीआरए/पीएलए का प्रतिनिधित्व करने के लिए दृश्य उपकरणों का प्रयोग करना			
चरण एक; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि : 1×90 मिनट			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु अपने समुदाय मैपिंग स्थापन को ग्राफिक रूप से संचालित करने का अन्वेषण करेंगे और उसके लिए तरीकों का चयन करेंगे.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पीआरए का परिचय दृश्य तकनीकें और प्रत्येक का संक्षेप में वर्णन करना	• पीआरए का एक विशिष्ट पहलू स्थानीय लोगों द्वारा साझा दृश्य प्रतिनिधित्व और विश्लेषण है, जैसे भूमि या कागज पर मानचित्रण या मॉडलिंग; बीज, पत्थर, लाठी या आकृतियों के साथ आकलन, अंकन और रैंकिंग; वेन डायग्राम; स्वतन्त्र लिस्टिंग और कार्ड प्रक्रमण; लिंकेज आरेख; तथा जाँच और सत्यापन के लिए प्रस्तुतियाँ: इसलिए इन्हें अक्सर 'पीआरए पद्यतियों' के रूप में वर्णित किया जाता है। • ग्राफिक आयोजक अनुभव का दृश्य चित्रण पेश करते है। वे सूचना को व्यवस्थित करते है जिससे विचारों की प्रगति और उनके मध्य संबंध देख पाना संभव होता है। • आरेख और मानचित्र जैसे ग्राफिक आयोजक विश्वास, भागीदारी और स्थानीय विचारों, धारणाओं और अनुभवों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो त्रिकोणीयकरण के लिए गुंजाइश भी प्रदान करते हैं • आरेख या मानचित्र प्रश्नों और चर्चा के लिए एक उपयोगी आधार प्रदान करता है • जहाँ अशिक्षा है, प्रतीकों का उपयोग, मानचित्रण और आरेख साक्षरता अवरोध को कम करता है और इसमें सभी को समान भागीदारी की सुविधा देता है	हैंडआऊट ग्राफिक आयोजक उदाहरण
	किसी स्थानीय विशेषता/ आस्ति का द्रश्यमान रूप से प्रतिनिधित्व करती प्रक्रिया	• प्रशिक्षु मैप/प्रोफाइल किए जाने और किसी एक का चयन करने के लिए संभावित संसाधनों या सुविधाओं की एक सूची विकसित करते हैं • प्रशिक्षु 1–3 अन्य लोगों के साथ जुड़ते हैं जिन्होंने समान संसाधन/ सुविधा का स्वयं ही चयन किया है • प्रशिक्षु अपने संसाधन का प्रतिनिधित्व करने और एक को चुनने के लिए विभिन्न तरीकों पर विचार करते हैं • प्रशिक्षु अपने संसाधन/सुविधा का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक साथ काम करते हैं	
	प्रतिपुष्टि	प्रत्येक समूह अपने चित्रण प्रदर्शित करेगा	

संदर्भ :

- https://participedia.net/method/4907
- https://www.sophia.org/tutorials/creating-a-graphic-organizer
- https://www.theteachertoolkit.com/index.php/tool/graphic-organizers
- https://www.techlearning.com/tl-advisor-blog/9736
- https://pdst.ie/sites/default/files/GraphicOrganiserFinal.pdf
- https://visme.co/blog/graphic-organizer/
- https://steps-centre.org/pathways-methods-vignettes/methods-vignettes-participatory-rural-appraisal/
- चैम्बर्स आर (1994). दि ओरिजिन एंड प्रैक्टिस ऑफ़ पीआरए. विश्व विकास, 22(7), 953–969.
- पॉल आर (2006). पीआरए नियमावली, सेंट लूसिया : एफएओ

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय को शामिल करना और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2 : भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोण की योजना बनाना और क्रियान्वित करना; शीर्षक 4 : पीआरए/पीएलए संचालित करना (प्रमुख परियोजना)

सत्र 2.2.4.1ग: असाइनमेंट – पीआरए/पीएलए कार्य–योजना लिखना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु अपनी पीआरए/पीएलए परियोजना के लिए एक कार्य–योजना तैयार करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पीआरए/पीएलए कार्य–योजना तैयार करना	यह पीबी एंड आरपी 2.1.1.2 की अपेक्षा की पूर्ति करता है : कार्य–योजना तैयार, निष्पादित करना और उसकी समीक्षा करना	फ्लिप चार्ट, कम्प्यूटर, एलसीडी, पीआरए संचालित करने के लिए अपेक्षित सामग्री

सप्ताह 10

सप्ताह 10	चरण दो ब्लॉक 2 सप्ताह 2 फील्ड में	
	पूर्वाहन	अपराहन
सोमवार	3.1.1.2 तथ्यों के साथ दिव्यांगता के बारे में भ्रांतियो को दूर करने के लिए जागरूकता सामग्री तैयार करना और इन्हें न्यूनतम दो विभिन्न फार्मेटों में प्रदान करना	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट
मंगलवार	2.3.1.2 जारी... कोई भी अपेक्षित पीआरए फॉर्म तैयार करता है	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट
बुधवार	2.1.2.1 (इनपुट) समय प्रबंधन	3.1.1.2 दिव्यांगता जागरूकता सामग्री जारी...
गुरूवार	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	3.2.2.2 प्रमाणीकरण – विभिन्न प्रमाण–पत्रों का प्रयोग करते हुए कम–से–कम 5 आवेदन फॉर्म पूर्ण करना
शुक्रवार	2.2.4.1 पीआरए असाइनमेंट	3.2.2.2 प्रमाणीकरण जारी....

चरण दो सप्ताह 10

ए एंड आई

3.1.1.2/3.1.2.2 विभिन्न फार्मेटों में जानकारी तथा एक समयबद्ध और उपयुक्त तरीके से प्रदान करना

3.2.2.2 प्रमाणीकरण पूर्ण करना

पीबी एंड आरपी

2.3.1.2 पीआरए रिपोर्टिंग फॉर्म तैयार करना

2.1.2.1 समय प्रबंधन

आईसीडी

2.2.4.1घ पीआरए असाइनमेंट

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफेरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 1 : उपयुक्त और समय पर जानकारी; शीर्षक 1 : जानकारी की साझेदारी करने के लिए अभिगम्य फार्मेट

सत्र 3.1.1.2/3.1.2.2: अभिगम्य फॉर्मेट में जागरूकता संबंधी सामग्री और समय पर विचारण

विभिन्न फोर्मेट में जागरूकता संबंधी सामग्री तैयार करना तथा साझेदारी की समयबद्धता और साझेदारी के पहलुओं पर विचार करना – सप्ताह 9 से जारी, पृ. 136

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफेरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 2 : प्रमाणन; शीर्षक 2 : पूर्वापेक्षा और पात्रता सुनिश्चित करना

सत्र 3.2.2.2: प्रमाणन पूर्ण करना

प्रमाणन पूर्ण करना – सप्ताह 9 से जारी, पृ. 137

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों का संचालन और प्रबंधन; मॉड्यूल 3 : प्रलेखीकरण और रिपोर्टिंग; शीर्षक 1 : रिपोर्टिंग फॉर्मेट

सत्र 2.3.1.2: पीआरएल/पीएलए फॉर्म तैयार करना

पीआरए रिपोर्टिंग फॉर्म तैयार करना – सप्ताह 9 से जारी

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों का संचालन और प्रबंधन; मॉड्यूल 1 : कार्य योजनाएं तैयार करता है; शीर्षक 2 : समय प्रबंधन

सत्र 2.1.2.1: प्रभावी समय प्रबंधन के लिए रणनीतियां			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : इस सत्र का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को समय का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में सहायता देना है.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	समय प्रबंधन क्या है? (देखिए नीचे संसाधन) परिभाषाएं समय प्रबंधन को समझना	**पीपीटी** – समय प्रबंधन क्या है, इस पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण का प्रयोग करते हुए पारस्परिक संपर्क व्याख्यान	पीपीटी प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षकों की नियमावली
	समय प्रबंधन क्यों? समय प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करें।	सोचें युग्म बनाएं साझा करें प्रशिक्षुओं से किसी घटना के बारे में सोचने के लिए कहें जिनमें उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने समय पर कोई विशेष काम नहीं किया? जैसे ट्रेन का छूट जाना। और ऐसा क्यों हुआ? छात्र जोड़े में अपनी कहानियों पर चर्चा कर सकते हैं और फिर उनमें से कुछ अपने विचारों साझा कर सकते हैं	लिखने के लिए फिलपकार्ट/ व्हाइटबोर्ड
	प्रभावी समय प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ समय प्रबंधन की अवधारणा स्टीफन कोवे का समय प्रबंधन मैट्रिक्स (नीचे संसाधन देखें)	पीपीटी – प्रभावी समय प्रबंधन के लिए रणनीतियों पर पीपीटी प्रस्तुतीकरण का उपयोग करते हुए एक पारस्परिक संपर्क व्याख्यान आयोजित करें। इसके बाद यह देखने के लिए छोटे समूह में चर्चा दी जा सकती है कि यह उनके लिए सीबीआईडी कार्यकर्ताओं के रूप में यह उन पर कैसे लागू होता है	पीपीटी प्रस्तुतीकरण

संदर्भ :

- समय प्रबंधन को समझना : https://www.mindtools.com/pages/article/newHTE 00.htm
- स्टीफन कोवे का समय प्रबंधन मैट्रिक्स :

	अविलंब	**अविलंब नहीं**
महत्वपूर्ण	***क्वाड्रेंट I:*** *अविलम्ब और महत्वपूर्ण*	***क्वाड्रेंट II:*** *अविलम्ब नहीं और महत्वपूर्ण*
महत्वपूर्ण नहीं	***क्वाड्रेंट III:*** *अविलम्ब और महत्वपूर्ण नहीं*	***क्वाड्रेंट IV:*** *अविलम्ब नहीं और महत्वपूर्ण नहीं*

- *ईएन शीर्षक 17: समय प्रबंधन, समय पर रिपोर्टिंग*

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय को शामिल करता है और प्रोफाइल बनाता है; मॉड्यूल 2: भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोणों की योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना; शीर्षक 4 : पीआरए/पीएलए संचालित करना (मुख्य परियोजना)

सत्र 2.2.4.1घ : असाइनमेंट – पीआरए संचालित करना (3 का सप्ताह 1)
चरण दो; सत्र संख्या :
सत्र की अवधि : 3 सप्ताह
प्रशिक्षुओं की संख्या :
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु समुदाय की आस्तियों और क्षमता का प्रोफाइल बनाएंगे तथा पीआरए का प्रयोग करते हुए इस प्रस्तुत करेंगे
यह एक व्यावहारिक सत्र है जो रिपोर्ट को पूरा करने के लिए तीसरे सप्ताह के साथ दो सप्ताह की अवधि में गांव/समुदाय में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं की संख्या के आधार पर, प्रत्येक समूह में चार प्रशिक्षु शामिल होंगे और प्रत्येक समूह की देखरेख पहले से मौजूद सीबीआर/सीबीआईडी कार्यक्रम के क्षेत्रीय कार्यकर्ता/समन्वयक द्वारा की जाएगी 1. क्षेत्रीय कार्य शुरू होने से पहले सीबीआर कार्यकर्ताओं और सीबीआईडी प्रशिक्षुओं की पूरी टीम एक ब्रीफिंग सत्र (2×90 मिनट : शुक्रवार को सिद्धांत सप्ताह की शुरुआत चरण दो से होगी) के लिए एक साथ आएगी। क) यह सबसे आवश्यक है कि प्रशिक्षुओं को इस बात से अवगत कराया जाए कि अभ्यास में सभी हाशिए पर पड़े समूहों को शामिल किया जाना चाहिए और दिव्यांगजनों के सीबीआईडी के संदर्भ में दिव्यांगजनों (माता–पिता, भाई–बहन, देखभाल करने वाले) का अनुभव भी शामिल होना चाहिए। ख) प्रशिक्षक एक बार फिर पीआरए उपकरणों को संशोधित करेगा और नियमावली/हैंडबुक में नयाचार का अवलोकन करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सभी कार्य–प्रणाली पर बहुत स्पष्ट है। समुदाय को शामिल करने के नयाचार का भी संशोधन किया जाएगा। 2. प्रत्येक समूह फिर समुदाय में जाएगा और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करके कवायद संचालित करेगा। जबकि पीआरए कवायद आयोजित की जा रही है, उस का उपयोग मोबाइल फोन का उपयोग करके किया जाता है और अन्य किसी माध्यम से, जिसका समुदाय उपयोग करता है। 3. यह महत्वपूर्ण है कि चूंकि पीआरए कवायद आयोजित की जा रही है, प्रशिक्षक अभ्यास के समग्र उद्देश्य पर प्रशिक्षुओं को लगातार मार्गदर्शन करता है– समुदाय की आस्तियों का नक्शा बनाने के लिए और समुदाय के विकास और समावेश संदर्भ में समस्याओं का पता लगाने के लिए। 4. प्रत्येक दिन के अंत में प्रशिक्षक को उस दिन की बातों को प्रतिबिंबित करने के लिए समूह को साझा करने के लिए एक साथ लाना चाहिए और सभी निष्कर्षों और सीखों का दस्तावेजीकरण करना चाहिए। यदि समुदाय को साझा करने के लिए एक साथ लाया जाता है, तो प्रशिक्षु के कौशलों को सुविधा कौशल के संदर्भ में भी देखा जाता है और समुदाय को अपने तरीके से साझा करने की अनुमति देता है। 5. दो सप्ताह के अंत में प्रत्येक समूह पीआरए के सभी परिणामों को एक साथ रखता है और एक दिन तय किया जाता है जब गाँव में प्रस्तुति दी जाती है। 6. प्रत्येक समूह में प्रशिक्षु प्रस्तुति का आयोजन करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि समुदाय के सदस्यों द्वारा यथासंभव प्रस्तुति दी जाए। 7. साझाकरण का उपयोग समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं की पहचान करने के लिए भी किया जाता है और एक समस्या–आरेख तैयार किया जाता है। 8. प्रशिक्षुओं का आकलन उनके सुगमता कौशल और सामुदायिक बैठकों के आयोजन के कौशल पर किया जाता है। 9. पीआरए के परिणामों को विभिन्न तरीकों से अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया है और रिपोर्ट तुरंत बनाई गई है। 10. पीआरए के परिणामों का उपयोग यू4एम5 के लिए परियोजना/अभियान तैयार करने के लिए किया जाएगा।

भारतीय पुनर्वास परिषद्

सप्ताह 11

सप्ताह 11	चरण दो ब्लॉक 2 सप्ताह 3 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	3.3.1.3 (पोर्टफोलियो) पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग	2.2.4.1घ पीआरए/पीएलए असाइनमेंट सप्ताह 2
मंगलवार	2.1.2.2 किसी सीबीआईडी कार्यकर्ता से क्षेत्र में उनके समय प्रबंधन के बारे में साक्षात्कार करें और उसे अपने जर्नल में लिखें।	2.2.4.1घ पीआरए/पीएलए असाइनमेंट
बुधवार	2.1.3.2 वैयक्तिक कार्य निष्पादन पर अभिव्यक्ति दें तथा सहयोगी के साथ साझा करें (इसके साथ कोई असाइनमेंट नहीं – चर्चा कार्यों और उत्तरदायित्वों के प्रबंधन के उद्देश्य से योजना के प्रतिबिंबन की योग्यता पर केंद्रित होनी चाहिए)	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग जारी...
गुरुवार	2.2.4.1घ पीआरए/पीएलए असाइनमेंट	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग
शुक्रवार	2.2.4.1घ पीआरए/पीएलए असाइनमेंट	3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग जारी...

चरण दो सप्ताह 11

ए एंड आई

3.3.1.3 पोर्टफोलियो परियोजना (जारी...) पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग

पीबी एंड आरपी

2.1.3.2 वैयक्तिक कार्य निष्पादन पर अभिव्यक्ति और साझेदारी

2.1.2.2 समय प्रबंधन – सीबीआईडी कार्यकर्ता का साक्षात्कार

आईसीडी

2.2.4.1घ पीआरए असाइनमेंट सप्ताह 2

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफेरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 3 : लोगों को उपयुक्त सेवाओं के साथ जोड़ना; शीर्षक 1 : रेफेरल

सत्र 3.3.1.3 पुनर्वास संसाधन निर्देशिका और रेफेरल मार्ग

पोर्टफोलियो असाइनमेंट – अपने समुदाय में पुनर्वास सेवाओं की एक फ़ाइल तैयार करें – 3–4 अन्य स्थानीय लोगों के साथ कार्य करें

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : कार्य योजना तैयार करना; शीर्षक 3 : प्रतिबिम्बकारी आयोजना

सत्र 2.1.3.2: वैयक्तिक कार्य निष्पदान पर प्रतिक्रिया

वैयक्तिक कार्य निष्पदान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना, अपने जर्नल में रिपोर्ट करना और अपने निष्कर्षों को प्रशिक्षक के साथ साझा करना।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 16 : प्रतिबिंबकारी आयोजना*

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : कार्य योजना तैयार करना; शीर्षक 2 : समय प्रबंधन

सत्र : 2.1.2.2: सीबीआईडी कार्यकर्ताओं के समय प्रबंधन के बारे में किसी ऐसे अनुभवी कार्यकर्ता का साक्षात्कार करना

इस साक्षात्कार की एक रिपोर्ट अपने जर्नल में लिखें जिसमें समय प्रबंधन के लिए प्रयोग में लाई गयी रणनीति को भी लिखा गया हो।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 17 : समय प्रबंधन, समय पर रिपोर्टिंग*

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय के साथ कार्य करना और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2: भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोणों की योजना और क्रियान्वयन; शीर्षक 4 : पीआरए/पीएलए संचालित करना (प्रमुख परियोजना)

सत्र 2.2.4.1क: पीआरए/पीएलए परियोजना

पीआरए **असाइनमेंट** जारी.. (3 का सप्ताह 2)

सप्ताह 12

सप्ताह 12	चरण दो ब्लॉक 2 सप्ताह 4 फील्ड में	
	पूर्वाहन	**अपराहन**
सोमवार	4.8.1.1 हस्तक्षेप से प्रगति के सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकन पोर्टफोलियो	2.2.4.1घ पीआरए असाइनमेंट (3 का सप्ताह 3)
मंगलवार	2.2.3.1 (इनपुट) आपदा के संबंध में तैयारी	2.2.4.1घ पीआरए असाइनमेंट
बुधवार	2.2.3.2 दो अनुभवी साथियों के साथ कार्य–योजनाओं पर सामाजिक असंतोष/ आपदाओं के प्रभाव पर चर्चा करें और अपने जर्नल में अपने विचार लिखें	4.8.2.1 मूल्यांकन और फीडबैक प्रणालियों से लक्ष्यों को पुनः तैयार करना
गुरुवार	2.2.4.1घ पीआरए असाइनमेंट	4.2.1.2 विशिष्ट रूप से विकसित बालक के संदर्भ में विकासात्मक विलम्ब जांच–सूची का प्रयोग करना
शुक्रवार	इस सप्ताह की समाप्ति असाइनमेंटों को पूर्ण करने, प्रश्न पूछने और प्रशिक्षकों के लिए मध्यावधि समीक्षा संचालित करने के अवसर के साथ होती है	

शुक्रवार सत्र प्रशिक्षुओं के लिए वैयक्तिक और समूह की पिछले दो माह की उपलब्धियों पर अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करेगा। ऐसे प्रतिबिम्बात्मक सत्र को संचालित करने के लिए सुझाव पीबी एंड आरपी 2.1.3.1 में दिए गए हैं – सप्ताह 9% योजनाओं की समीक्षा और उन पर अभिव्यक्ति :

प्रतिबिंबकारक आयोजना – अभ्यास एक (चरण दो) सिद्धांत सप्ताह में समय निर्धारित करने की आवश्यकता हो सकती है 2.1.1 के साथ सम्बद्ध	**वैयक्तिक कार्य पूर्ण करना** (विगत, एक–दो माह में लिया गया) – स्व–अभिव्यक्ति और आकलन **सहयोगियों के साथ चर्चा :** उपर्युक्त कार्य पर अनुभव साझेदारी

चरण दो सप्ताह 12

ए एंड आई

4.8.1.1 पोर्टफोलियो – हस्तक्षेपों से प्रगति का सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकन

4.8.2.1 मूल्यांकन और प्रतिपुष्टि प्रणालियों से लक्ष्यों को पुनः तैयार करना

4.2.1.2 बाधा और जर्नल – एक विशिष्ट रूप से विकसित होते बालक के साथ विकासात्मक विलंब जांच–सूची का प्रयोग करना

पीबी एंड आरपी

2.2.3.1 आपदा के संबंध में तैयारी

2.2.3.2 कार्य–योजनाओं पर आपदाओं का प्रभाव

आईसीडी

2.2.4.1घ पीआरए असाइनमेंट (3 का सप्ताह 3)

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित करना और सहायता करना; मॉडयूल 8 : हस्तक्षेपों की निगरानी और मूल्यांकन करता है; शीर्षक 1 : निगरानी और सूचना प्राप्त करना

सत्र 4.8.1.1: हस्तक्षेप से प्रगति के सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकन			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु उनके द्वारा संचालित किए जा रहे नैदानिक हस्तक्षेपों पर चर्चा करेंगे और उनकी निगरानी और मूल्यांकन करने की तैयारी करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिचय : मुख्य शब्दों की परिभाषा, मूल्यांकन महत्वपूर्ण क्यों है	प्रगति के बारे में विषयपरक आंकड़े संग्रहित करने के महत्व के बारे में प्रस्तुतीकरण	लैपटॉप, एलसीडी
	मूल्यांकन के प्रकारः विकासात्मक (सतत्) और योगात्मक	प्रस्तुतीकरण दोनों के बीच अंतर और दोनों के लिए आवश्यकता पर सामूहिक चर्चा	लैपटॉप, एलसीडी . चार्ट, मार्कर
	विकासात्मक मूल्यांकन संचालित करना	सीबीआईडी कार्यकर्ताओं की अपेक्षाएं सतत् मूल्यांकन के लिए विहित फोर्मेटों का परिचय	लैपटॉप, एलसीडी, सतत् मूल्यांकन के लिए फॉर्मेट – पोर्टफोलियो में फाइल करें
	योगात्मक मूल्यांकन संचालित करना	सीबीआईडी कार्यकर्ताओं की अपेक्षाएं निर्माणात्मक मूल्यांकन के लिए विहित फोर्मेटों का परिचय	लैपटॉप, एलसीडी, निर्माणात्मक मूल्यांकन के लिए फॉर्मेट – पोर्टफोलियो में फाइल करें

संदर्भ :

- कनाडाई व्यावसायिक निष्पादन मापन (COPM)https://www.thecopm.ca/learn/((देखिए स्पष्टीकरण सप्ताह 15)
- निष्पादन गुणवत्ता रेटिंग स्केल (पीक्यूआरएस) (देखिए स्पष्टीकरण सप्ताह 15)
- लक्ष्य प्राप्ति स्केल ––http://elearningcanchild.ca/dcdptworkshop/assets/planning-interventions-goals/goal-attainment-scaling.pdf – उस सीमा तक अंक लेने का एक अन्य तरीका जहां लक्ष्यों को हस्तक्षेप के दौरान हासिल किया जाता है।

लक्ष्य प्राप्ति स्केलिंग रिकॉर्ड (जीएएस)

लक्ष्य प्राप्ति स्केलिंग रिकॉर्ड शीट जारी

	रोगी निर्दिष्ट लक्ष्य	स्मार्ट लक्ष्य	महत्व	बाधा/ कठिनाई	आधार रेखा	प्राप्त किया		विचलन (अपेक्षाओं से भिन्न होने पर उपलब्धियों का वर्णन करें।)
4.			0 1 2 3	0 1 2 3	❑ कुछ कार्य क्रिया ❑ कोई क्रिया नहीं (जितना हो सके उतना खराब)	❑ हाँ	❑ बहुत अच्छा ❑ थोड़ा अच्छा ❑ आशा के अनुरूप	
						❑ नहीं	❑ गुछ प्राप्त किया ❑ आधार रेखा के समान ❑ बहुत खराब	
5.			0 1 2 3	0 1 2 3	❑ कुछ कार्य क्रिया ❑ कोई क्रिया नहीं (जितना हो सके उतना खराब)	❑ हाँ	❑ बहुत अच्छा ❑ थोड़ा अच्छा ❑ आशा के अनुरूप	
						❑ नहीं	❑ गुछ प्राप्त किया ❑ आधार रेखा के समान ❑ बहुत खराब	
6.			0 1 2 3	0 1 2 3	❑ कुछ कार्य क्रिया ❑ कोई क्रिया नहीं (जितना हो सके उतना खराब)	❑ हाँ	❑ बहुत अच्छा ❑ थोड़ा अच्छा ❑ आशा के अनुरूप	
						❑ नहीं	❑ गुछ प्राप्त किया ❑ आधार रेखा के समान ❑ बहुत खराब	

सारांश

आधार रेखा जी.ए.एस.टी– स्कोर	प्राप्त किया गया जी.ए.एस.टी स्कोर	जी.ए.एस.टी. स्कोर में परिवर्तन

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित करना और सहायता प्रदान करना; मॉडयूल 8 : हस्तक्षेपों की निगरानी और मूल्यांकन करता है; शीर्षक 2 : सहयोगी चर्चा और लक्ष्य पुनः तैयार करना

सत्र 4.8.2.1: मूल्यांकन और फीडबैक प्रणालियों से लक्ष्यों को पुनः तैयार करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु एमएंडई का अनुपालन करते हुए लक्ष्य पुनः तैयार करने पर व्यक्तियों और परिवारों के साथ चर्चा करेंगे और सामूहिक रूप से कार्य करने की तैयारी करेंगे.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	हितधारकों से फीडबैक प्राप्त करना	परिवारों के साथ सामूहिक रूप से कार्य करने के लिए विभिन्न रणनीतियां और फीडबैक प्राप्त करना	फीडबैक फॉर्म, प्रश्नावलियां
	लक्ष्यों को पुनः तैयार करना	लक्ष्यों को पुनः तैयार करने की आवश्यकता पर प्रस्तुतीकरण, निर्णय कैसे लिए जाते हैं, सभी हितधारकों की भागीदारी, और पुनः तैयार करने की प्रक्रिया	लैपटॉप, एलसीडी

संदर्भ :

- https://www.pacer.org/ec/early-intervention/ifsp.asp
- https://pdfs.semanticscholar.org/7169/c5cbffc313accab47e9c36d30426bc5b8c96.pdf

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित करना और सहायता प्रदान करना; मॉडयूल 1 : भूमिका की व्याप्ति के भीतर हस्तक्षेप संचालित करता है; शीर्षक 2 : समुदाय आधारित हस्तक्षेप

सत्र 4.2.1.2: विकासात्मक विलम्ब के पहचान को सहायता करने के लिए जांच–सूची प्रशासित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : विकासात्मक विलम्ब की पहचान करने के लिए जांच–सूची तैयार करता है.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	बाल विकास की अवस्थाओं का वर्णन करना	किसे विशिष्ट रूप से विकसित होते बालक के संदर्भ में विकासात्मक विलम्ब जांच–सूची प्रशासित करना बाधा	विकासात्मक विलम्ब जांच–सूची
	प्रायोगिक–कार्य	समुदाय में जांच–सूची प्रशासित करना	
	अभिव्यक्ति	आपके उपकरण के बारे में अपने परिणामों और किसी प्रश्न/आलोचना को जर्नल करें	

संदर्भ :

- जांच–सूची विकास के लिए सप्ताह 9 का अवलोकन करें।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 2 : आकस्मिकताओं का प्रबंधन; शीर्षक 3 : आपदा के सन्दर्भ में तैयारी

सत्र 2.2.3.1: आपदाएं और कार्य–योजनाओं का प्रभाव			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: आपदाओं और व्यवधानों, सामजिक असंतोष का परिचय, ऐसी स्थितियों में स्वयं की आयोजना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	सत्र का परिचय	किसी प्राकृतिक आपदा का वीडियो	
	मानव–जनित आपदा/व्यवधान	किसी एक दिन की छोटे व्यवधान का भूमिका निर्वहन – बस की हड़ताल/व्यवधान बड़े समूह में चर्चा – किसी ऐसी स्थानीय घटना की पहचान करें जिसने जीवन को प्रभावित किया हो – हड़ताल/बंद/आग/चुनाव	
	कार्य–योजनाओं पर प्रभाव	वैयक्तिक कार्य	
	किसी छोटी अथवा बड़ी आपदा में मैं क्या कर सकता हूँ?	जागरूकता	

संदर्भ :

- www.spherehandbook.org
- सिविल असंतोष सीबीएम दस्तावेज (संसाधन सामग्री के रूप में अंत में संलग्न)
- *ईएन शीर्षक 18 : आपदा के संदर्भ में तैयारी*

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 2 : आकस्मिकताओं का प्रबंधन; शीर्षक 3 : आपदा के सन्दर्भ में तैयारी

सत्र 2.2.3.2 : आपदा में फंसे दिव्यांगजनों की सुभेद्यता और अंतर्वेशी आपदा जोखिम कमी की आवश्यकता			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु दिव्यांगजनों पर आपदा के प्रभाव के बारे अनुभवी साथियों के अनुभव तथा समुदाय जागरूकता में वृद्धि करने के लिए रणनीतियों को सुनेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	आपदा के प्रकार	हालिया आपदाओं का वर्णन – कोरोना वायरस और अन्य महामारियां/चक्रवात/बाढ़/आदि – राष्ट्रीय और स्थानीय. आपदाओं के प्रभाव पर समूह कार्य	
	आपदाओं के दौरान सुभेद्यता	विशिष्ट सुभेद्य समूहों का परिचय	
	दिव्यांगजनों पर आपदा के प्रभाव	पावर पॉइंट	एशियाई आपदा तैयारी यूनिट पवार पॉइंट (देखिए नीचे संसाधन)
	किसी सीबीआर क्षेत्र में आपदा का मामला अध्ययन	प्रभावों का विश्लेषण : निवारण पर विचार करना	
	आपदा जोखिम कमी	प्रस्तुतिकरण	पीपीटी
	हम आपदा जोखिम कमी को अंतर्वेशी कैसे बनाएँगे?	जागरूकता/समूह चर्चा	
	आपदा तैयारी योजनाओं में दिव्यांगता के समुदाय विचरण का मान चित्रण करना	समुदाय की पदयात्रा करें और दिव्यांगजनों के लिए जोखिमों की पहचान करें : आश्रयों, चेतावनी प्रणालियों और उनकी पहुँच की पहचान करें और जर्नल में नोट करें.	अनुभवी सहयोगी इस पदयात्रा में साथ रहेंगे

संदर्भ :

- एशियाई आपदा तैयारी यूनिट – https://www.cbm.org/article/downloads/54741/DRR Booklet.pdf
- *ईएन शीर्षक 18 : आपदा के संदर्भ में तैयारी*

आईसीडी यूनिट दो : समुदाय के साथ कार्य करना और प्रोफाइल बनाना; मॉड्यूल 2: भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोणों की योजना और क्रियान्वयन; शीर्षक 4 : पीआरए/पीएलए संचालित करना (प्रमुख परियोजना)

सत्र 2.2.4.1घ : पीआरए/पीएलए परियोजना

पीआरए **असाइनमेंट** जारी.. (3 का सप्ताह 3)

चरण दो ब्लॉक 3 समय–सारणी

		सप्ताह 13	सप्ताह 14	सप्ताह 15	सप्ताह 16
सोमवार	पूर्वाह्न	4.2.2.1 इनपुट) संचलन में वृद्धि करने और पीडब्ल्यूडी में कार्यकरण के संबंध में परिवारों को जानकारी देना (सेटअप)	4.3.1.2 सहायक और पुनर्वास उपकरणों की फिटिंग और प्रशिक्षण के लिए एडीआईपी फॉर्म – इसे किसी व्यक्ति के लिए भरना और अभिहित केंद्र को प्रस्तुत करना	4.2.2.3 संचलन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग देना जारी...	4.4.2.2 एडीएल क्रियाकलापों के लिए कार्य विश्लेषण जारी...
	अपराह्न	3.2.1.3 (सेटअप) स्थानीय सरकारी अधिकारियों को पत्र लेखन 3.2.3.2 (सेटअप) सरकारी अनुपालन में मुद्दे और खामियां 4.1.1.1 (सेटअप) परिवर्तन के एजेंट की भूमिका का अन्वेषण	3.2.3.2 सरकारी अनुपालन खामी विशलेषण पूर्ण करना	4.2.1.1 (इनपुट) सीबीआर मेट्रिक्स का प्रयोग करते हुए सभी सेक्टरों में नेटवर्किंग	4.2.2.1 (इनपुट) एक साथ कार्य करने और सकारात्मक कार्य संबंधों का निर्माण करने की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया
मंगलवार	पूर्वाह्न	2.3.2.1 (इनपुट) समय पर रिपोर्टिंग	2.3.1.2 मसौदा रिपोर्टें और फॉर्म तैयार करना – प्रशिक्षण रिपोर्ट, आईआरपी (ए एंड आई के साथ)	2.3.3.1 (इनपुट) मामला अध्ययन लिखना और प्रस्तुत करना	2.3.3.2 मामला अध्ययन विकसित करना – स्वीति प्राप्त करना
	अपराह्न	4.1.1.2 (इनपुट) परिवर्तन के प्रमुख सिद्धांत की पहचान करना	3.2.3.2 सरकारी अनुपालन खामी विश्लेषण जारी...	4.2.1.2 (इनपुट) परामर्श अभियानों को सहयोग देने तथा परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता का निर्माण करने के लिए आंकड़ा संग्रहण हेतु नेटवर्क का प्रयोग	4.2.2.2 साथ कार्य करने की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया पर चर्चा को प्रलेखित करना (पीबी एंड आरपी 1.3.2.2 का अवलोकन करें)

		सप्ताह 13	सप्ताह 14	सप्ताह 15	सप्ताह 16
बुधवार	पूर्वाह्न	1.1.2.1 जिम्मेदारियों की सीमा	1.2.1.1; 1.2.1.2 कार्यस्थल विधियां और नीतियाँ	2.3.1.1 रिपोर्टिंग और रिपोर्टिंग फार्मेटों में सीबीआईडी उत्तरदायित्व	1.3.1.1; 1.3.1.2 सीबीआईडी दल और अन्य वृत्तिक
	अपराह्न	2.3.2.1 असाइनमेंट समय पर प्रस्तुत करना	2.3.1.2 रिपोर्टें और फॉर्म तैयार करना जारी...	2.3.3.2 छोटे समूह में दो मामला अध्ययन तैयार करता है (ए एंड आई 2.5.1/ 2.5.2/ 2.6.1 के लिए परिवारों के साथ कार्य की टिप्पणियों का प्रयोग करते हुए)	2.3.2.2 (इनपुट) बैठक के कार्यवृत्त लिखना
गुरूवार	पूर्वाह्न	4.1.2.1 (इनपुट) निचले स्टार पर अधिकारिता को सुकर बनाना (सेटअप) 4.1.2.3 (सेटअप) अधिकारिता का मूल्यांकन और रिपोर्टिंग 4.2.2.1 (सेटअप) एक साथ कार्य करने के लिए चुनौतियों पर प्रतिक्रिया देना	3.2.1.3 स्थानीय सरकारी अधिकारियों को पत्र लिखना	4.2.1.2 आईसीडी के लिए सहायक नेटवर्किंग ले लिए स्थानीय एजेंसियों की गाइडबुक विकसित करना	4.2.2.2 चुनौतीपूर्ण चर्चाओं को प्रलेखित करना जारी...
	अपराह्न	4.4.1.1 (इनपुट) मूलभूत ओ एंड एम तकनीकों का प्रशिक्षण 4.5.1.1/4.5.1.2 संपूर्ण संप्रेषणऔर अधिक प्रवीणता विकसित करने के लिए माध्यम का चयन करना	4.2.3.2 संचलन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग देना जारी...	4.2.2.2 संचलन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग देना जारी...	4.5.1.2 ग्राहकों के पसंदीदा माध्यम का प्रयोग करते हुए उनसे बातचीत में सुधार दर्शाना
शुक्रवार	पूर्वाह्न	4.1.2.2 (इनपुट) उत्प्रेरक कथा–वर्णन	4.1.2.3 समुदाय अधिकारिता के परिक्षेत्रों का प्रयोग करते हुए उनकी अधिकारिता के लिए कार्यक्रमों का मूल्यांकन तथा कार्यक्रम प्रबंधक (कों को परिणामों की सूचना देना (पीबी एंड आरपी 2.3.4.2 के साथ जोड़ता है)	4.2.1.2 आईसीडी एगेंसी गाइडबुक विकास विकास जारी...	इस सप्ताह की समाप्ति प्रशिक्षक के साथ भेंट करने और असाइनमेंट पर इनपुट का अवसर प्राप्त करते होती है
	अपराह्न	4.5.2.1 (इनपुट) विभिन्न आवश्यकताओं के लिए वैकल्पिक संप्रेषण प्रणालियों की सूची बनाना और प्रदर्शित करना 4.4.2.1 (इनपुट) कौशल विकास को सहायता देने के लिए एडीएल क्षेत्र और कार्य विश्लेषण		4.4.2.2 एडीएल कौशलों का शिक्षण प्रदर्शित करना	

चरण दो ब्लॉक 3 सत्र योजनाएं

सप्ताह 13

सप्ताह 13	चरण दो ब्लॉक 3 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाह्न	**अपराह्न**
सोमवार	4.2.2.1 (इनपुट) संचलन में वृद्धि करने और पीडब्ल्यूडी में कार्यकरण के संबंध में परिवारों को जानकारी देना (सेटअप) *इस आगामी ब्लॉक के दौरान, आप संचलन शिक्षण सहयोग में लोगों और परिवारों को सहयोग और अनुदेश देंगे।*	3.2.1.3 (सेटअप) स्थानीय सरकारी अधिकारियों को पत्र लिखना **(असाइनमेंट)** इस ब्लॉक के दौरान, प्रशिक्षु किसी स्थानीय सरकारी अधिकारी को लिखेंगे, जिसमें स्थानीय अंतर्वेशिता में सुधार करने के लिए जागरूकता बढाने और इस सम्बन्ध में सहयोग को सूचीबद्ध करेगा। 3.2.3.2 (सेटअप) सरकारी अनुपालन में मुद्दे और खामियां **(असाइनमेंट)** इस खंड के दौरान, प्रशिक्षु स्थानीय जनता के लिए सेवा वितरण प्रणालियों में खामियों और मुद्दों की पहचान करने के लिए चरण एक में चर्चा किए गए खामी विश्लेषण उपकरणों का प्रयोग करेंगे। 4.1.1.1 (इनपुट) परिवर्तन के एजेंट के लिए आवश्यकता का और स्थानीय समुदाय में उनकी भूमिका का अन्वेषण करना।
मंगलवार	2.3.2.1 (इनपुट) समय पर रिपोर्टिंग	4.1.1.2 (इनपुट) परिवर्तन के मौजूदा सिद्धांतों की पहचान करना। इसका प्रयोग चरण 3 में समुदाय परियोजना असाइनमेंट के दौरान किया जाएगा।
बुधवार	2.3.2.1 असाइनमेंट समय पर प्रस्तुत करना – यह अपूर्ण कार्य को पूरा करने और विस्तारों पर बातचीत करने के लिए समय के आबंटन के बारे में है	4.4.3.1/4.4.3.2 (इनपुट) संचलन उपकरणों का उचित रूप से चयन करता है।

सप्ताह 13	चरण दो ब्लॉक 3 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाह्न	**अपराह्न**
गुरूवार	4.1.2.1 (सेटअप) निचले स्तर पर अधिकारिता को सुकर बनाना (सेटअप) **(जर्नल)** 4.1.2.3 (सेटअप) मूल्यांकन और रिपोर्टिंग अधिकारिता। इस ब्लॉक के दौरान, प्रशिक्षु सीबीआईडी कार्यक्रम में निचले स्तर पर अधिकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण का प्रयोग करेंगे– इसे कार्यक्रम प्रबंधक के लिए रिपोर्ट के रूप में तैयार किया जाएगा। **(जर्नल)** 4.2.2.1 (सेटअप) साथ कार्य करने की चुनौतियों के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करना। आगामी ब्लॉक के दौरान, प्रशिक्षु न्यूनतम तीन चर्चाओं को प्रलेखित करेगा जिनमें सीबीआईडी दल में मिलकर कार्य करते हुए चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने में श्रेष्ठ प्रक्रिया प्रदर्शित की जाएगी।	4.4.1.1 (इनपुट) प्रशिक्षण मूलभूत ओ एंड एम तकनीकें 4.5.1.1 (इनपुट) और 4.5.1.2 सम्प्रेषण माध्यम तथा अधिक प्रवीणता विकसित करने के लिए किसी व्यक्ति का चयन
शुक्रवार	4.1.2.2 (इनपुट) उत्प्रेरक कथा–वर्णन– चरण 3 में समुदाय परियोजना असाइनमेंट के दौरान उत्प्रेरक कथाओं की फ़ाइल विकसित करता है। **(असाइनमेंट)**	4.5.2.1 विभिन्न आवश्यकताओं के लिए वैकल्पिक संप्रेषण प्रणलियों की सूची बनाता है और उसे प्रदर्शित करता है। 4.4.2.1 (इनपुट) विभिन्न एडीएल अपेक्षाओं का विश्लेषण करना (सेटअप) इस आगामी ब्लॉक के दौरान आप विभिन्न एडीएल कार्यों के लिए, कार्य विश्लेषण पूर्ण करेंगे **(बाधा)**

चरण दो सप्ताह 13

ए एंड आई

4.2.2.1	संचलन कार्य में संवृद्धि
4.4.3.1/4.4.3.2	संचलन उपकरण
4.4.1.1	ओ एंड एम तकनीकें
4.5.1.1/4.5.1.2	संप्रेषण माध्यम और प्रवीणता विकसित करना
4.4.2.1	**बाधा** – एडीएल कार्य – कार्य विश्लेषण

पीबी एंड आरपी

2.3.2.1	समय पर रिपोर्टिंग

आईसीडी

3.2.1.3	**असाइनमेंट** – सरकारी अधिकारियों को लिखना
3.2.3.2	**असाइनमेंट** – सरकारी अनुपालन खामी विश्लेषण
4.1.1.1	परिवर्तन एजेंट की भूमिका
4.1.1.2	**असाइनमेंट** – परिवर्तन का सिद्धांत
4.1.2.1	**जर्नल कार्य** – अधिकारिता को सुकर बनाना
4.1.2.3	**जर्नल कार्य** – अधिकारिता का मूल्यांकन और रिपोर्टिंग
4.2.2.1	दल में कार्य करते हुए चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना
4.1.2.2	**असाइनमेंट** – उत्प्रेरक कथा–वर्णन

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 2 : दिव्यांगजनों के साकल्यवादी विकास में संवृद्धि करता है; शीर्षक 2 : संचलन और स्वतंत्र कार्यकरण में वृद्धि करना

सत्र 4.2.2.1: संचलन कार्य में वृद्धि में परिवारों को शामिल करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : परिवारों को पीडब्ल्यूडी में संचलन कार्यकरण में संवृद्धि करने के लिए परिवारों को जानकारी प्रदान करना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	शारीरिक संचलन प्रबंधित करने के लिए मूलभूत कौशल	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	अपेक्षित नैदानिक सामग्री वीडियो लैपटॉप
	संवेदी रूपात्मकता प्रबंधित करने के लिए मूलभूत कौशल	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	अपेक्षित नैदानिक सामग्री
	भाषण और भाषा प्रबंधित करने के लिए मूलभूत कौशल	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	अपेक्षित नैदानिक सामग्री
	मूलभूत व्यवहार प्रबंध कौशल प्रबंधित करने के लिए सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को जानकारी देना	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	अपेक्षित नैदानिक सामग्री
	मूलभूत शिशु उत्प्रेरण कौशल (पूर्व हस्तक्षेपकारी) प्रबंधित करने के लिए सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को जानकारी देना	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	अपेक्षित आकलन सामग्री विकासात्मक वृद्धि चार्ट
	मूलभूत पूर्व–शिक्षण कौशल प्रबंधित करने के लिए सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को जानकारी देना	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	अपेक्षित आकलन सामग्री विद्यालय तैयारी जांच–सूची
	मूलभूत परामर्श कौशल प्रबंधित करने के लिए सीबीआईडी कार्यकर्ताओं को जानकारी देना	क्षेत्र विशेषज्ञ द्वारा प्रदर्शन अभ्यास पर्यवेक्षण के अधीन किया जाना है	परिवार परामर्श प्रोफॉर्मा

संदर्भ :

-

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 4 : मूलभूत ओ एंड एम और एडीएल तकनीकों में प्रशिक्षण संचालित करता है; शीर्षक 3 : संचलन उपकरण

सत्र 4.4.3.1/4.4.3.2: विभिन्न अपेक्षाओं के लिए संचलन उपकरण तथा उपयुक्त संचलन उपकरणों का चयन करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु विभिन्न संचलन उपकरणों से परिचित होंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	4.4.3.1 VI के लिए उपकरण	उपकरणों की सूची बनाना और यह वर्णन करना कि यह किसके लिए उपयोगी होगा	• संचलन केन • वीडियो क्लिपिंग
	ऑर्थो और एमडी के लिए उपकरण	उपकरणों की सूची बनाना और यह वर्णन करना कि यह किसके लिए उपयोगी होगा	• उपकरण • वीडियो क्लिपिंग
	4.4.3.2 अनुप्रयोग	विभिन्न संचलन बाधाओं वाले लोगों का मामला अध्ययन तथा समूह चर्चा और प्रत्येक के लिए उपकरणों का चयन	दिव्यांगजन अथवा लिखित मामला अध्ययन

संदर्भ :

- https://www.who.int/disabilities/publications/technology/jpp final.pdf

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 4 : मूलभूत ओ एंड एम और एडीएल तकनीकों में प्रशिक्षण संचालित करता है; शीर्षक 1 : ओ एंड एम टी4 तकनीकें

सत्र 4.4.1.1: अभिविन्यास और संचलन (ओ एंड एम) तकनीकों में अनुदेश			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : ओ एंड एम तकनीकों का परिचय			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	दृश्य गाइड तकनीकें	– कक्षा में दृश्य गाइड में चरणों को दर्शाएं – कक्षा के बाहर प्रशिक्षुओं की आँखों पर पट्टी बांधें और उन्हें दृश्य गाइड में चरणों का अनुपालन करने में समर्थ बनाएं	• ब्लाइंडफोल्ड • मैनुअल/कार्यात्मक जांच–सूची सामग्री • पावरपॉइंट • लघु फ़िल्में
	केन तकनीकें	– कक्षा में केन को पकड़ने का तरीका दर्शाएं और यह बताएं की केन के साथ कैसे चलते हैं. – कक्षा के बाहर प्रशिक्षुओं की आँखों पर पट्टी बांधें और उन्हें केन तकनीक में चरणों का अनुपालन करते हुए चलने में समर्थ बनाएं.	• ब्लाइंडफोल्ड • मैनुअल/कार्यात्मक जांच–सूची सामग्री • पावरपॉइंट • लघु फ़िल्में
	अन्य इन्द्रियों का प्रयोग संकेत तकनीकें	–प्रशिक्षुओं की आँखों पर पट्टी बांधें और उन्हें उनके द्वारा छुई, सुनी, सूंघी, स्वाद ली गई वस्तुओं को पहचानने दें (श्रवण, स्पर्श, सूंघना, स्वाद)	• पावर पॉइंट • हैण्डआउट • सामग्री
	मूल्यांकन	विभिन्न ओ एंड एम तकनीकों का प्रदर्शन	

संदर्भ :

- https://www.familyconnect.org/info/expanded-core-curriculum/expanded-core-curriculum-subjects-and-skills/orientation-and-mobility-7925/345
- https://www.teachingvisuallyimpaired.com/mobility-skills.html
- *ईएन शीर्षक 32: अभिविन्यास और संचलन*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप संचालित और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 5 : विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करते हुए मूलभूत जानकारी संप्रेषित करता है; शीर्षक 1 : सम्पूर्ण सम्प्रेषण

सत्र 4.5.1.1/4.5.1.2: संप्रेषण के तरीके और विभिन्न माध्यमों में प्रवीणता विकसित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु संपूर्ण संप्रेषण माध्यमों की जानकारी प्रदर्शित करेंगे और किसी एक में प्रवीणता विकसित करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	संप्रेषण का परिचय	अभिव्यक्तिकारक और ग्राही संप्रेषण – भूमिका निर्वहन	• हैण्ड आउट • व्हाइटबोर्ड
	संपूर्ण संप्रेषण अर्थ और प्रयोग	संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों पर चर्चा प्रदर्शन	पवारपॉइंट
	4.5.1.2 चयनित मोड में प्रवीणता विकसित करना	प्रशिक्षु प्रवीणता विकसित करने के लिए उनके वर्त्तमान स्थापन में ग्राहकों द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले संप्रेषण के किसी माध्यम का चयन करेगा (भाव–भंगिमा, लिप रीडिंग, चिह्न, लेखन, पठन, पेटिंग, संकेत, चित्र, भाषण)	

संदर्भ :

- https://www.researchgate.net/publication/281784542 COMMUNICATION SKILLS IN THE DISABLED
- *ईएन शीर्षक 33: सम्पूर्ण संप्रेषण*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप को समर्थन देना और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 5 : विभिन्न पद्यतियों का प्रयोग करते हुए मूलभूत सूचना को संप्रेषित करता है; शीर्षक 2 : वैकल्पिक संप्रेषण प्रणालियां

सत्र 4.5.2.1: वैकल्पिक और संवर्धनात्मक संप्रेषण – संप्रेषण सहायकियों के विशेष माध्यम			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु चरण 3 (सप्ताह 23) मे एक वैकल्पिक संप्रेषण बोर्ड सृजित करने के लिए तैयारी के प्रयोजनार्थ विभिन्न संप्रेषण आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के लिए वैकल्पिक संप्रेषण प्रणालियों पर विचार करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	एएसी का परिचय		पावर प्वाइंट हैंड आउट सामग्री
	एएसी के प्रकार – गैर–सहायक स्वरूप सहायक स्वरूप	चर्चा करें : एएसी का गैर–सहायक स्वरूप एएसी का सहायक स्वरूप	पावर प्वाइंट हैंड आउट सामग्री
	संप्रेषण सहायिकियों के माध्यम	प्रशिक्षु विभिन्न प्रकार के संप्रेषण माध्यमों की सूची बनाएंगे और उन्हें प्रदर्शित करेंगे (ब्रेल, श्रव्य, फिंगर स्पेलिंग, पाम रीडिंग, लार्ज प्रिंट आदि)	मॉडल चित्र हैंडआउट सामग्री प्रदर्शन

संदर्भ :

- http://www.inclusive.co.uk/articles/alternative-and-augmentative-communication-aac-a280
- *ईएन शीर्षक 34: वैकल्पिक और संवर्धनात्मक संप्रेषण*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप को समर्थन देना और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 4 : मूलभूत ओ एंड एम और एडीएल तकनीकों में प्रशिक्षण संचालित करता है; शीर्षक 2 : एडीएल कार्य विश्लेषण

सत्र 4.4.2.1: एडीएल क्षेत्र और एडीएल कौशल विकास को सहयोग प्रदान करने के लिए कार्य विश्लेषण			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु एडीएल में विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन करने में समर्थ होंगे और प्रत्येक क्षेत्र के लिए कार्य विश्लेषण तैयार करेंगे।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	एडीएल में कौशल	एडीएल में विभिन्न क्षेत्रों/कौशलों पर चर्चा करना	• नियमावली • पावर प्वाइंट • लैपटॉप
	कार्य विश्लेषण और श्रृंखलन	एडीएल में कौशल मे निपुण बनने के लिए कार्य विश्लेषण पद्यति के प्रयोग को प्रदर्शित करना कौशल के लिए कार्य विश्लेषण तैयार करना – अभ्यास	• नियमावली • पावर प्वाइंट • चार्ट • व्यक्ति
	मूल्यांकन	समूह एडीएल कौशलों के शिक्षण को प्रदर्शित करेगा	**बाधा**

संदर्भ :

- https://www.aptiv.org/services-we-offer/adults/learn/daily-living-skills-training
- *ईएन शीर्षक 28: समाज विकास के लिए कौशल*

यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 3 : दस्तावेज और रिपोर्टें; शीर्षक 2 : समय पर रिपोर्टिंग

सत्र 2.3.2.1: रिपोर्टों और असाइनमेंटों को समय पर प्रस्तुत करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु रिपोर्टों को समय पर प्रस्तुत करने के महत्व को समझेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	खराब समय प्रबंधन ग्राहकों को कैसे प्रभावित करता है? समय पर रिपोर्टिंग और ग्राहकों की ओर से बोलने का महत्व	***समूह चर्चा*** यदि कोई सीबीआईडी कार्यकर्ता अपने समय का प्रबंधन अच्छी तरह से करने में समर्थ नहीं है, तो वे कौन लोग होंगे जो इससे प्रभावित होंगे? हमारे विलंबों के परिणामस्वरूप हमारे ग्राहकों के लिए क्या नकारात्मक परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं?	
	विलंब से बचना और सहायता लेना (देखिए नीचे संसाधन)	**पीपीटी** – प्रभावी समय प्रबंधन के लिए रणनीतियों पर पीपीटी का प्रयोग करते हुए एक संपर्क व्याख्यान संचालित करें।	पीपीटी प्रस्तुतीकरण
	सारांश	*अभिव्यक्ति (स्वयं और विशाल समूह)* प्रशिक्षु दो नई सीखी गई बातों को नोट करेंगे	

संदर्भ :

- विलंब से बचना और सहायता प्राप्त करना : https://www.mindtools.com/pages/article/newHTE 96.htm
- *ईएन शीर्षक 17: समय प्रबंधन, समय पर रिपोर्टिंग*

संदर्भ :

देखिए समय प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण – सप्ताह 10 और 11।

भारतीय पुनर्वास परिषद्

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करता है; मॉड्यूल 2 : समावेशी प्रतिबद्धताओं और अनुपालन को सहयोग करता है; शीर्षक 1 : सरकारी अधिकारियों से मुलाकात और उन्हें सूचीबद्ध करना

सत्र 3.2.1.3: पत्र लेखन के माध्यम से सरकारी अधिकारियों और विकास अधिकारियों को सूचीबद्ध करना
चरण दो; सत्र संख्या :
सत्र की अवधि :
प्रशिक्षुओं की संख्या :
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु स्थानीय सरकारी अधिकारी को लिखेंगे, जिसमें जागरूकता को बढ़ाने और स्थानीय समावेशन में सुधार करने में सहयोग को सूचीबद्ध किया जाएगा

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	स्थानीय अधिकारियों की पहचान करना	पत्र की अपेक्षा रखने के लिए प्रासंगिक स्थिति में अधिकारियों की पुनः तलाश करना	
	स्थानीय अधिकारियों को लिखने के लिए फॉर्मेट तैयार करना		कागज पेंसिल
	पत्र लिखना – समुदाय परियोजना का भाग **असाइनमेंट**		

संदर्भ :

- https://frontline.thehindu.com/cover-story/sensitising-the-state/article8068400.ece
- *ईएन शीर्षक 6: सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करना*

टिप्पणियां:

देखिए सप्ताह 5

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करता है; मॉड्यूल 2 : समावेशी प्रतिबद्धताओं और अनुपालन को सहयोग करता है; शीर्षक 3 : खामियों का विश्लेषण और मुद्दों की पहचान करना

सत्र 3.2.3.2: सरकारी सेवा प्रावधान और अनुपालन का खामी विश्लेषण			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु सेवा वितरण मे खामियों और मुद्दों की पहचान करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक–कार्य – **असाइनमेंट**	खामी विश्लेषण – चरण एक में चर्चा किए गए खामी विश्लेषण उपकरण का उपयोग करते हुए, प्रशिक्षु स्थानीय लोगों के लिए सेवा वितरण प्रणाली में खामियों और मुद्दों की पहचान करेंगे और खामी विश्लेषण को पूरा करेंगे।	

संदर्भ :

- https://www.bio.org/sites/default/files/Negotiation%20Strategies Lesley%20Stolz.pdf
- https://www.cbm.org/news/news/news-2018/disability-inclusion-policy-brief-gap-analysis-on-disability-inclusive-humanitarian-action-in-the-pacific/
- *ईएन शीर्षक 6 : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करना*

टिप्पणियां :

खामी विश्लेषण उपकरण पर चरण एक, सप्ताह 4 में चर्चा की गई थी।

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग; मॉड्यूल 1: परिवर्तन एजेंट के रूप में कार्य करता है; शीर्षक 1 : परिवर्तन एजेंसी के लिए भूमिकाएं और उपकरण

सत्र 4.1.1.1: परिवर्तन एजेंट की विशेषताएं और भूमिका उत्तरदायित्व			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : परिवर्तन एजेंट के लिए 'क्या करें' और 'क्या न करें' की सूची बनाना और परिवर्तन एजेंट का प्रोफाइल तैयार करना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	सामाजिक परिवर्तन एजेंट	सामाजिक परिवर्तन लाने वाले प्रसिद्ध लोगों के कोलाज के टुकड़ों को जोड़ने वाली अनूठी गतिविधियाँ	तस्वीरें
	समुदाय परिवर्तन एजेंट के उत्तरदायित्व	प्रशिक्षु मामला अध्ययन का अवलोकन करेंगे और उस जिम्मेदारी को ग्रहण करेंगे जो संस्थापक ने सहकारी समिति लिमिटेड की स्थापना के लिए दिखाई है।	नमन सहकारी समिति लिमिटेड/ किसी अन्य का मामला अध्ययन
	समुदाय परिवर्तन एजेंट की विशेषताएं • दृष्टिकोण • संयमी • ज्ञान • स्वयं उदाहरण बनकर नेतृत्वकारक • सुनने वाला	प्रशिक्षक नमन सहकारी समिति लिमि. टेड के संस्थापक द्वारा किए गए कार्य से जोड़ते हुए प्रशिक्षुओं का एक समुदाय परिवर्तन एजेंट के गुणों को प्रोफाइल करने के लिए मार्गदर्शन करेगा।	नमन सहकारी समिति लिमिटेड/ किसी अन्य का मामला अध्ययन
	पुनःप्राप्ति	सामुदायिक परिवर्तन एजेंट के गुणों को सूचीबद्ध करना एक परिवर्तन एजेंट की भूमिका और जिम्मेदारियों का वर्णन करना	
	प्रायोगिक–कार्य	वेलोवॉटर व्हील के मामला अध्ययन को देखें और सामुदायिक परिवर्तन के एजेंट के गुणों को सूचीबद्ध करें	वेलोवॉटर व्हील मामला अध्ययन

संदर्भ :

- http://www.indiasanitationcoalition.org/resources/Case%20Study%20-%20Wello.pdf
- http://www.ngonaman.org/
- http://www.ngonaman.org/pdf/cooperatives.pdf
- *ईएन शीर्षक 8: समुदाय कार्रवाई को सहयोग देना*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को सहयोग; मॉड्यूल 1 : परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करता है; शीर्षक 1 : परिवर्तन एजेंसी की भूमिकाएं और उपकरण

सत्र 4.1.1.2: परिवर्तन के लिए आवश्यकता को समझना और सीबीआईडी के संदर्भ में परिवर्तन का सिद्धांत			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : समस्या की पहचान, कार्रवाई पर निर्णय और परिवर्तन लाने के लिए किसी समाधान की योजना बनाना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	परिकल्पित समस्या परिचय	कोई महत्वपूर्ण क्रियाकलाप : समूह का प्रत्येक सदस्य किसी ऐसी समस्या की स्थिति के बारे में बात करता है जिसे वे दिव्यांगजनों के लिए एक बाधा समझते हैं। सदस्य अपनी प्रतिक्रिया दर्शाने के लिए लाल अथवा हरे झंडे उठाएंगे।	लाल और हरे झंडे अथवा लंबी और छोटी स्टिक्स
	दिव्यांगजनों के लिए समुदाय में समस्या की पहचान करना	प्रशिक्षक लाल या हरे कॉलमों के तहत समस्या को सूचीबद्ध करता है और समूह निर्णय लेता है कि कौन सी समस्या सबसे महत्वपूर्ण है।	श्वेत बोर्ड
	समस्या समाधान के चरण	प्रशिक्षक एक संभावित समाधान पर पहुंचने के लिए एक ध्यान–केंद्रित समूह चर्चा आयोजित करता है और उस सदस्य को नोट करता है जो किसी समाधान पर पहुंचने के लिए अगुआई करता है।	डायरी
	परिवर्तन लाने के लिए कार्रवाई की योजना बनाना	माइंड मैप का उपयोग करते हुए सदस्य कार्रवाई की योजना बनाते हैं और प्रशिक्षु उसे नोट करते हैं जो अगुआई करते हैं।	श्वेत बोर्ड
	प्रायोगिक–कार्य	प्रशिक्षक सर्वसम्मति से राय लेगा और इस बारे में भी अपनी राय साझी करेगा कि कौन अगुआई कर रहा है और तदनुसार निर्णय लेगा.। 1. परिवर्तन क्या था अर्थात समस्या का हल करने के लिए समूह द्वारा निर्णय लिया गया समाधान और जो परिवर्तन लाने के लिए अगुआई करता है।	परिवर्तन के सिद्धांत की स्लाइड

संदर्भ :

- https://diytoolkit.org/tools/theory-of-change/
- https://www.sopact.com/theory-of-change
- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय कार्रवाई को सहयोग देना*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को सहयोग; मॉड्यूल 1 : परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करता है; शीर्षक 2 : बाह्य उत्प्रेरकों की भूमिका को सुकर बनाना

सत्र 4.1.2.1: निचले स्तर की अधिकारिता को सुकर बनाना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : **सत्र 4 शीर्षक 1:** अन्य दृष्टिकोणों से अधिकार आधारित दृष्टिकोण का विभेद करना **सत्र 4 शीर्षक 2:** परामर्श समूहों के निर्माण की प्रक्रिया को दर्शाना **सत्र 4 शीर्षक 3:** परामर्श के लिए क्षमता निर्माण हेतु रणनीतियों को सूचीबद्ध करना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पीडब्ल्यूडी के लिए स्व–परामर्श की विशेषताएं	प्रशिक्षु स्व–आकलन करेंगे और यह महसूस करेंगे कि वे पहले से ही परामर्शक हैं. प्रशिक्षक परामर्श की विशेषताओं का उल्लेख करेंगे और उन्हें साझा करेंगे।	परामर्श क्रियाकलापों का रेटिंग स्केल फिलप चार्ट
	परामर्श के अधिकार आधारित दृष्टिकोण की अवधारणा परामर्श के प्रकार – 1. स्व 2. प्रतिनिधिकारक परामर्श के सिद्धांत : अधिकारिता, स्वायत्तता और नागरिकता	प्रशिक्षु पीपीटी का प्रयोग करते हुए परामर्श परामर्श के प्रकारो तथा परामर्श के लिए अधिकार आधारित दृष्टिकोण के सिद्धांतो को स्थापित करने के लिए कौशल रेटिंग के उदहारणों का प्रयोग करेंगे।	पॉवरप्वाइंट प्रस्तुतीकरण
	परामर्श समूहों का गठन पीडब्ल्यूडी के लिए परामर्श समूहों के चरण पीडब्ल्यूडी और उनके परिवारों के साथ मधुर संबंध स्थापित करना जीआर सहित आंकड़े और सूचना संग्रहित करते हुए यथार्थ अपेक्षाएं रखना.	किसी भूमिका अथवा नाट्य अभिनय के माध्यम से, प्रशिक्षक परामर्श समूहों के गठन की प्रक्रिया का प्रदर्शन करेगा और इसके बारे में जानकारी देगा।	भूमिका/नाट्य अभिनय फिलप चार्ट
	परामर्शी सूचना साझेदारी के लिए समूहों की क्षमता का निर्माण. संपर्क करना, संसाधन जुटाने संबंधी पहलकदम उठाना, स्व–प्रेरणा, लोगों का प्रबंधन, संकट प्रबंधन	प्रशिक्षक यह बताने के लिए किसी मामला अध्ययन का उपयोग कर सकता है कि पीडब्ल्यूडी का एक स्व–सहायता समूह कैसे बनाया जाता है और उनके अधिकारों के लिए उन्होंने बताए गए किन कौशलों का प्रदर्शन किया है।	स्व–सहायता समूह का कार्य अध्ययन फिलप चार्ट
	प्रायोगिक–कार्य	फिलप चार्ट का उपयोग करके पुनरावृत्ति करते हुए, प्रशिक्षु परामर्श के बारे में शिक्षण को मजबूत करेगा और पोस्टर तैयार करेंगे।	चार्ट पेपर मार्कर

संदर्भ :

- http://www.pgssgkp.org/
- www.leprosymission.in
- *ईएन शीर्षक 9 : स्थानीय नेतृत्व और समूह*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को सहयोग; मॉड्यूल 1 : परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करता है; शीर्षक 2 : बाह्य उत्प्रेरकों की भूमिका को सुकर बनाना

सत्र : 4.1.2.3 सीबीआईडी कार्यक्रम में समुदाय अधिकारिता का मूल्यांकन

अधिकारिता का मूल्यांकन और रिपोर्टिंग : प्रशिक्षु किसी ज्ञात सीबीआईडी कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण का प्रयोग करेंगे जैसे लावारैक के समुदाय अधिकारिता परिक्षेत्र – इसे कार्यक्रम प्रबंधक(कों) के लिए एक रिपोर्ट के रूप में तैयार किया जाएगा।

संदर्भ :

- **लावारैक 2005**: समुदाय अधिकारिता के लिए परिक्षेत्र दृष्टिकोण का प्रयोग करना।

लावेरैक का समुदाय अधिकारिता परिक्षेत्र संगठनों, कार्यक्रमों और परियोजनाओं की आधारभूत अपेक्षाओं को अभिव्यक्त करता है। यदि वे अधिकारिता प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें सक्रियता के साथ यह प्राप्त करना होगा:

प्रशिक्षुओं को उनके स्थापन संगठन विचार करना होगा और उनके स्थापन प्रशिक्षक का साक्षात्कार करना होगा कि इन अवयवों पर किस प्रकार विचार किया जा रहा है। वे इसे अपने **अधिगम जर्नल** अभ्यास 11 में लिख सकते हैं। **परिशिष्ट 28**

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को सहयोग; मॉड्यूल 2 : परामर्श और कार्रवाइयों के लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करता है और कार्य करता है; शीर्षक 2 : समूह कार्यकरण की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना

सत्र : 4.2.2.1 : दल में कार्य करने की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया करना:

प्रशिक्षु सीबीआईडी दल में मिलकर कार्य करते हुए आने वाली चुनौतियों पर प्रतिक्रिया करने के लिए न्यूनतम तीन चर्चाओं को प्रलेखित करेंगे (पीबी एंड आरपी 1.3.2.2 भी देखें)

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को सहयोग; मॉड्यूल 1 : परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करता है; शीर्षक 2 : बाह्य उत्प्रेरकों की भूमिका को सुकर बनाना

सत्र 4.1.2.2 : उत्प्रेरक कथा–वर्णन

प्रशिक्षु अधिकारिता प्राप्त समूह क्रियाकलाप के सफल परिणामों की कथाएँ तैयार करना जारी रखेंगे (देखिए सप्ताह 6 – उत्प्रेरक कथाओं को प्रलेखीकृत करना)

सप्ताह 14

सप्ताह 14	चरण दो ब्लॉक 3 सप्ताह 2 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.3.1.2 फिटिंग और प्रशिक्षण सहायता तथा पुनर्वास उपकरणों के लिए एडीआईपी फॉर्म – इसे किसी व्यप्रि के लिए भरें और अभिहित केंद्र में प्रस्तुत करें **(पोर्टफालियां)**	3.2.3.2 सरकारी अनुपालन खामी विश्लेषण पूर्ण करें **असाइनमेंट**
मंगलवार	2.3.1.2 मसौदा रिपोर्टों और फ़ॉर्मों को तैयार करता है – प्रशिक्षण रिपोर्ट, आईआरपी (ए एंड आई के साथ) **(बाधा)**	3.2.3.2 सरकारी अनुपालन खामी विश्लेषण जारी... **असाइनमेंट**
बुधवार	2.3.1.2 रिपोर्टें और फॉर्म तैयार करना जारी....	4.2.2.2 संचलन अधिगम आवश्यकताओं को सहायता देना
गुरूवार	3.2.1.3 स्थानीय सरकारी अधिकारियों को पात्र लिखता है **असाइनमेंट**	4.2.2.2 संचलन अधिगम आवश्यकताओं को सहायता देना जारी...
शुक्रवार	4.1.2.3 समुदाय अधिकारिता उपकरणों के क्षेत्रों का प्रयोग करते हुए और कार्यक्रम प्रबंधक को परिणामों की सूचना देते हुए उनकी अधिकारिता को सुकर बनाने के लिए कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना **जर्नल**	

चरण दो सप्ताह 14

ए एंड आई

4.3.1.2 **पोर्टफोलियो** – फिटिंग और प्रशिक्षण सहायक एवं पुर्नवास उपकरणों के लिए एडीआईपी फॉर्म

4.2.2.2 संचालन अधिगम आवश्यकताओं को सहायता देना

पीबी एंड आरपी

2.3.1.2 **बाधा** – विभिन्न अभिलेख अनुरक्षण प्रयोजनों के लिए फॉर्म तैयार करना

आईसीडी

3.2.1.3 **असाइनमेंट जारी..** – सरकारी अधिकारियों को लिखना

3.2.3.2 **असाइनमेंट जारी..** – सरकारी अनुपालन खामी विश्लेषण

4.1.2.3 **जर्नल जारी..** – अधिकारिता का मूल्यांकन और उसके रिपोर्टिंग करना

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप को समर्थन देना और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 3 : सहायक और पुनर्वास उपकरणों की स्थापना और प्रशिक्षण को सहायता देना; शीर्षक 1 : एडीआईपी योजना

सत्र 4.3.1.2 : फॉर्म भरने के लिए एडीआईपी योजना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले शिक्षण परिणाम : एडीआईपी योजना पर पर्याप्त जानकारी – क्रय/उपकरणों/उपस्करों की फिटिंग के लिए दिव्यांगजनों को सहायता			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	फॉर्म भरना और उसका उसे किसी अभिहित केंद्र को प्रस्तुत करना – **पोर्टफोलियो** में एडीआईपी फॉर्म प्रस्तुत करना।	प्रशिक्षु किसी अभिहित केंद्र की पहच. ान करेंगे और सहायक उपकरणों तक पहुँच बनाने के लिए भरा गया फॉर्म प्रस्तुत करेंगे।	रिक्त एडीआईपी फॉर्म

संदर्भ :

- एडीआईपी योजना और अन्य सभी विवरणों के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन प्रभाग की वेबसाइट देखें.
- *ईएन शीर्षक 29: एडीआईपी* – यहां देखें

टिप्पणी :

यह एक प्रायोगिक–कार्य है – एडीआईपी योजना पर इनपुट सप्ताह 4 में दिया गया है.

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप को समर्थन देना और उसे प्रदान करना; मॉड्यूल 2 : दिव्यांगजनों के साकल्यवादी विकास में संवृद्धि करना; शीर्षक 2 : संचालन और स्वतंत्र कार्यकरण में संवृद्धि करना

सत्र 4.2.2.2: संचलन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग प्रदान करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले शिक्षण परिणाम : संचलन संबंधी कार्यकरण में संवृद्धि करने के लिए परिवारों को जानकारी प्रदान करता है.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक–कार्य	पर्यवेक्षण के अंतर्गत व्यक्तियों के साथ कौशलों का प्रदर्शन करता है	

टिप्पणियां:

यह एक प्रायोगिक–कार्य है – संवेदी बाधा को सहयोग करने के लिए इनपुट सप्ताह 13 में प्रदान किया गया है।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 3 : दस्तावेज और रिपोर्टें; शीर्षक 1 : रिपोर्टिंग फॉर्मेट

सत्र 2.3.1.2: रिपोर्टिंग फॉर्म तैयार करना (व्यक्तियों, डीपीओ और सहयोग समूह तैयार करना)			
प्रायोगिक सत्र 1 : प्रशिक्षण रिपोर्ट तैयार करना			
	प्रशिक्षण रिपोर्ट तैयार करने पर अभिविन्यास (चरण दो)	प्रशिक्षक स्टाफ या समुदाय या दिव्यांगजनों के लिए आयोजित प्रशिक्षण का रिकॉर्ड रखने के महत्व पर प्रशिक्षुओं को जानकारी प्रदान करेंगे प्रशिक्षु क्षेत्र में दिए गए प्रशिक्षण पर एक प्रशिक्षण रिपोर्ट तैयार करेंगे **बाधा**	
प्रायोगिक सत्र 2 : ग्राहकों की प्रबंध सूचना प्रणाली और डाटाबेस तैयार करना			
	डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली अथवा साधारण फाइलें (जैसे हार्ड प्रति अथवा माइक्रोसॉफ़्ट एक्सेल) तैयार करने पर अभिविन्यास (चरण दो)	प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को ग्राहकों के लिए संचालित किए जाने वाले प्रशिक्षण के रिकॉर्ड रखने के महत्व पर जानकारी प्रदान करेंगे जिनमें समुदाय में उपलब्ध सेवाएं/दिव्यांगजनों द्वारा उपयोग की जा रही विभिन्न प्रकार की सेवाओं के रिकॉर्ड शामिल हैं। एकत्र और रिकॉर्ड किए जाने वाले डाटा के प्रकार पर चर्चा (नाम, पिता/माता का नाम/आधार कार्ड संख्या/जन्म–तिथि/आदि) प्रशिक्षु एमआईएस फॉर्म को सही–सही भरेंगे	
प्रायोगिक सत्र 3 : वैयक्तिक पुनर्वास योजना तैयार करना			
	किसी वैयक्तिक ग्राहक के लिए व्यापक विकास योजना तैयार करने पर अभिविन्यास (चरण दो – आईएंडए के साथ संपर्क)	केंद्रीय अवयवों पर प्रशिक्षुओं के साथ चर्चा, इसे किस प्रकार अनुरक्षित किया जाएगा, योजना की अवधि और इसकी कब समीक्षा की जाएगी। उदाहरण : वैयक्तिक पुनर्वास योजना (आईआरपी) विकसित करना वैयक्तिक शिक्षा योजना (आईईपी) विकसित करना वैयक्तिक आजीविका योजना (आईएलपी) विकसित करना	
प्रायोगिक सत्र 5 : एसएचजी रिपोर्टिंग आवश्यकताएं			
	स्व–सहायता समूहो (एसएचजी) द्वारा अनुरक्षित की जाने वाली रिपोर्टों पर अभिविन्यास आईसीडी के साथ संपर्क (चरण 3) **उदाहरण:** नियम/उप–नियम पासबुक बैठक के कार्यवृत्त रसीद पुस्तक नकदी/बचत पुस्तक ऋण बही प्रशिक्षण पुस्तक हाजिरी पुस्तक आगंतुक पुस्तक, आदि	एसएचजी द्वारा रिपोर्टिंग आवश्यकताओं पर तथा इस संबंध में प्रशिक्षुओं के साथ चर्चा कि रिपोर्टों को अनुरक्षित रखने के लिए उन्हें किस प्रकार सहयोग दिया जाएगा	
प्रायोगिक सत्र 6 : डीपीओ रिपोर्टिंग आवश्यकताएं			
	डीपीओ द्वारा अनुरक्षित की जाने वाली रिपोर्टों पर अभिविन्यास आईसीडी के साथ संपर्क (चरण 3) उदाहरण : उपर्युक्त के अनुसार	डीपीओ द्वारा रिपोर्टिंग आवश्यकताओं पर तथा इस संबंध में प्रशिक्षुओं के साथ चर्चा कि रिपोर्टों को अनुरक्षित रखने के लिए उन्हें किस प्रकार सहयोग दिया जाएगा	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 6: रिपोर्टिंग फॉर्मेट*
- *ईएन शीर्षक 19: बैठक की रिपोर्ट*

टिप्पणियां :

- इसमें रिपोर्टिंग फार्मेटों की सप्ताह 9 और 10 की चर्चा जारी रहेगी.

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग; मॉड्यूल 2 : समावेशी प्रतिबद्धताओं और अनुपालन का समर्थन करता है; शीर्षक 1 : सरकारी पदाधिकारियों के साथ बैठकें और उन्हें सूचीबद्ध करना

सत्र : 3.2.1.3: सरकारी अधिकारियों को लिखना

इस कार्य को जारी रखना (देखिए सप्ताह 13) **असाइनमेंट**

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग; मॉड्यूल 2 : समावेशी प्रतिबद्धताओं और अनुपालन का समर्थन करता है; शीर्षक 3 : खामियों का विश्लेषण और मुद्दों की पहचान

सत्र : 3.2.3.2: सरकारी अनुपालन खामी विश्लेषण

सप्ताह 13 से खामी विश्लेषण जारी.. **असाइनमेंट**

आईसीडी यूनिट 4 : समुदाय नेतृत्व और कार्रवाई को सहयोग देना; मॉड्यूल 1 : परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करता है; शीर्षक 2 : बाह्य उत्प्रेरक के भूमिका को सुकर बनाना

सत्र 4.1.2.3 (जारी...): अधिकारिता का मूल्यांकन और रिपोर्टिंग

सप्ताह 13 से जारी : प्रशिक्षु लावारैक के समुदाय अधिकारिता क्षेत्रों की तर्ज पर एक प्रसिद्ध सीबीआईडी कार्यक्रम के अनुसार निचले स्तरों का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण का प्रयोग करेंगे – इसे कार्यक्रम प्रबंधक (कों) के लिए एक रिपोर्ट के रूप में तैयार किया जाएगा, **जर्नल**

सप्ताह 15

सप्ताह 15	चरण दो ब्लॉक 3 सप्ताह 3 फील्ड में	
	पुर्वाह्न	**अपराह्न**
सोमवार	4.2.2.3 संचलन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग देना	4.2.1.1 (इनपुट) सीबीआर मैट्रिक्स का उपयोग करके क्षेत्रों में नेटवर्किंग। इस इनपुट के बाद, प्रशिक्षु समावेश हेतु संभावित नेटवर्किंग के लिए स्थानीय समुदाय में काम करने वाली एजेंसियों की एक दिशा–निर्देशिका तैयार करेंगे (4.2.1.2)
मंगलवार	2.3.3.1 (इनपुट) मामला अध्ययन लिखना और प्रस्तुत करना	4.2.1.2 (इनपुट) परामर्श अभियानों का समर्थन करने और परिवर्तन के लिए प्रतिबद्धता का निर्माण करने के लिए आंकड़े एकत्र करने के लिए नेटवर्क का उपयोग करना। चरण 3 में, सामुदायिक परियोजना असाइनमेंट के दौरान, प्रशिक्षु परामर्श संदेश का समर्थन करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से डेटा एकत्र करेंगे **असाइनमेंट**
बुधवार	2.3.3.2 एक छोटे समूह मे 2 मामला अध्ययन तैयार करें (ए एंड आई 2.5.1/2.5.2/2.6.1 के लिए परिवारों के साथ कार्य करते हुए प्राप्त टिप्पणियों का प्रयोग करते हुए)	4.8.1.2 प्रगति के सतत् और संकलनात्मक मूल्यांकन संचलित करना **(पोर्टफोलियो)**
गुरुवार	4.2.1.2 आईसीडी के लिए नेटवर्किंग को सहयोग देने के लिए स्थानीय एजेंसियों की निर्देशिका तैयार करता है (असाइनमेंट)	4.8.2.2 परिवार के साथ सहयोग करते हुए प्राप्त मूल्यांकनों से लक्ष्य पुनः तैयार करना
शुक्रवार	4.2.1.2 जारी– **(असाइनमेंट)**	4.4.2.2 एडीएल कौशलों के शिक्षण को प्रदर्शन करना **(बाधा)**

चरण दो सप्ताह 15

ए एंड आई

4.2.2.3 संचलन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग देना

4.8.1.2 पोर्टफोलियो – प्रगति के सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकन संचालित और दाखिल करना

4.8.2.2 परिवार के साथ सहयोग करते हुए मूल्यांकनों से लक्ष्य पुनःनिर्धारित करना

4.4.2.2 बाधा – एडीएल कौशलों के शिक्षण का प्रदर्शन

पीबी एंड आरपी

2.3.3.1 मामला अध्ययन लिखना और प्रस्तुत करना

आईसीडी

4.2.1.1 क्षेत्रों में नेटवर्किंग

4.2.1.2 असाइनमेंट – स्थानीय एजेंसियों की दिशानिर्देशिका तैयार करना

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 2 : दिव्यांगजनों के साकल्यवादी विकास में संवृद्धि करना; शीर्षक 2 : संचालन और स्वतंत्र कार्यकरण में संवृद्धि करना

सत्र 4.2.2.3: संचालन शिक्षण आवश्यकताओं को सहयोग देना

प्रायोगिक कार्य जारी रखना – संवेदी बाधा में सहयोग देने के लिए इनपुट सप्ताह 13–14 में प्रदान किए गए हैं।

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 8 : हस्तक्षेपों की मॉनिटरिंग और मूल्यांकन करता है; शीर्षक 1 : अनुवीक्षण और सूचना एकत्रीकरण

सत्र 4.8.1.2: प्रगति का सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकन संचालित करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु परिवार में क्रियान्वित किए जा रहे नैदानिक हस्तक्षेपों की निगरानी करेंगे.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रगति के सतत् और योगात्मक मूल्यांकनों को पूर्ण करना – पोर्टफोलियो	प्रशिक्षु दो अलग–अलग व्यक्तियों और उनके परिवारों की प्रगति पर एक सतत् और योगात्मक मूल्यांकन पूरा करेंगे जिनके साथ प्रशिक्षु चरण दो से कार्य कर रहे हैं	सतत् और योगात्मक आकलन फॉर्म

संदर्भ :

- https://www.thecopm.ca/learn/– कनाडाई व्यावसायिक निष्पादन मापन (सीओपीएम) किसी ग्राहक और उनके परिवार के महत्व के लक्ष्यों की पहचान करने के लिए एक सरल साधन प्रदान करने और उन्हें अपने प्रदर्शन को अंक देने के लिए एक साधन प्रदान करता है। इसका उपयोग हस्तक्षेप के दौरान निर्माणात्मक रूप में और हस्तक्षेप के अंत में एक परिणाम उपाय के तौर पर योगात्मक रूप में, दोनों ही प्रकार से किया जा सकता है। यह समय के साथ व्यक्ति के परिवर्तन की भावना को शामिल कर लेता है।
- प्रदर्शन गुणवत्ता रेटिंग स्केल एक सरल 10–पॉइंट स्केल है जो समय–समय पर प्रदर्शनकर्ता के मूल्यांकन के अनुसार बेसलाइन प्रदर्शन और परिवर्तन को स्थापित करता है। 1 का संकेत ''कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकता'' और 10 का संकेत '' लक्ष्य को बहुत अच्छी तरह से प्राप्त करता है।'' स्कोरिंग उद्देश्य पर आधारित होना चाहिए, लक्ष्य के लिए विकसित परिचालनात्मक मानदंड और संख्याओं के सबसेट (1, 2, 4, 6, 8, 10) में बढ़ती क्षमता के अवलोकन–योग्य विवरणों को शामिल करना चाहिए। आधारभूत पीक्यूआरएस फॉर्म इस प्रकार है:

निष्पादन गुणवत्ता रेटिंग पैमाना											
आकलन किए जाने वाले व्यक्ति का नाम :											
आकलक का नाम :											
दिनांक – पूर्व :											दिनांक – पश्चात् :
लक्ष्य :											*टिप्पणी :*
1:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
2:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
3:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	

मिलर एल, पोलताज्को एचजे, मिसेउना सी, एट अल. (2001). ए पायलट ऑफ ए कॉग्निटिव ट्रीटमेंट फॉर चिल्ड्रेन विद डेवलपमेंटल कॉर्डिनेशन डिसऑर्डर. मानव संचलन विज्ञान खंड 20: 183–210।

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 8 : हस्तक्षेपों की मॉनिटरिंग और मूल्यांकन करता है; शीर्षक 2 : सहयोगी चर्चा और लक्ष्य पुनः तैयार करना

सत्र 4.8.2.2: परिवार के साथ सहयोग करते हुए मूल्यांकनों से लक्ष्य पुनः तैयार करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु सतत् प्रगति मूल्यांकनों के परिणामों के आलोक में सामूहिक रूप से लक्ष्यों को पुनः तैयार करेंगे.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	लक्ष्यों को पुनः तैयार करना	सतत् और निर्माणात्मक मूल्यांकनों (4.8.1.2 दो व्यक्तियों/परिवारों के) के परिणामों तथा व्यक्तियों और उनके परिवारों के साथ सामूहिक रूप से की गई चर्चा के आलोक में, प्रशिक्षु अपने लक्ष्यों को पुनः तैयार करेंगे.	लैपटॉप, एलसीडी

संदर्भ :

- https://www.thecopm.ca/learn/

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 4 : ओ एंड एम और एडीएल तकनीकों में प्रशिक्षण संचालित करता है; शीर्षक 2: एडीएल कार्य विश्लेषण

सत्र 4.4.2.2 : एडीएल – एडीएल कौशलों के शिक्षण का प्रदर्शन			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु एडीएल में विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन करने में समर्थ होंगे तथा प्रत्येक क्षेत्र के लिए कार्य विश्लेषण तैयार करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	मूल्यांकन	समूह एडीडी कौशलों के शिक्षण का प्रदर्शन करेगा	

संदर्भ :

- यह सप्ताह 13 में दिए गए इनपुट का सतत् प्रायोगिक कार्य है।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो: कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 3 : दस्तावेज और रिपोर्टें, शीर्षक 3 : मामला अध्ययन तैयार करना

सत्र 2.3.3.1: मामला अध्ययन लिखना और प्रस्तुत करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: प्रशिक्षु मामला अध्ययन संकलित करते हैं, लिखते हैं और प्रस्तुत करते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	मामला अध्ययनों का परिचय	क्रियाकलाप : प्रशिक्षु सत्र के लिए मामला अध्ययनों के 3–5 उदहारण एकत्र करेंगे. प्रशिक्षक मामला अध्ययनों के उदहारण साझा करेंगे (अच्छे और खराब/निष्कृष्ट लेखन कौशलों के साथ). प्रशिक्षुओं को समूहों में विभाजित करें और उन्हें निम्नलिखित कार्य दें: शिक्षार्थी निम्न के बारे में रिकॉर्ड बनेगा: • मामला अध्ययन के बारे में आपको क्या पसंद आया? • मामला अध्ययन के बारे में आपको क्या पसंद नहीं आया? • उन शब्दों की पहचान करें जो अधिकारिता प्रदान करने वाले थे अथवा जिन्होंने मामल अधययन को रेखांकित किया. • एक अच्छा मामला अध्ययन तैयार करने के बारे में आपके विचार और दृष्टिकोण क्या है?	पेन कागज़ एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन मामला अध्ययन
	कहानी वर्णन और मानव रूचि के वर्णन स्थापित करने पर चर्चा. मामला अध्ययन प्रस्तुतिकरण के लिए दिव्यांग बालक/वयस्क/उसके अभिभावक से प्राप्त सहमति प्रपत्र का महत्व	इस सत्र में संदर्भ विश्लेषण, कहानी वर्णन का महत्त्व, आधारभूत फॉर्मेट और यह वर्णन करना शामिल है कि समावेशी कहानी वर्णन किस प्रकार करें. सहमति का महत्त्व • फोटोग्राफी के लिए • मामला अध्ययन तैयार करने के लिए	
	समूह कार्य/प्रायोगिक–कार्य	यह समूह अभ्यास पांच कथाओं पर कार्य करने के लिए प्रतिभागियों को अनुमति प्रदान करता है, जिनमें से प्रत्येक उनके द्वारा लाई गई हो। इस बात पर चर्चा कि इसे और अधिक कैसे सुधारा जा सकता है।	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 20: मामला अध्ययन तैयार करना*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाई को समर्थन देना; सत्र योजना : मॉड्यूल 2 : परामर्श और कार्रवाई के लिए समूहों के साथ सजात स्थापित करता है और कार्य करता है; शीर्षक 1 : सभी सीबीआईडी क्षेत्रों में नेटवर्किंग

सत्र 4.2.1.1: नेटवर्किंग और सहयोग			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: इस बात पर विचार करना कि सामूहिक कार्य और नेटवर्किंग को किस प्रकार सुदृढ़ बनाया जाए।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	सामूहिक कार्य और नेटवर्किंग को सुदृढ़ बनाना	प्रशिक्षक गाना बजाएगा और प्रशिक्षु गाना गाएंगे और यह सिद्ध करेंगे कि एक व्यक्ति या अकेला संगठन लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है और इसलिए उसे सहयोग की आवश्यकता है	स्थानीय गीत अथवा फिल्म से कोई गीत जैसे 'साथी हाथ बढ़ाना'
	• नेटवर्क की अवधारणा • नेटवर्किंग को सुदृढ़ बनाना • नेटवर्क के प्रकार (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय)	प्रशिक्षक निर्णय लेगा और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा जिन्हें आपस में जोड़ा जा सकता है	चार्ट
	नेटवर्किंग की रणनीतियां • सम्प्रेषण कौशल • प्रदर्शन संबंधी ताकत • सूचना एकत्र करना • समारोह आयोजित करना • मानदण्ड स्थापित करना	माइंड मैप्स और ग्राफिक्स का प्रयोग करते हुए विभिन्न रणनीतियों का वर्णन किया जा सकता है	पवार प्वाइंट प्रस्तुतीकरण
	नेटवर्किंग के लिए क्षमता निर्माण • सूचना एकत्र और साझा करना • लोक प्रबंध और प्रशिक्षण	माइंड मैप्स और ग्राफिक्स का प्रयोग करते हुए विभिन्न रणनीतियों का वर्णन किया जा सकता है	पवार प्वाइंट प्रस्तुतीकरण

संदर्भ :

- https://www.academia.edu/36037782/ADVOCACY COLLABORATION and NETWORKING
- http://www.dinf.ne.jp/doc/english/world/dl/RelevanceofCBRandInclusiveDevelopment.pdf

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाई को समर्थन देना; सत्र योजना : मॉड्यूल 2 : परामर्श और कार्रवाई के लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करता है और कार्य करता है; शीर्षक 1 : सभी सीबीआईडी क्षेत्रों में नेटवर्किंग

सत्र 4.2.1.2: नेटवर्किंग और सहयोग – मार्गदर्शिका–पुस्तिका तैयार करना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : नेटवर्किंग के लिए संगठनों की मार्गदर्शिका–पुस्तिका (ग्राफिक आयोजक) तैयार करना			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक–कार्य	प्रशिक्षु एक ध्यान–केंद्रित चर्चा संचालित करेंगे और संपर्क विवरण देते हुए नेटवर्किंग के लिए एक मार्गदर्शिका–पुस्तिका तैयार करेंगे.	

संदर्भ :

- यह मार्गदर्शिका–पुस्तिका **असाइनमेंट** का भाग है

सप्ताह 16

सप्ताह 16	चरण दो ब्लॉक 3 सप्ताह 4 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.4.2.2 एडीएल क्रियाकलापों के लिए कार्य विश्लेषण जारी– (बाधा)	4.2.2.1 (इनपुट) एक साथ कार्य करने की चुनौतियों पर प्रक्रिया व्यक्त करना और सकारात्मक कार्यात्मक संबंधों का निर्माण करना (पीबी एंड आरपी 1.3.2.1 के लिए आगे ले जाया गया) **जर्नल**
मंगलवार	2.3.3.2 मामला अध्ययन तैयार करना – सहमति प्राप्त करना (पोर्टफोलियो)	4.2.2.2 एक साथ कार्य करने की चुनौतियों के संदर्भ में प्रतिक्रया व्यक्त करने वाली बातचीत को प्रलेखीकृत करना (पीबी एंड आरपी के 1.3.2.2 का अवलोकन करें) जर्नल
बुधवार	2.3.2.2 (इनपुट) बैठक के कार्यवृत्त लिखना। इसके लिए अपेक्षा आईसीडी 4.1.2.3 में पूरी की जा चुकी है।	4.4.2.2 एडीएल क्रियाकलापों के लिए कार्य विश्लेषण जारी..
गुरूवार	4.2.2.2 चुनौतीपूर्ण बातचीत को प्रलेखीकृत करना जारी... **4.2.3 अगला सप्ताह आरंभ होगा तथा इसके लिए यहाँ कुछ तैयारी की आवश्यकता होगी (असाइनमेंट)	4.5.1.2 सप्ताह 13 में चयनित वैकल्पिक संप्रेषण माध्यम में संवर्धित प्रवीणता प्रदर्शित करना
शुक्रवार	इस सप्ताह की समाप्ति प्रशिक्षकों के साथ भेंट करने के अवसर के साथ होगी तथा असाइनमेंट पर सहयोग और इनपुट प्राप्त किया जाएगा।	

****आईसीडी इनपुट और सहयोग के लिए उत्तरदायी प्रशिक्षक, टिप्पणी** : अगले सप्ताह से चरण तीन और आईसीडी 4.2.3 सामुदायिक परियोजना शुरू होती है। प्रशिक्षुओं के पास क्रमिक गतिविधियों का एक ऐसा सेट प्राप्त करने के लिए केवल आठ सप्ताह हैं जो सहायक सामुदायिक कार्रवाई करता है। उन्हें सभी गतिविधियों के लिए एक सहभागी तरीके से काम करना आवश्यक है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इच्छुक समुदाय के सदस्यों का परिचय प्राप्त किया जाए। अगले सप्ताह समय पर शुरुआत करने में सहयोग करने के लिए, उनकी पहचान इस सप्ताह एक अतिरिक्त गतिविधि होनी चाहिए, और कोई अन्य तैयारी की जा सकती है, जो आपको आवश्यक हो।

चरण दो सप्ताह 16

ए एंड आई

4.4.2.2 बाधा जारी.. – एडीएल कौशल शिक्षण

4.5.1.2 वैकल्पिक संप्रेषण माध्यम से प्रवीणता प्रदर्शित करना

पीबी एंड आरपी

2.3.3.2 पोर्टफोलियो – मामला अध्ययन विकसित करना – सहमति प्राप्त करना

2.3.2.2 बैठक के कार्यवृत्त लिखना

आईसीडी

4.2.2.1 जर्नल – एक साथ कार्य करने की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना

4.2.2.2 जर्नल – चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाले विचार–विमर्श को प्रलेखित करना

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 4 : ओ एंड एम और एडीएल तकनीकों में प्रशिक्षण संचालित करता है; शीर्षक 2: एडीएल कार्य विश्लेषण

ए एंड आई सत्र 4.4.2.2: एडीएल कौशल शिक्षण प्रदर्शित करना

सप्ताह 15 से जारी **बाधा**

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 5 : विभिन्न पद्धतियों का प्रयोग करते हुए मूलभूत सूचना संप्रेषित करता है; शीर्षक 1 : समग्र संप्रेषण माध्यम

सत्र 4.5.1.2: वैकल्पिक संप्रेषण माध्यमों में प्रवीणता विकास प्रदर्शित करना

सप्ताह 13 से आगे बढ़ते हुए – प्रशिक्षु अपने पसंदीदा संप्रेषण माध्यम के साथ संप्रेषण की संवर्धित योग्यता का प्रदर्शन करते हैं।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 3 : दस्तावेज और रिपोर्टें शीर्षक 3 : मामला अध्ययन तैयार करना

सत्र 2.3.3.2: मामला अध्ययन तैयार करना – सहमति प्राप्त करना			
प्रायोगिक सत्र 1 – सहमति प्राप्त करना			
	सहमति फॉर्म प्राप्त करने की आवश्यकता पर परिबोधन **पोर्टफोलियो** – फॉर्म भरना	प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को सहमति प्राप्त करने के महत्व और इस बारे में जानकारी प्रदान करेगा कि सहमति फॉर्मों का उपयोग कैसे किया जाएगा।	
उदाहरण 1: सहमति फॉर्म (देखिए परिशिष्ट – सीबीएम एसएआरओ)			
उदाहरण 2: सहमति फॉर्म (देखिए परिशिष्ट – सीबीएम एसएआरओ)			
प्रायोगिक सत्र 2 – फोटोग्राफी			
	कहानी वर्णन के लिए छवियों के प्रयोग पर सत्र में फोटो के लिए सहमति भी शामिल है (1.2.2 में भी शामिल) फोटोग्राफी सत्र यह सत्र सिद्धांत और प्रयोग के उदाहरणों का मिश्रण होगा	प्रशिक्षक इस बारे में उदाहरणों को इकट्ठा और साझा करेंगे कि कहानियों का वर्णन करने के लिए लोग चित्रों का उपयोग कैसे करते हैं (इंटरनेट से उदाहरणों का प्रयोग करें)। **जागरूकता:** साझे किए गए उदाहरणों में प्रशिक्षुओं को क्या पसंद आया है। इस विषय पर प्रशिक्षुओं के लिए एक छोटा सत्र आयोजित करें कि मामला अध्ययन तैयार करने के लिए अच्छे फोटोग्राफ/तस्वीरें कैसे ली जाती हैं (स्थानीय फोटोग्राफर को बुलाया जा सकता है)। • प्रशिक्षु ऐसी तस्वीरों से फोटोग्राफी कौशल का प्रयास करेंगे जो वे परिसर/उसके आस–पास से ले सकते हैं • प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा ली गई तस्वीरों को एकत्र करेंगे **समूह वोटिंग:** • श्रेष्ठ फोटोग्राफी का चयन करें और प्रशिक्षु कौशलों की सराहना करें **मामला अध्ययन तैयार करना:** • प्रशिक्षु द्वारा ली गई तस्वीरों के साथ अपना स्वयं का मामला अध्ययन तैयार करते हैं।	
चरण तीन : प्रायोगिक सत्र			
	घर के दौरे से मामला अध्ययन विकसित करना (चरण दो –2 में समूह अभ्यास के रूप में) और चरण 3 में 2 व्यक्तिगत अध्ययन। प्रत्येक मामला अध्ययन को तैयार होने में आधा दिन लग सकता है और वह आईएंडए/आईसीडी के साथ लिंक हो सकता है।	देखिए संलग्न मामला अध्ययन संग्रहण फ़ॉर्मेट। प्रशिक्षु अंतिम रूप प्रदान किए गए नमूने में मामला अध्ययन तैयार करेंगे।	

संदर्भ :

- सहमति फॉर्म : परिशिष्ट 5: https://cbmindia.org.in.e-update-files.CBM-Child-Safeguarding-Policy.pdf 2018 की नई रक्षोपाय नीति की भी जांच करे।
- सीबीएम एसएआरओ अपेक्षित सहमति फॉर्म की पीडीएफ प्रति की आपूर्ति करेगा.
- *ईएन शीर्षक 20: मामला अध्ययन तैयार करना*

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 3 : दस्तावेज और रिपोर्टें शीर्षक 2 : समय पर रिपोर्टिंग

सत्र 2.3.2.2: बैठकों के कार्यवृत्त लिखना			
चरण दो; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु किसी बैठक की कार्यवाही के कार्यवृत्त सही–सही लिख पाएंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	बैठक की रिपोर्टों को लिखने का परिचय निम्न पर अभिव्यक्ति : • बैठक की कार्यवाही क्यों लिखी जानी चाहिए? • बैठक की कार्यवाही रिकॉर्ड करने के लिए विकल्प • आपको बैठक की कार्यवाही कब रिकॉर्ड करनी चाहिए? • बैठक की कार्यवाही किसे रिकॉर्ड करनी चाहिए? • आप बैठक की कार्यवाही कैसे रिकॉर्ड करेंगे? • अनुवर्ती कार्रवाई : आपके द्वारा रिकॉर्ड की गई कार्यवाही के साथ आप क्या करेंगे?	**जागरूकता** : प्रशिक्षुओं के साथ चर्चा	पेन कागज एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन मामला अध्ययन
	प्रमुख रिपोर्टिंग आवश्यकताएं	बैठक की रिपोर्ट तैयार करने के लिए आधारभूत अवयवों पर पीपीटी इस बात पर चर्चा की क्या रिकॉर्ड करना है और क्या रिकॉर्ड नहीं करना है	पेन कागज एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन मामला अध्ययन
प्रायोगिक सत्र 1 और 2 : बैठक की रिपोर्ट तैयार करना			
	प्रशिक्षणों, समारोहों, समुदाय बैठकों आदि पर बैठक की रिपोर्ट तैयार करने के संबंध में परिबोधन चरण दो और तीन में आईसीडी क्रियाकलापों के साथ संपर्क	प्रशिक्षक बैठक के रिकॉर्ड रखने के महत्व पर दिए गए प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति करेगा प्रशिक्षुओं को आयोजित की जाने वाली बैठकों के 3–4 परिदृश्य प्रदान किए जाएंगे प्रशिक्षु बैठक की रिपोर्ट तैयार करेंगे	पेन कागज एलसीडी प्रोजेक्टर और स्क्रीन मामला अध्ययन

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 19: बैठक की रिपोर्टें*

भारतीय पुनर्वास परिषद्

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को समर्थन; मॉड्यूल 2 : परामर्श और कार्रवाई इस लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करता है और कार्य करता है; शीर्षक 2: समूह के कार्यकरण की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना

सत्र 4.2.2.1 और 4.2.2.2: दलों में कार्य करने की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना

प्रशिक्षु वार्तालापों को प्रलेखित करना जारी रखेंगे जिसमें सीबीआईडी दल मे मिलकर कार्य करने में आने वाली चुनौतियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने में अपनाई गई श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को दर्शाया जाएगा **जर्नल**

सप्ताह 13 से जारी..

इससे पीबी एंड आरपी 1.3.2.2 की अपेक्षाओं की पूर्ति भी होती है.

पीबी एंड आरपी यूनिट एक : अपेक्षाओं और उत्तरदायित्वों की पूर्ति करना; मॉड्यूल 3 : दल में प्रभावशाली तरीके से कार्य करता है; शीर्षक 2 : दल के साथ संपर्क

सत्र 1.3.2.2: उल्लेखनीय संपर्क

प्रायोगिक स्थापन :

चरण दो और चरण तीन प्रत्येक में एक बार प्रशिक्षक के साथ समूह में:

- 1 कठिन दल संपर्क पर अभिव्यक्ति और यह बताना कि क्या बेहतर हो सकता था।
- ऐसे 1 दल संपर्क पर अभिव्यक्ति जो बेहतर गया हो तथा उन अवयवों का अन्वेषण करना जो सफलता मे योगदान देते हैं।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 21 : नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना*

प्रगति समीक्षा :

प्रशिक्षक द्वारा प्रेक्षण : (इसके लिए उपकरण तैयार किए जाने की आवश्यकता है – ऐसा प्रशिक्षुओं की मासिक समीक्षा में अथवा प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 3 बार किया जा सकता है जिसमें देखी गई वृद्धि अथवा उसके अभाव पर प्रशिक्षु के साथ चर्चा किया गया फीडबैक भी शामिल है)।

- वरिष्ठों और सहयोगियों के साथ संपर्क करने की संवर्धित होती योग्यता।
- दल के सदस्यों की सराहना और प्रशंसा करने तथा निर्माणात्मक आलोचना प्रदान करने की संवर्धित होती योग्यता।
- नकारात्मक फीडबैक स्वीकार करने की संवर्धित होती योग्यता।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 22 : भावनात्मक स्वास्थ्य और नकारात्मक भावनाओं को प्रबंधित करना*

चरण दो परिशिष्ट

परिशिष्ट 24

परिवार द्वारा दिव्यांगता की स्वीकृति

(इस सत्र के लिए सत्र योजना में शामिल संदर्भ कंडेल एंड मेरिक, 2007 से लिया गया)

परिवार एक यूनिट है जो संरचना की प्रक्रिया द्वारा अनुकूलन करता है। किसी दिव्यांग बच्चे का जन्म परिवार को एक कठिन अस्तित्वगत अनुभव प्रदान करता है। आपदा निवारण के अनेक तरीके हैं। दिव्यांगता के संदर्भ में परिवार की प्रतिक्रिया और स्वीकार्यता की विशेषताओं में निम्नलिखित अवयव शामिल हो सकते हैं :

विशेषताएं	आपने क्या देखा?
अस्वीकृति की पूर्व–प्रतिक्रिया और विशेषताएं: 1. **परिवर्तन का संकट** – चिंता का ध्यान–केंद्रण जीवन की परिस्थितियों में हुआ अचानक परिवर्तन है – भय, चिंता, पूर्व–अनुमानित भविष्य में आशा समाप्त होना 2. **व्यक्तिगत मूल्यों का संकट** – बच्चे के प्रति महत्वाकांक्षी भावनाएं जैसे ग्लानि, दोष, और शर्मिंदगी क्योंकि वे मापन नहीं करती हैं या उन्हें परिवार और समाज द्वारा दंड के रूप में माना जा सकता है 3. **वास्तविकता का संकट** – बच्चे की परवरिश से उत्पन्न कठोर वस्तुनिष्ठ परिस्थितियों की वजह से अन्याय, असहायता और निर्भरता की भावनाएं, जिसमें वित्तीय कठिनाइयां और माता–पिता के खाली समय और उनके अवसरों को सीमित करना शामिल है।	
स्वीकृति के चरण की विशेषताएं: 1. दिव्यांग बालक की सीमाओं को समझने के साथ–साथ उसके कौशलों और क्षमताओं की उपयुक्त अभिभावकीय धारणा। 2. बालक का एक यथार्थवादी दृष्टिकोण, परिवार के लिए जटिलताओं को समझना; अभिभावक आत्म–ग्लानि और दोष से अभिभूत नहीं होते हैं। 3. "जादुई समाधान" की मांग के बिना सेवाओं के संबंध में तार्किक खोज। 4. दिव्यांग बालक के लिए प्यार, जिसमें अस्वीकृति या अति–सुरक्षा की भावना न हो तथा परिवार के अन्य सदस्यों पर भी ध्यान दिया जा सके।	

विशेषताएं	आपने क्या देखा?
5. स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करने और प्रारंभिक नकारात्मक विचारों को सुधारने की क्षमता, विपदा निवारण को सुकर बनाना, दिव्यांग बालक की, जैसे वे हैं, स्वीकृति, सफल होने का दृढ़–संकल्प और स्थिति के लिए एक लक्ष्य या अर्थ खोजना।	
6. अन्य बच्चों, पति/पत्नी, कार्य, और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ उचित संतुलन खोजने की क्षमता, जिसके साथ शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए समय और संसाधनों को समर्पित करना और वैवाहिक संबंधों को संपोषित–बच्चे और परिवार के अन्य सदस्यों, दोनों की जरूरतों एक प्रतिक्रिया प्रदान करना।	
7. संसाधनों की कुशल मांग और उपयोगः जानकारी जुटाना, पेशेवरों के साथ सहयोग, अन्य माता–पिता के साथ संबंध, और सहायता समूहों में एकीकरण। अच्छा सहयोग नेटवर्क परिवार के विपदा निवारण को सहयोग देता है– जितना बड़ा नेटवर्क होगा, उतना बेहतर रहेगा।	
8. बाह्य ध्यान–केंद्रण (असहाय और निष्क्रियता की भावनाओं में अभिव्यक्त) के स्थान पर नियंत्रण का एक आंतरिक ध्यान–केंद्रण (कठिनाईयों से निपटने की उनकी क्षमता में विश्वास द्वारा अभिव्यक्त)।	
9. आवश्यकता पड़ने पर लचीलेपन की प्रवृत्ति।	
10. विकास/निवारण करने की प्रक्रिया में दूसरों को सशक्त बनाने की क्षमता।	
11. सकारात्मक व्यक्तित्व लक्षण, जिसमें लचीलापन, धैर्य, दृढ़ता या दृढ़ संकल्प, सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण, हास्य की भावना और मदद स्वीकार करने की इच्छा भी शामिल है।	

बुधवार अपराह्न सप्ताह 5: ए एंड आई 2.4.2.2

परिशिष्ट 25

अधिगम जर्नल : अभ्यास 8

स्थिति (तारीख, विषय, सत्र संख्या और नाम) :
ए एंड आई 2.5.2.1: पुनर्वास आवश्यकताओं के लिए संसाधनों का चित्रण करें

कार्य:

3–4 के समूह में यह निर्धारित करें कि इस सत्र में जिन व्यक्तियों/परिवारों से आप मिले हैं, उनके संबंध में आप किन संसाधनों का चित्रण करेंगे।

विचार और अभिव्यक्तियां:

मैप किए जाने वाले संसाधन :

आप इनकी मैपिंग करने के लिए क्या करेंगे?

गुरूवार अपराहन, सप्ताह 5: ए एंड आई 2.5.2.1

परिशिष्ट 26

अधिगम जर्नल : अभ्यास 9

स्थिति (तारीख, विषय, सत्र संख्या और नाम) :
पीबी एंड आरपी 1.3.3.1: संप्रेषण कौशल

कार्य:

इस सत्र में संप्रेषण कौशलों के संबंध में विचारों पर अपनी प्रतिक्रियाओं को नोट करें।

विचार और अभिव्यक्तियां:

1. संप्रेषण के बारे में आपने ऐसी नई बातें क्या सीखीं जिनके बारे में आप समझते हैं कि वे आपके सीबीआईडी कार्य में उपयोगी सिद्ध होंगी?

2. अच्छे संप्रेषण के ऐसे दो सिद्धांत क्या हैं जिनमें आप सुधार करना चाहते हैं?

3. 1 से 10 के पैमाने पर (1 = निष्कृष्ट; 2–3 = खराब; 4–5 = ठीक; 6–7 = अच्छा; 8–9 = बहुत अच्छा; 10 = उत्कृष्ट), आपके संप्रेषण कौशल कैसे रहे हैं? वर्णन करे।

बुधवार प्रात:, सप्ताह 5: पीबी एंड आरपी 1.3.3.1

परिशिष्ट 27

अधिगम जर्नल : अभ्यास 10

स्थिति (तारीख, विषय, सत्र संख्या और नाम) :
पीबी एंड आरपी 1.3.2.1: दल में बेहतर रूप से संवाद करना

कार्य :

सीबीआईडी के भीतर अपने पारस्परिक संपर्कों पर प्रकाश डालें और सुधार के लिए विचारों और रणनीतियों को नोट करें।

विचार और अभिव्यक्तियां:

बुधवार प्रातः, सप्ताह 5: *पीबी एंड आरपी 1.3.2.1*

भारतीय पुनर्वास परिषद्

भारतीय पुनर्वास परिषद्

(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
भारत सरकार
बी–22, कुतुब संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली–110016
टेलि फोन: **+91-11-26532408, 26534287**; फैक्स: **+91-11-26534291**
ई–मेल: **rci-depwd@gov.in**
वेबसाईट: **www.rehabcouncil.nic.in**

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी)